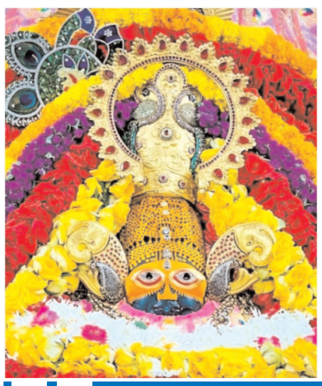

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:363। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 24 अगस्त 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'हाथ में तिरंगा, अंतरिक्ष और 140 करोड़ का सपना हमारा संकल्प'

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आह्वान किया कि बड़े सपने देखें, अधिक नई चीजें बनाएं और नई सीमाओं को पार करें। पीएम मोदी ने कहा कि हाथ में तिरंगा है, अंतरिक्ष है, 140 करोड़ देशवासियों का सपना है, वही हम सबका संकल्प है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं। आइए, और भी बड़े सपने देखें, अधिक नई चीजें बनाएं और नई सीमाओं को पार करें।' इस अवसर पर पीएम मोदी ने एक वीडियो भी जारी किया। उन्होंने कहा, 'मैंने अयोध्या में कहा था कि ये नए कालचक्र की शुरुआत है। यह एक नए कालचक्र का उद्गम है। इस नए काल क्षेत्र में ग्लोबल ऑर्डर में भारत अपना स्पेस लगातार बड़ा बना रहा है। यह हमारे स्पेस प्रोग्राम में भी साफ-साफ दिखाई दे रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में स्पेस सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी है।

उन्होंने कहा, 'आज ये जेन-जी इंजीनियर्स, जेन-जी डिजाइनर, जेन-जी कोडर और जेन-जी साइंटिस्ट नई-नई टेक्नोलॉजी बना रहे हैं। प्रोपल्शन सिस्टम हो, कंपोजिट मटेरियल हो, रॉकेट स्टेजेज हो, सैटेलाइट प्लेटफॉर्म्स हो, भारत का युवा आज उन क्षेत्रों में काम कर रहा है, जिनकी कुछ साल पहले कल्पना भी संभव नहीं थी।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत का प्राइवेट स्पेस टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। आज ग्लोबल इंवेस्टर्स के लिए भारत का स्पेस सेक्टर एक आकर्षक जगह बन रहा है। इसरो की सफलता देखकर कितने ही बच्चों के मन में ये बात आती है कि बड़ा होकर मैं भी वैज्ञानिक बनूंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'वो रॉकेट का काउंटडाउन लाखों बच्चों को प्रेरित करता है। हर घर में कागज के हवाई जहाज उड़ाने वाला जो एयरोनॉटिकल इंजीनियर है, वो बड़ा होकर आप जैसा इंजीनियर बनना चाहता है, साइंटिस्ट बनना चाहता है। हाथ में तिरंगा है, अंतरिक्ष है और 140 करोड़ देशवासियों का सपना है, वही हम सबका संकल्प है।'

असम में बाढ़ का प्रभाव 78 गांवों तक सिमटा

● राज्य की कुल 12031 आबादी अभी भी प्रभावित है।

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से हालात बहुत हद तक सामान्य हो गए। बाढ़ का प्रभाव 6 जिलों के 78 गांवों तक सिमट गया है। सरकार नुकसान का आकलन कराने के लिए सर्वे करवा रही है। इस जिले में सबसे अधिक मकानों को नुकसान पहुंचा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 22 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। बाढ़ में 106 लोगों की जान गई है। बाढ़ प्रभावित छह जिलों में शिवसागर, जोरहाट, धेमाजी, नगांव, कछार एवं गोलाघाट शामिल हैं। इन जिलों के 13 राजस्व मंडलों के कुल 78 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 12031 आबादी अभी भी

प्रभावित है। 2994 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राहत शिविरों की संख्या भी घटकर पांच हो गई है। राहत वितरण केंद्र 6 हैं। शिविरों में 162 लोग आश्रय लिए हुए हैं। राहत वितरण केंद्रों पर 900 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे के नुकसान का आकलन करवा रही है। प्रभावितों की मदद के लिए आर्थिक एवं अन्य सामग्री भी मुहैया कराई जा रही है।

'ब्रिक्स फ्रेंडशिप संडे ऑन साइकिल' का आयोजन हुआ, फिट इंडिया अभियान आगे बढ़ रहा: मांडविया

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिट इंडिया अभियान आगे बढ़ रहा हैं'

एजेंसी

विशाखापत्तनम। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने विशाखापत्तनम में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ब्रिक्स देशों के बैठक के अवसर पर आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' का यह संस्करण विशेष रहा। 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मांडविया ने कहा, 'विशाखापत्तनम में ब्रिक्स सम्मेलन के अवसर पर 'ब्रिक्स फ्रेंडशिप संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिट इंडिया अभियान आगे बढ़ रहा है। देश में 18,000 से अधिक जगहों पर संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन कर देश के युवा फिटनेस का संदेश दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'साइकिल चलाने सबसे बेहतर व्यायाम है।

साइकिल चलाने से हमारा पर्यावरण भी स्वच्छ और सुरक्षित रहता है। साइकिल चलाने से इंधन की बचत भी होती है। हम सभी को विकसित भारत बनाने के लिए फिट रहना है। व्यक्ति के स्वस्थ रहने से समाज स्वस्थ होता है और स्वस्थ समाज ही स्वस्थ और फिट देश का निर्माण करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी उद्देश्य से फिटनेस अभियान चलाया है। हम सभी प्रत्येक संडे को साइकिल चलाकर उनके उद्देश्य को पूर्ण करने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।' भारत, अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत 22 और 23 अगस्त को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में ब्रिक्स युवा मंत्रियों और खेल मंत्रियों के बैठक की मेजबानी कर रहा है। दो दिन तक चलने वाली इन बैठकों में ब्रिक्स के सभी 11 सदस्य देशों के मंत्री और प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहे हैं। बैठकों का मकसद युवा मामलों और खेल के क्षेत्रों में ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता कर रहे हैं, जबकि युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी बैठक का हिस्सा है।

मुंबई में 22 फीट ऊंची भगवान गणेश की मूर्ति गिरी, 2 लोगों की मौत और 5 घायल

गौरतलब है कि मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में गणेशोत्सव बहुत भव्य तरीके से मनाया जाता है।

एजेंसी

मुंबई। गणेशोत्सव की तैयारियों के बीच मुंबई के भुलेश्वर में बड़ा हादसा हो गया। 'भुलेश्वर चा राजा' के नाम से मशहूर भगवान गणेश की 22 फीट ऊंची मूर्ति लाते समय संतुलन बिगड़ने के कारण गिर गई। मूर्ति की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, देर रात करीब 10.30 बजे भायखला से भुलेश्वर ले जाई जा रही 22 फुट ऊंची

विशाल मूर्ति मंडप से 50-60 मीटर पहले अचानक गिर गई। मूर्ति की चपेट में आने से करीब 7 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम, बीएमसी के अधिकारी और मुंबई पुलिस मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू करके घायलों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया। अस्पताल में भुलेश्वर में गणपति मंडल के अध्यक्ष समेत दो को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान 33 वर्षीय संकेत नेवशे और 30 वर्षीय बृजेश हेमंत जोशी के रूप में हुई है। वहीं, वैभव घेनांद (38), पवन चौरसिया (25), लावण्या गनेर (5), दिव्या गनेर (7) और कुणाल काशिद (26) घायल हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। अगले महीने पड़ने वाले गणेश चतुर्थी की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। दस दिन चलने वाले इस त्योहार में घरों के साथ सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। मुंबई में प्रतिमाओं को पंडाल तक लाने और विसर्जन के लिए जुलूस निकाले जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर नितिन गडकरी और सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

'हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बधाई दी है। बता दें कि वर्ष 2023 में 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक सफलता ने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया। यह उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और अदम्य संकल्प का परिणाम है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज हम अंतरिक्ष में भारत की असाधारण यात्रा का सम्मान करते हैं, जिसमें शुरुआती मिशनों से लेकर चंद्रयान और उससे आगे के मिशन शामिल हैं। हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम है। उनकी उपलब्धियां हर युवा भारतीय में जिज्ञासा जगाएं और अगली पीढ़ी को नई सीमाओं को खोजने के लिए प्रेरित करें।' केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पोस्ट किया, 'भारत के समस्त वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। वर्ष 2023 में आज ही के दिन देश के महान वैज्ञानिकों ने अपनी उत्कृष्ट शोध-क्षमता, असाधारण कौशल और अथक परिश्रम से चंद्रमा पर सफलतापूर्वक 'चंद्रयान-3' की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रचा था।' उन्होंने लिखा, 'आज 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर हम इसरो के सभी वैज्ञानिकों और उनकी टीम का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने स्वदेशी के सामर्थ्य से भारत को वैश्विक पटल पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है।' राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की सभी वैज्ञानिकों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने लिखा, 'यह दिवस चंद्रमा से लेकर अंतरिक्ष की अनंत संभावनाओं तक भारत की साहसिक उड़ान, वैज्ञानिक सामर्थ्य और नवाचार की अद्भुत यात्रा का उत्सव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में विज्ञान, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करता नया भारत, 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को नई गति और वैश्विक पहचान प्रदान कर रहा है।' दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने लिखा, 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त 2023 को चांद पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग की याद में मनाया जाता है। यह एक ऐसा पल था, जिसने भारत को दुनिया के सबसे आगे अंतरिक्ष में जाने वाले देशों में शामिल कर दिया। आज, हम अपने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की दूर की सोच, हिम्मत और काबिलियत को सलाम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत का अंतरिक्ष मिशन नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है और नई पीढ़ी को सीमाओं से आगे सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। दिल्ली छात्रों के बीच एसटीईएम लर्निंग और वैज्ञानिक जिज्ञासा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।' हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'एक सपना था, चांद तक पहुंचने का। 23 अगस्त 2023 को वह सपना भारत के इतिहास का गौरव बन गया। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता ने दुनिया को भारत की वैज्ञानिक क्षमता, दृढ़ संकल्प और अंतरिक्ष में बढ़ती शक्ति का परिचय दिया। 'विक्रम' की सुरक्षित लैंडिंग से लेकर 'प्रज्ञान' की चंद्र सतह पर यात्रा तक, यह मिशन भारत की वैज्ञानिक यात्रा में एक मील का पत्थर बन गया। हमारे महान राष्ट्र की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, उस ऐतिहासिक उपलब्धि को नमन करें जिसने भारत के अंतरिक्ष सपनों को नई उड़ान दी।' गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने लिखा, 'चंद्रमा पर तिरंगे की शान और भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य की पहचान। वर्ष 2023 में 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक सफलता ने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया।

महाराष्ट्र: बीड में आवारा कुत्तों ने 3 साल की मासूम पर किया हमला, चेहरे पर लगे 12 टांके

बीड। महाराष्ट्र के बीड शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में बीड के धांडे नगर इलाके के शिवतेज नगर में घर के सामने खेल रही महज 3 साल की मासूम बच्ची पर अचानक एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। घायल बच्ची का नाम शिवांशी रामेश्वर घोलप बताया जा रहा है। कुत्ते के हमले में उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं और चेहरे पर 12 टांके लगाए गए हैं। फिलहाल शिवांशी का नगर नाका इलाके के जनाई हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। बच्चों को घर से बाहर खेलने भेजते समय भी माता-पिता को अब आवारा कुत्तों के हमले का डर सता रहा है। पिछले सप्ताह बीड शहर के मोमीनपुरा पेठ इलाके में भी आवारा कुत्तों के आतंक की जानकारी सामने आई थी। कई नागरिकों को कुत्तों के हमले का सामना करना पड़ा है।इसके अलावा, पिछले महीने भी धानोर रोड इलाके में घर के दरवाजे पर खड़ी एक मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला किया था। कुत्ते बच्ची को घर के दरवाजे से घसीटकर सड़क तक ले गए थे। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ नागरिकों में काफी आक्रोश देखने को मिला था। वहीं, एक बार फिर धांडे नगर में मासूम बच्ची पर कुत्ते के हमले की घटना सामने आने से नगरपालिका प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बीच नागरिक सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर नगरपालिका प्रशासन आवारा कुत्तों के बंदोबस्त के लिए क्या कदम उठा रहा है? नागरिकों की मांग है कि आवारा कुत्तों का तत्काल बंदोबस्त किया जाए और खासकर छोटे बच्चों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाए।

मप्र के बालाघाट में 24 बच्चों की मौत के बाद दो अधिकारियों को हटाया गया, राष्ट्रीय एससी आयोग ने मांगा जवाब

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के आदिवासी अंचल में महामारी फैलने से बीते दो माह में 24 बच्चों की मौत हो गई। इन मौतों का मुख्य कारण टीकाकरण में कमी, मलेरिया और कुपोषण बताया जा रहा है। प्रभावित गांवों का दौरा करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की। उन्होंने टीकाकरण अधिकारी डॉ परेश उपलप और मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा को तत्काल प्रभाव से उनके प्रभार से हटा दिया। वहीं देर शाम इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने भी संज्ञान लिया है।उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बालाघाट जिले के दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने संरक्षित बैगा जनजाति के बीमारी से पीड़ित बच्चों के परिवारों से बालाघाट जाकर भेंट की।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ बरसा पानी, 25 राज्यों को चेतावनी

● उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों के कुछ हिस्सों में मानसून फिर पूरी रफ्तार से सक्रिय है। इससे मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ी राज्यों तक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में सुबह लगभग साढ़े चार बजे से बारिश हुई। बारिश के साथ तेज हवा भी चली हैं। भारत मौसम एवं विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद में आसमान में बादलों का डेरा है। विभाग ने कहा कि इन स्थानों पर ठंडी हवाओं के साथ दिनभर जोरदार बारिश होने की पूरी संभावना है।इससे तापमान में भारी गिरावट आएगी और लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। मौसम एवं विज्ञान विभाग के अनुसार, आज देश के 25 राज्य उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड,

हिमाचल, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम और नागालैंड में भारी बारिश-आंधी आने का पूर्वानुमान है।

मैदानी राज्यों में उत्तर प्रदेश और बिहार के अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश होगी। उत्तर प्रदेश और बिहार के अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के भी कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बरसात होने का अनुमान जताया गया है। बारिश ने पहाड़ी राज्यों में मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार हो रही बारिश की वजह से जमीन धंसने और पहाड़ों पर लैंडस्लाइड (भूस्खलन) का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों और संपर्क मार्गों पर चट्टानें गिरने के कारण कई जगहों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। इससे सैकड़ों पर्यटक और स्थानीय लोग रास्ते में ही फंस गए हैं।

छोटा उदेपुर-देवगढ़ बारिया रोड पर ड्राइवरों की जान को खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। छोटा उदेपुर से झोज तक मुख्य सड़क पर जगह-जगह बने गड्डों ने प्रशासन के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छोटा उदेपुर और झोज के बीच स्टेट हाईवे की सड़क की हालत ऐसी हो गई है कि ड्राइवरों के लिए इस पर गाड़ी चलाना किसी जोखिम भरे खेल जैसा लगता है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्डों के कारण ड्राइवरों को हर समय दुर्घटना का डर सताता रहता है। गड्डों से बचने के लिए ड्राइवर अचानक गाड़ी की दिशा बदलते हैं, जिससे सामने से आ

रहे वाहनों से टक्कर होने का खतरा भी बढ़ जाता है। सड़क की इतनी खराब हालत के बावजूद प्रशासन इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रहा है? ड्राइवरों के बीच यह सवाल उठ रहा है। अब इस बात पर बहस हो रही है कि जिस मुख्य सड़क का इस्तेमाल लोग सालों से कर रहे हैं, उसका ठीक से रखरखाव हो रहा है या नहीं। एक पत्रकार ने इस गंभीर समस्या के बारे में संबंधित अधिकारियों से शिकायत की थी। अधिकारियों ने जवाब दिया है कि उन्हें 23 अगस्त, 2026 को शिकायत मिली थी और समस्या का समाधान होने के बाद वे इसकी जानकारी देंगे लेकिन सिर्फ़ शिकायत स्वीकार करने से समस्या हल नहीं होगी। सड़क पर बने गड्डें कब भरे जाएंगे? मरम्मत का काम कब शुरू होगा? और कोई दुर्घटना होने से पहले अधिकारी कब जागेंगे? ये वे सवाल हैं जो अब वाहन चालक उठा रहे हैं। वाहन चालकों की स्पष्ट मांग है कि केवल कागजों पर ही नहीं, बल्कि गड्डों को भरने और सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए मौके पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

इंस्टाग्राम दोस्ती के झांसे में युवक से 9.50 लाख की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद इंस्टाग्राम पर एक लड़की से दोस्ती का लालच एक युवक को भारी पड़ गया; अहमदाबाद में PG में रहने वाले इस युवक से 9.50 लाख रुपये ऐंठ लिए गए! अहमदाबाद में रहने वाला एक 24 साल का युवक इंस्टाग्राम पर लड़की से दोस्ती के एक विज्ञापन को देखकर झांसे में आ गया। हुकमसिंह नाम के व्यक्ति ने रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 500 रुपये लेने के बाद लड़की की फोटो भेजी। उसने युवक से, जो पालड़ी के एक होटल में पहुंचा था,

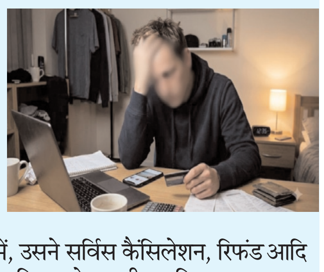

14,000 रुपये की मांग की। बाद में, उसने सर्विस कैंसिलेशन, रिफंड आदि के बहाने कुल 9.50 लाख रुपये ऐंठ लिए। धोखाधड़ी का शिकार हुए युवक ने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई है। सोशल मीडिया पर लड़की से दोस्ती और होटल में उससे मिलने के विज्ञापन पर एक युवक ने भरोसा किया। मूल रूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला और अहमदाबाद के पालड़ी इलाके में PG में रहने वाला 24 साल का युवक इंस्टाग्राम पर एक स्पॉन्सर्ड विज्ञापन देखकर उसमें दिए गए नंबर पर संपर्क किया। सामने वाले व्यक्ति ने अपना नाम हुकम सिंह बताया और सबसे पहले युवक से 500 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस ली। फिर चार-पांच लड़कियों की तस्वीरें भेजी गईं, जिनमें से युवक ने एक लड़की को चुना। मिली जानकारी के अनुसार, लड़की से मिलने के लिए पालड़ी के होटल पहुंचे युवक से मीटिंग चार्ज और होटल के कमरे के किराए समेत 14 हजार रुपये की मांग की गई। हालांकि, देर हो जाने के कारण युवक ने सर्विस कैंसिल कर दी और उसे बताया गया कि सुबह रिफंड मिल जाएगा। इसके बाद, सर्विस कैंसिलेशन चार्ज, सर्विस रिन्यूअल चार्ज, रिफंड और बैंकिंग प्रोसेस व अन्य बहाने बनाकर युवक से अलग-अलग बैंक अकाउंट और UPI ID में बार-बार पैसे जमा करवाए गए। इस तरह आरोपी ने युवक से कुल 9.50 लाख रुपये ऐंठ लिए। काफी समय तक रिफंड न मिलने पर युवक को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। इसलिए उसने अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

TVS शोरूम में 49.57 लाख का गबन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद ठक्करनगर में TVS शोरूम के सेल्स मैनेजर ने 49 लाख का गबन किया, ग्राहकों का पैसा पर्सनल अकाउंट में जमा किया, अकाउंटिंग के दौरान धोखाधड़ी का पता चला अहमदाबाद शहर के ठक्करनगर में एक टू-व्हीलर शोरूम के सेल्स मैनेजर ने ग्राहकों से मिली गाड़ियों की कीमत के तौर पर 49.57 लाख का गबन किया। उसने यह पैसा कंपनी में जमा करने के बजाय अपने पर्सनल अकाउंट में रखा और कैश के तौर पर भी अपने पास रख लिया।

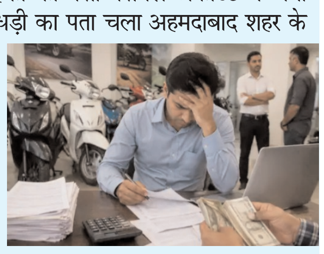

उसने ग्राहकों को नकली रसीदें भी दीं। अकाउंटिंग के दौरान शोरूम के मालिक और CA को इस धोखाधड़ी का पता चला। इस मामले में मालिक ने सेल्स मैनेजर के खिलाफ कृष्णानगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पता चला कि कुल 49.57 लाख का गबन किया गया था। इस मामले में शोरूम के मालिक ने सेल्स मैनेजर के खिलाफ कृष्णानगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

कलोल में खाद्य सुरक्षा जांच, दूषित पानी-मसाले और चिकन नष्ट किए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर दूषित पाए जाने पर पानीपुरी का पानी, मसाले और चिकन नष्ट किए गए: कलोल में स्नैक ट्रकों और पार्लरों की खाद्य सुरक्षा जांच, 9 सैंपल लिए गए धीनगर जिले की कलोल नगर पालिका ने खाने-पीने की दुकानों और ट्रकों की जांच की। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों से 8,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। साथ ही, अस्वच्छ भोजन को नष्ट कर दिया गया। 3 दिनों में 9 सैंपल लिए गए और एक यूनिट को नोटिस दिया गया। गांधीनगर कलेक्टर रवींद्र खटाले के आदेश पर, कलोल नगर पालिका के मुख्य अधिकारी नितिन बोदत, अध्यक्ष जयश्रीबेन पटेल, नामित अधिकारी सुरेश ओडे और खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वाघेला ने जांच अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान पानीपुरी की गाड़ियों, दाबेली, वड़ापाव, नाश्ता पार्लर और पराठा हाउस जैसी जगहों की जांच की गई। जो व्यापारी 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम' के नियमों का पालन नहीं कर रहे थे और जहां अस्वच्छ स्थिति पाई गई, वहां पानीपुरी का पानी, मसाला, मैश किए हुए आलू, रगड़ा और चिकन से बने व्यंजन मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। इसके साथ ही 8,000 रुपये का प्रशासनिक शुल्क भी लगाया गया। खाना बनाते और परोसते समय मास्क, दस्ताने और एप्रन का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर.आर. वाघेला के अनुसार, 3 दिनों में लिए गए 9 सैंपल की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ओरसैंग पुल के पास बहते पानी में रेत खनन की शिकायत

पट्टाधारक पर पत्रकारों से बहस और धमकी के आरोप, मानसून में रेत खनन की अनुमति और नियमों पर उठे गंभीर सवाल

मामलतदार की मौके पर जांच से मची खलबली

ओरसैंग नदी में कौन कर रहा रेत का खेल? पुल के पास खनन की शिकायत, प्रशासन ने शुरू की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

जेटपुरपावी। ओरसैंग नदी पर बने पुल के पास बहते पानी से रेत निकाले जाने की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। एक जागरूक नागरिक की सूचना पर मामलतदार ने मौके पर पहुंचकर रेत खनन की स्थिति का निरीक्षण किया। प्रशासन की जांच के बाद रेत खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने मानसून के दौरान नदी से रेत निकालने की अनुमति और इसकी वैधता पर सवाल उठाए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कुछ पट्टाधारक मानसून के दौरान नियमों का फायदा उठाकर नदी के बहते पानी से भी रेत निकाल रहे हैं। यदि नदी में पानी का तेज बहाव होने के बावजूद रेत खनन किया जा रहा है, तो इससे नदी की प्राकृतिक संरचना और पुल की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि मानसून के दौरान रेत खनन के पट्टे जारी रखने की अनुमति आखिर किस आधार पर दी गई है। मौके पर मामले की जानकारी जुटाने पहुंचे स्थानीय पत्रकारों के साथ एक पट्टा प्रशासक की कथित बहस होने और उन्हें धमकी दिए जाने की बात भी सामने आई है। इस घटनाक्रम ने मामले को और गंभीर बना दिया है। लोगों का सवाल है कि यदि रेत खनन नियमों के अनुसार हो रहा है तो जांच और खबर जुटाने पहुंचे पत्रकारों के साथ विवाद की स्थिति क्यों बनी। छोटा उदेपुर जिले में रेत खनन को लेकर पहले भी कई शिकायतें और प्रशासनिक कार्रवाई सामने आ चुकी हैं। मई 2026 में ओरसैंग नदी में कथित अवैध रेत खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई और भारी जुर्माने की कार्रवाई भी सामने आई थी। इसके बावजूद नदी में खनन को लेकर शिकायतें सामने आना प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का दावा है कि ओरसैंग पुल के आसपास लगातार रेत निकाले जाने से नदी की तलहटी काफी गहरी हो गई है। इससे पुल के पायों और आसपास

की जमीन की मजबूती को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते खनन पर नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में पुल और नदी तट को नुकसान पहुंच सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मानसून के दौरान नदी में हो रहे रेत खनन की पूरी जांच कराने, खनन की अनुमति और पट्टे से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन की जांच के बाद रेत खनन को लेकर क्या कार्रवाई सामने आती है।

मणिनगर में जेठानी के प्रेमी की शर्मनाक हरकत: देवरानी-ननद की अश्लील तस्वीरें और रील्स वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के मणिनगर इलाके में एक महिला की बदनामी का मामला सामने आया है। जेठानी के प्रेमी लखन प्रजापति ने सोशल मीडिया पर देवरानी की अश्लील तस्वीरें और वीडियो वायरल कर दिए थे। यह हरकत तब सामने आई जब 19 अगस्त को पति ने अपना मोबाइल चेक किया। लखन इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक रील्स भी बना रहा था। परिवार की जांच के दौरान लखन का नाम सामने आया। पीड़िता ने मणिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस आगे की जांच कर रही है। मणिनगर इलाके में सोशल मीडिया के ज़रिए एक महिला को बदनाम करने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई है। इसमें एक महिला की जेठानी के प्रेमी ने ही देवरानी की किसी अनजान व्यक्ति के साथ अश्लील तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए थे। इतना ही नहीं, इस

व्यक्ति ने इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक रील्स भी बनाईं और अपलोड कीं; पीड़िता ने मणिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत की है। यह पूरी घटना तब सामने आई जब महिला के पति ने 19 अगस्त की शाम अचानक अपनी पत्नी का मोबाइल चेक किया। जब पति के हाथ में मोबाइल आया, तो उसने देखा कि किसी अनजान नंबर से उसकी पत्नी की किसी दूसरे व्यक्ति के साथ कुछ अश्लील तस्वीरें वॉट्सऐप पर भेजी गई थीं। इसके अलावा, उसे बदनाम करने के मकसद से इंस्टाग्राम पर भी वैसी ही अश्लील रील्स शेयर की गई थीं। साथ ही, यह भी पता चला कि इस व्यक्ति ने महिला की ननद की तस्वीर का भी गलत इस्तेमाल किया था और उसकी भी आपत्तिजनक रील अपलोड की थी। इस हरकत के बाद, जब परिवार ने खुद जांच शुरू की तो एक बड़ा खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि यह हरकत कोई और नहीं बल्कि जेठानी के प्रेमी लखन प्रजापति ने की थी, जिसके साथ जेठानी भाग गई थी। चूंकि आरोपी लखन बार-बार ऐसी रील्स अपलोड कर रहा था और परिवार को मानसिक रूप से परेशान कर रहा था, इसलिए पीड़िता ने आखिरकार मणिनगर पुलिस स्टेशन में लखन प्रजापति के खिलाफ औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अब इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

गुज्कोमासोल का ऐतिहासिक प्रदर्शन, 11,479 करोड़ का कारोबार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (गुज्कोमासोल) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए 11,479 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार दर्ज किया। संस्था ने 152.63 करोड़ रुपये का सकल लाभ और कर के बाद 60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। इसके बाद सदस्यों के लिए 20 प्रतिशत लाभांश की घोषणा की गई। संस्था के रिजर्व और अन्य फंड बढ़कर 216 करोड़ रुपये हो गए। गुज्कोमासोल ने किसानों को 17.59 लाख मीट्रिक टन खाद और प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए। समर्थन मूल्य योजना के तहत 8,680 करोड़ रुपये की लागत से 12.27 लाख मीट्रिक टन कृषि उपज की खरीद की गई। आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन से 15,411 एकड़ में कीटनाशक छिड़काव किया गया। वहीं कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 से बढ़ाकर 60 वर्ष करने का निर्णय लिया गया।

शराबबंदी अभियान में अहमदाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3 दिन में 436 मामले दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद 'लाठा' कांड के बाद अहमदाबाद पुलिस शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए हरकत में आई! 3 दिनों में विदेशी और देसी शराब से जुड़े 436 मामले दर्ज, शराब तस्करों समेत 476 लोगों पर कार्रवाई भावनगर में 'लाठा' कांड के बाद, राज्य पुलिस प्रमुख ने शहरों और जिलों में शराब के खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश दिया था। अहमदाबाद में पुलिस ने देसी

और विदेशी शराब बेचने वाले तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की है। तीन दिनों में, सभी पुलिस स्टेशनों, क्राइम ब्रांच, PCB और ज़ोन LCB की टीमों ने छापेमारी की और 476 लोगों के खिलाफ देसी और विदेशी शराब के 436 मामले दर्ज किए। पुलिस शहर में शराब बेचने का काम करने वाले तस्करों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई कर रही है।

लिस्टेड शराब तस्करों पर छापेमारी

राज्य में शराब से जुड़ी अवैध गतिविधियों पर काबू पाने के लिए, पुलिस प्रमुख जी.एस. मलिक ने सभी शहरों और जिलों में विशेष शराबबंदी अभियान चलाने का निर्देश दिया था। इसके बाद अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने सभी पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों को शराब और जुए की गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। शहर के लिस्टेड शराब तस्करों के साथ-साथ गुप्त रूप से शराब बेचने वालों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई।

विदेशी शराब के 73 मामले, देसी शराब के 336 मामले

इनमें विदेशी शराब के 73 मामले दर्ज किए गए हैं। 29.93 लाख रुपये मूल्य की विदेशी शराब की 11,479 बोतलें/बीयर जब्त की गईं, जबकि देसी शराब के 336 मामले दर्ज किए गए। 7.38 लाख रुपये नकद और 8.43 लाख रुपये मूल्य की 3,693 लीटर शराब जब्त की गई; साथ ही, एंटी-ड्रग कानून के तहत 7 लोगों को हिरासत में लेकर अलग-अलग जेलों में भेजा गया।

18 शराब तस्करों समेत 41 लोगों के खिलाफ एंटी-ड्रग कार्रवाई

पुलिस कमिश्नर ने अपराधियों के खिलाफ एंटी-ड्रग कार्रवाई तेज कर दी है, जिसके तहत 41 अपराधियों को हिरासत में लेकर अलग-अलग जेलों में भेजा गया है। इनमें 18 शराब तस्कर शामिल हैं, जिनमें वे लोग भी हैं जो बाहर से देसी और विदेशी शराब लाकर बेचते थे। वहीं, प्रॉपर्टी से जुड़े अपराध करने वाले 14 अपराधियों और मारपीट व हत्या की कोशिश जैसे शारीरिक अपराध करने वाले 9 अपराधियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया है।

छोटा उदेपुर से आसमान तक: शिफा हुसैन शब्बीर मफत का सफ़र...

उन्होंने कड़ी मेहनत, हिम्मत और अपने सपनों को उड़ान देकर पायलट बनने का अपना सपना सच कर दिखाया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। छोटा उदेपुर की धरती पर कई हुनरमंद लोगों ने अपनी मेहनत और काबिलियत से एक नई पहचान बनाई है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी शिफा हुसैन शब्बीर मफत की है, जिन्होंने पढ़ाई, संघर्ष और लगातार कड़ी मेहनत के ज़रिए पायलट बनने का अपना सपना पूरा किया। शिफा ने अपनी स्कूली शिक्षा छोटा उदेपुर से शुरू की। इसके बाद, वह आगे

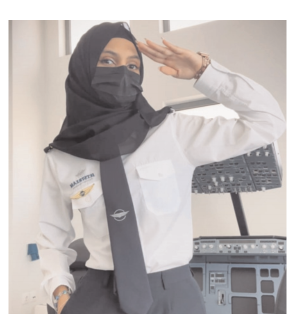

की पढ़ाई के लिए UAE चली गईं, जहाँ उन्होंने साइंस स्ट्रीम से अपनी 10+2 की पढ़ाई पूरी की। बचपन से ही आसमान में उड़ने का सपना देखने वाली शिफा ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए एविएशन (हवाई सेवा) के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला किया और आगे की पढ़ाई व पायलट ट्रेनिंग के लिए ग्रीस जाने का रास्ता चुना। ग्रीस में उन्होंन TPL(A) लाइसेंस पाने के लिए ज़रूरी ट्रेनिंग पूरी की। खास बात यह है कि पायलट ट्रेनिंग के साथ-साथ उन्होंने अपनी ऑनलाइन ग्रेजुएशन की पढ़ाई भी जारी रखी। एक ही समय में दो ज़िम्मेदारियाँ निभाना आसान नहीं था, लेकिन शिफा की कड़ी मेहनत, अनुशासन और मज़बूत इरादों ने उन्हें आगे बढ़ने में मदद की। आज शिफा के पास 227 घंटे से ज़्यादा की उड़ान का अनुभव है और उन्होंने 5 से ज़्यादा तरह के विमान उड़ाने का अनुभव हासिल किया है। उनकी यह उपलब्धि न सिर्फ़ उनकी अपनी कामयाबी है, बल्कि छोटा उदेपुर के युवाओं के लिए भी एक प्रेरणादायक मिसाल है। छोटा उदेपुर से शुरू हुआ यह सफ़र,श्व पहुँचा, वहाँ से ग्रीस गया और आखिरकार आसमान में अपनी छाप छोड़ी। शिफा की कहानी साबित करती है कि अगर आपमें सपने देखने और लगातार मेहनत करके उन्हें सच करने की हिम्मत हो, तो कोई भी दूरी या हालात कामयाबी के रास्ते में स्थायी रुकावट नहीं बन सकते। अगर सपने बड़े हों, तो दूरी कभी रुकावट नहीं बनती; अगर मेहनत और हिम्मत हो, तो आसमान भी कोई सीमा नहीं होती। '

डभोई में प्रशासन की भारी लापरवाही: नंदोदी भागोल के पास नर्मदा नहर में डूबी गाय, 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवाओं ने बचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। शहर में नंदोदी भागोल के पास से गुजरने वाली नर्मदा की मुख्य नहर अब जानवरों और वाहन चालकों के लिए मौत का कुआं साबित हो रही है। आज फिर एक गाय अचानक नहर के गहरे और तेज़ बहाव वाले पानी में डूब गई, जिससे हड़कंप मच गया। हालांकि, स्थानीय युवाओं की तत्परता और मानवीय सोच के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। जैसे ही नहर में गाय के गिरने की खबर जंगल की

आग की तरह फैली, आसपास के युवा तुरंत मौके पर पहुंच गए। गाय को गहरे पानी में डूबता देख, युवाओं ने बिना किसी हिचकिचाहट के रस्सियों और अन्य स्थानीय उपकरणों की मदद से बचाव अभियान चलाया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत और अपनी जान जोखिम में डालकर, उन्होंने गाय को बचाया और उसे नई ज़िंदगी दी। युवाओं के इस साहसी कार्य की पूरे इलाके में सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, नहर में जानवरों या वाहनों के डूबने की घटनाएं अब आम हो गई हैं। पिछले एक हफ्ते में इसी नहर में जानवरों के डूबने की यह दूसरी घटना है। पिछले हफ्ते भी ऐसी ही एक घटना हुई थी। दिन-ब-दिन बढ़ते हादसों के बावजूद, जिम्मेदार नर्मदा निगम प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ लगता है। सबसे चौंकाने वाली और आश्चर्यजनक बात यह है कि नर्मदा निगम का कार्यालय उस जगह से सिर्फ़ 100 फीट की दूरी पर स्थित है जहां यह हादसा हुआ। कार्यालय के ठीक सामने नहर की इतनी जर्जर और खराब हालत होने के बावजूद, अधिकारियों को कोई परवाह नहीं है। जनता में इस बात को लेकर काफी गुस्सा है कि अधिकारी इतने बेखबर क्यों हैं। कई खतरनाक हिस्सों में रेलिंग लगाने की किसी ने जहमत तक नहीं उठाई है।

ईद-ए-मिलाद को लेकर अहमदाबाद में पुलिस की पैदल गश्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद का पर्व मनाया जाएगा। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए अहमदाबाद पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी के तहत जोन-5 के डीसीपी जितेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में गोमतीपुर, बापूनगर और रखियाल थाना क्षेत्रों में रात के समय पैदल गश्त की गई। गश्त में 100 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों ने जुलूस के प्रस्तावित मार्गों का निरीक्षण किया और संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों और शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक भी की गई। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी।

X पर CM बदलने की फर्जी पोस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को लेकर सोशल मीडिया पर कथित तौर पर फर्जी और भ्रामक पोस्ट वायरल करने के मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज किया है। जांच के दौरान 'X' पर पवन त्यागी नाम के अकाउंट से एक पोस्ट सामने आई, जिसमें दावा किया गया था कि उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा और मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राज्यपाल बनाया जाएगा। क्राइम ब्रांच के अनुसार, पोस्ट में किए गए दावे झूठे और मनगढ़ंत थे। पुलिस का कहना है कि ऐसी पोस्ट से संवैधानिक पदों की गरिमा और संबंधित नेताओं की प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह और भ्रम की स्थिति पैदा होने की आशंका थी। मामले में क्राइम ब्रांच ने बीएनएस और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पोस्ट के आधार, उद्देश्य और उसके प्रसार से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

भारत-पाक तनाव के बीच 150 पाकिस्तानी दुल्हनें पहुंचीं भारत, अहमदाबाद समेत कई शहरों में हुई शादियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर 'सरहद की बंदिशें' टूटीं! पाकिस्तान से 150 दुल्हनें भारत पहुंचीं, अहमदाबाद समेत कई शहरों में हुईं शादियां भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से 150 पाकिस्तानी दुल्हनों की शादियां टल गई थीं। वाघा बॉर्डर बंद होने के कारण, उन्होंने गृह मंत्रालय की इजाज़त से मस्कट-दुबई होते हुए फ्लाइट से भारत का सफ़र तय किया। नागपुर, जोधपुर और अहमदाबाद जैसे शहरों में 450 रिश्तेदारों की मौजूदगी में उनकी सादगी से शादियां हुईं। सिंध से आई आरती की शादी नागपुर में हुई, जबकि दूल्हे राभेल जसवाणी ने श्रेया से भी शादी की और भारत में ही बस गए। 'ऑपरेशन सिंदूर' और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद, बॉर्डर बंद होने से कई जोड़ों की शादियां टल गई थीं। वाघा-अटारी बॉर्डर बंद होने की वजह से आमने-सामने का सफ़र मुश्किल था, लेकिन गृह मंत्रालय की खास छूट के कारण, करीब 150 पाकिस्तानी दुल्हनें मस्कट, कोलंबो, ढाका, दुबई और कतर होते हुए कनेक्टिंग फ्लाइट से भारत पहुंचीं। ये लड़कियां अपने परिवारों के साथ नागपुर, जोधपुर, अहमदाबाद, रायपुर, पुणे और भोपाल जैसे शहरों में आईं और शादी के बंधन में बंधीं।

450 से ज़्यादा रिश्तेदारों के साथ सादगी से शादी

भारतीय वीज़ा वाले पाकिस्तानी नागरिक आमतौर पर सीधे वाघा बॉर्डर से आ सकते हैं, लेकिन ज़मीनी बॉर्डर बंद होने की वजह से उन्हें हज़ारों किलोमीटर का हवाई सफ़र करना पड़ा। दुल्हनों के साथ अप्रैल और जून के बीच उनके करीब 450 रिश्तेदार भी भारत आए। नियमों के मुताबिक, रिश्तेदारों को तय समय में वापस लौटना होता है, इसलिए ये सभी शादियां बहुत सादगी से की गईं।

वाघा बॉर्डर से सिर्फ़ 1 किमी दूर रुकना पड़ा

लंबे समय के वीज़ा पर भारत में रह रहे इंकेश जसवाणी की सगाई पहले ही हो चुकी थी। उनकी मंगेतर आरती मई 2025 में सिंध के खानपुर से वाघा बॉर्डर से सिर्फ़ 1 किमी दूर तक पहुंच गई थीं, लेकिन बॉर्डर बंद होने की वजह से उन्हें रुकना पड़ा। 1 साल से ज़्यादा इंतज़ार करने के बाद, आरती मस्कट होते हुए नागपुर पहुंचीं और मार्च में उनकी शादी हुई। वीज़ा पाबंदियों के कारण सिर्फ़ उनके भाई साथ आ सके, जबकि उनके माता-पिता पाकिस्तान में ही रह गए। सिर्फ़ दुल्हन ही नहीं, बल्कि दूल्हा भी पाकिस्तान से भारत आया इस मुश्किल हालात के बीच, सिर्फ़ दुल्हन ही नहीं बल्कि दूल्हा भी भारत आया है। सिंध के घोटकी के रहने वाले जसवाणी, नागपुर में श्रेया से शादी करने के लिए अपने माता-पिता के साथ भारत आए थे। शादी के बाद, वे अब भारत में ही बस गए हैं। राभेल का कहना है कि वह भारत में रहना चाहते हैं और भविष्य में जब बॉर्डर खुलेंगे, तो अपने परिवार के दूसरे सदस्यों को भी यहाँ लाना चाहते हैं।

गौ सेवा के लिए अमर लालवानी को राज्य अधिवेशन में सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दल्लीराजहरा। महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल द्वारा आयोजित राज्य अधिवेशन 'उदय 2026' का आयोजन केवल्य धाम, कुम्हारी में हुआ। इस दौरान गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दल्लीराजहरा के अमर लालवानी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय महासचिव लोकेश कावड़िया, स्ख्रुस्ह प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र जैन और संस्था सदस्य स्वाधीन जैन ने प्रदान किया। अमर लालवानी लंबे समय से अपनी टीम के साथ घायल और बेसहारा गौवंश की सेवा, उपचार, चारा-पानी की व्यवस्था तथा उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनके निस्वार्थ सेवा भाव और समर्पण को देखते हुए यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर दल्लीराजहरा से महावीर चोपड़ा, रंजीत वर्मा, सोहम गुप्ता और अमन शर्मा मौजूद रहे। सम्मान मिलने पर नगरवासियों ने अमर लालवानी को बधाई दी।

नानी जरी में जुए के अड्डे पर एलसीबी की बड़ी कार्रवाई, 8 गिरफ्तार

8.65 लाख रुपये से अधिक की नकदी व सामान जब्त

ताश के पत्तों से जुआ खेलते मिले आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। जिले में जुआ और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत लोकल क्राइम ब्रांच की टीम ने पिपलोद थाना क्षेत्र के नानी जरी गांव में जुए के एक अड्डे पर छापा मारकर 8 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि नानी जरी गांव में कुछ लोग एक स्थान पर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद एलसीबी टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस की कार्रवाई से जुआ खेल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन टीम ने मौके से 8 आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने नकदी, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल और अन्य कीमती सामान बरामद किया। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 8 लाख 65 हजार 870 रुपये बताई गई है। सभी आरोपियों के खिलाफ पिपलोद थाने में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अंबाजी थाने में लंबे समय से तैनाती पर सवाल, एक महीने में दोबारा तबादले की चर्चा

पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। अंबाजी पुलिस थाने में लंबे समय से कार्यरत पुलिसकर्मी जयेश जोशी की तैनाती और तबादले को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। पुलिस विभाग में एक ही स्थान पर लंबे समय तक ड्यूटी कर चुके कर्मचारियों के तबादले किए जाते हैं, लेकिन जयेश जोशी के मामले में अलग स्थिति होने की चर्चा है। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि वे कई वर्षों से अंबाजी में ही कार्यरत हैं। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, जयेश जोशी का अंबाजी से किसी अन्य तालुका में तबादला किया गया था। हालांकि, कथित तौर पर एक महीने के भीतर ही उन्हें दोबारा अंबाजी पुलिस थाने में तैनाती मिलने की बात सामने आई है। इसे लेकर सवाल उठ रहा है कि यदि तबादला आदेश जारी हुआ था तो उसे बदलकर दोबारा अंबाजी में नियुक्ति देने के पीछे प्रशासनिक कारण क्या था। लोगों का सवाल है कि जब पुलिस विभाग में कर्मचारियों की निर्धारित अवधि पूरी होने से पहले भी तबादले किए जाते हैं, तो जयेश जोशी के मामले में अलग मापदंड क्यों अपनाया गया। अंबाजी जैसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील पुलिस थाने में किसी कर्मचारी को लंबे समय तक एक ही स्थान पर रखने का कारण भी स्पष्ट किए जाने की मांग उठ रही है। मामले में यह भी सवाल उठ रहा है कि पूर्व तबादला रद्द कर दोबारा अंबाजी में नियुक्ति किस अधिकारी के आदेश पर और किन प्रशासनिक कारणों से की गई। स्थानीय स्तर पर इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों और चर्चाओं की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अब निगाहें बनासकांठा जिला पुलिस प्रशासन पर हैं कि वह मामले में स्थिति स्पष्ट करता है या नहीं।

नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ जागरूकता भी जरूरी : एनसीबी

पत्रकारिता को जनजागरण से जोड़कर नशामुक्त समाज के लिए आगे आने का आह्वान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राजनांदगांव छत्तीसगढ़ में नशे की समस्या से निपटने के लिए नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ जनजागरूकता को भी समान महत्व देना जरूरी है। खासकर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और मीडिया की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। यह बात नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार ने कही। वे पत्र सूचना कार्यालय रायपुर की ओर से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान के तहत राजनांदगांव में आयोजित वार्तालाप कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अनिल कुमार ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं हो सकती। नशीले पदार्थों की अवैध आपूर्ति पर नियंत्रण के साथ उनकी मांग को कम करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की नशीले पदार्थों पर नियंत्रण की रणनीति में आपूर्ति नियंत्रण और मांग में कमी दोनों पहलुओं पर काम किया जाता है। इसके लिए विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय के साथ प्रवर्तन तथा जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने में मीडिया की भूमिका निर्णायक हो सकती है। समाचार पत्र, टेलीविजन, डिजिटल माध्यम और सामाजिक मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल नशे के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को तथ्यपरक और सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से नशे के खिलाफ सकारात्मक जनजागरूकता का वातावरण तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। एनसीबी अधीक्षक ने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में स्कूलों, महाविद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में पत्रकार श्रीमती प्रियंका कौशल ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई को प्रभावी जनआंदोलन बनाने के लिए पत्रकारिता को सामाजिक सरोकार और जनजागरण से जोडऩा होगा। पत्रकार अपनी कलम और जनसंचार की ताकत के माध्यम से युवाओं तथा समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशे का असर केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा परिवार और समाज इसकी चपेट में आता है। उन्होंने नशे के महिमामंडन के खिलाफ सामाजिक चेतना की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि फिल्मों, गीतों और सामाजिक व्यवहार में कई बार नशे को तनाव या दुख से मुक्ति के साधन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। ऐसी धारणाओं को चुनौती देने के लिए मीडिया को नशे के दीर्घकालिक स्वास्थ्य, पारिवारिक और सामाजिक दुष्परिणामों को तथ्यपरक तरीके से सामने लाना चाहिए। कार्यक्रम में सबेरा संकेत के संपादक सुशील कोठारी और दैनिक दावा के संपादक दीपक बुद्धदेव ने भी अपने विचार रखे। दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शंकर मुनि राय ने पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डालते हुए अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार और सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ निर्भीकता से पत्रकारिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल निदेशक रवि जोशी, नांदगांव टाइम्स के संपादक अशोक कुमार पांडे तथा वरिष्ठ पत्रकार पुरुषोत्तम तिवारी मंच पर उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नशे के खिलाफ प्रभावी लड़ाई के लिए सरकारी प्रयासों के साथ मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और परिवारों की साझी भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में पत्रकारों से छत्तीसगढ़ के युवाओं को नशे से बचाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी पत्रकारिता को जनजागरूकता के अभियान से जोडऩे का आह्वान किया गया।

सामाजिक बहिष्कार पर सख्त कानून की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मांग किया है कि छत्तीसगढ़ में सामाजिक बहिष्कार पर कठोर कानून बनाया जाए आज छत्तीसगढ़ के अमुमन सभी जिले से आए दिन सामाजिक बहिष्कार के किस्से कहानी और अखबारों से भरे हुए मिलते हैं लेकिन जब उसके अंदर तक जाओ तो बड़ा आश्चर्य लगता है कि मामूली बातों पर लोगों का सामाजिक बहिष्कार किया जा रहा हैं एवं चंद दलाल प्रवृत्ति के लोग अपने व्यक्तिगत खुन्नस गरीब लोगों पर निकाल रहे हैं मसलन जैसे गांव में कोई सरपंच बना है उसका प्रचार कर दिया तब सामाजिक बहिष्कार गांव में किसी सामाजिक कार्यक्रम में कोई व्यक्ति अगर भाग नहीं लिए तब सामाजिक बहिष्कार किसी की लड़की अगर अंतर जाति विवाह कर लिया तो सामाजिक बहिष्कार कोई अगर गांव में त्यौहार मनाया जा रहा है और काम में चल गया तब सामाजिक बहिष्कार सामाजिक बहिष्कार की पहेली यह बहिष्कृत करने वाले व्यक्तियों से लंबी चौड़ी पैसे की डिमांड की जा रही है ना जाने कितने सालों से गांव में परंपरा चली आ रही है अब तक लाखों करोड़ों रुपए इकट्ठे हो चुके हैं इनका भी हिसाब शासन प्रशासन को देनी चाहिए लेनी चाहिए हाल ही में शहर से महज 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित डिलापहरी गांव से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है जिसमें 22 वर्मा परिवार को सामाजिक बहिष्कार का दंश झेलना पड़ा है उनकी गलती मात्र थी थी कि किसी को 100000 जुर्माना दंड स्वरूप लगाया गया है तो उसने 50000 जमा किया इसलिए सामाजिक बहिष्कार किसी की लड़की दूसरे जाति से विवाह कर लिया इसलिए सामाजिक बहिष्कार किसी ने 5 साल पहले अगर दूसरे जाति से शादी किया है तब सामाजिक बहिष्कार और लंबी चौड़ी पैसे की डिमांड पैसा देने के बावजूद भी सामाजिक बहिष्कार एक तरीके से हिटलर शाही तानाशाही सरकार से इतर समानांतर सरकार जैसा चल रहा है केंद्रीय कानून मंत्री से आग्रह है कि सामाजिक बहिष्कार पर कठोर कानून बनाया जाए एवं शीघ्र ही लोकसभा और विधानसभा में पारित किया जाए सामाजिक बहिष्कार करने वाले व्यक्तियों पर तीन लाख का जुर्माना वह 5 साल कठोर कारावास का प्रबंध किया जाना चाहिए क्योंकि सामाजिक बहिष्कृत व्यक्ति का मान सम्मान आबरू हया सारा कुछ लुट जाता है वह बर्बाद हो जाता है वह किसी को मुंह दिखाने खाने के काबिल नहीं होता वह भी आज के जमाने में 21वीं सदी में जहां लोकतंत्र है संविधान है कानून है।

भरूच में होटल-रेस्टोरेंट पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, एक होटल सील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। मानसून और आगामी त्योहारों को देखते हुए भरूच जिला प्रशासन ने लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले होटल-रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया है। जिला कलेक्टर डॉ. नवनाथ गवहाणे के निर्देश पर प्रशासन, पुलिस और खाद्य एवं औषधि विभाग की संयुक्त टीमों ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की। भरूच की प्रांत अधिकारी मनीषा मानाणी और डीवाईएसपी सी.के. पटेल के नेतृत्व में मामलतदार, मुख्य अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने बायपास क्षेत्र में करीब 10 से 11 होटल-रेस्टोरेंट और खाद्य इकाइयों की जांच की। इस दौरान कई स्थानों पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के नियमों का उल्लंघन, अस्वच्छता और एक्सपायरी डेट वाली खाद्य सामग्री मिलने की बात सामने आई। जांच टीम ने मौके से बासी और अनुपयुक्त खाद्य सामग्री जब्त कर उसका निस्तारण किया। इसके अलावा पनीर समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए। एक होटल में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर उसे तत्काल सील कर दिया गया। अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों को भी आवश्यक मानक पूरे होने तक कारोबार बंद रखने के निर्देश दिए गए। त्योहारों को देखते हुए मिठाई और डेयरी उत्पादों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी। प्रशासन द्वारा भरूच शहर के साथ अंकलेश्वर और जिले के अन्य क्षेत्रों में भी जांच अभियान जारी रखने की बात कही गई है। होटल-रेस्टोरेंट संचालकों को साफ-सफाई, डीप फ्रीजर और कोल्ड स्टोरेज के उचित रखरखाव, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और कर्मचारियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

66 करोड़ की लागत से बना डोलिया-देनवा ब्रिज शुरू, 35 किमी का फेरा बचेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आमोद। जंबूसर ब्लॉक ड्रग पार्क और दहेज को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण डोलिया-देनवा ब्रिज का जंबूसर विधायक देवकिशोर स्वामी ने लोकार्पण किया। ढाढर नदी पर करीब 66 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल की लंबाई 720 मीटर और चौड़ाई 11 मीटर है। पुल शुरू होने से आमोद, जंबूसर और वागरा तहसील के कई गांवों के लोगों को सीधा और सुविधाजनक मार्ग मिल सकेगा। पुल के शुरू होने से यात्रियों और वाहन चालकों को करीब 35 किलोमीटर का अतिरिक्त फेरा नहीं लगाना पड़ेगा। इससे समय के साथ ईंधन और यात्रा खर्च में भी बचत होगी। फिलहाल पुल को दोपहिया और हल्के चार पहिया वाहनों के लिए खोला गया है। भारी वाहनों की आवाजाही अभी शुरू नहीं की गई है। नदी के बहाव में बदलाव के कारण देनवा की ओर बने एप्रोच रोड का कुछ हिस्सा बह गया था। इसे देखते हुए पुल के संरक्षण और सुरक्षा से जुड़ा अतिरिक्त कार्य जारी है। प्रशासन के अनुसार मानसून के बाद संरक्षण कार्य दोबारा किया जाएगा। ब्रिज के चालू होने से जंबूसर क्षेत्र का दहेज से सीधा सड़क संपर्क मजबूत होगा। खासकर दहेज के औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के लिए आने-जाने वाले जंबूसर और आसपास के गांवों के श्रमिकों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। लोगों को अब लंबा रास्ता तय करने के बजाय कम दूरी में दहेज पहुंचने की सुविधा मिलेगी।

गुज्कोमासोल का ऐतिहासिक रिकॉर्ड 11,479 करोड़ का कारोबार; सदस्यों को 20% लाभांश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (गुज्कोमासोल) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपने इतिहास का सबसे बेहतर आर्थिक प्रदर्शन दर्ज किया है। गांधीनगर टाउन हॉल में आयोजित 65वीं वार्षिक साधारण सभा में संस्था ने 11,479 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार और 152.63 करोड़ रुपये का सकल लाभ दर्ज करने की जानकारी दी। कर भुगतान के बाद संस्था का शुद्ध लाभ 60 करोड़ रुपये रहा। इस उपलब्धि के बाद निदेशक मंडल ने सदस्यों को 20 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की। वार्षिक सभा में कृषि मंत्री जीतूभाई वाघाणी, गुज्कोमासोल और इफको के अध्यक्ष दिलीप संघाणी तथा उपाध्यक्ष बिपिन पटेल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संस्था के रिजर्व और अन्य फंड में 61.88 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई, जिससे यह राशि बढ़कर 216 करोड़ रुपये हो गई। स्थायी संपत्तियों में भी 48.92 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। गुज्कोमासोल ने किसानों को 2,115 करोड़ रुपये मूल्य का 17.59 लाख मीट्रिक टन उर्वरक और 114.79 करोड़ रुपये के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए। समर्थन मूल्य के तहत 8,680 करोड़ रुपये में 12.27 लाख मीट्रिक टन मूंगफली, चना, सोयाबीन, राई और दालों की खरीद की गई। आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 15,411 एकड़ क्षेत्र में ड्रोन से कीटनाशक का छिड़काव किया गया। संस्था ने 'गुज्को' नाम से नई ब्रांड का पंजीकरण कराया है। मेहसाणा में कृषि-लॉजिस्टिक्स पार्क तैयार किया जा रहा है, जहां जैविक और अनुबंध खेती के उत्पादों का प्रसंस्करण और पैकेजिंग की जाएगी। राज्य में 'गुज्को मॉल' परियोजना के तहत सात मॉल शुरू हो चुके हैं। कर्मचारियों के हित में सेवानिवृत्ति की आयु 58 से बढ़ाकर 60 वर्ष करने का निर्णय लिया गया है। गांधीनगर मुख्यालय में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए नया चार्जिंग स्टेशन भी शुरू किया गया है।

24 अगस्त 2026

आज का राशिफल

मेष (Aries)
आर्थिक लाभ के योग हैं।
कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी।
स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ (Taurus)
मानसिक शांति मिलेगी।
नए काम की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है।
परिवार का सहयोग मिलेगा।

मिथुन (Gemini)
वाणी पर नियंत्रण रखें।
वाद-विवाद से बचें।
धन खर्च बढ़ सकता है।

कर्क (Cancer)
भाग्य का साथ मिलेगा।
रुके हुए काम पूरे होंगे।
प्रेम जीवन में मधुरता आएगी।

सिंह (Leo)
करियर में प्रगति होगी।
उच्च अधिकारियों से मदद मिलेगी।
सेहत में सुधार होगा।

कन्या (Virgo)
यात्रा के योग हैं।
निवेश करने से पहले सोच-विचार कर लें।
काम का दबाव रहेगा।

तुला (Libra)
सेहत के प्रति सावधान रहें।
आज कोई बड़ा फैसला न लें।
धैर्य बनाए रखें।

वृश्चिक (Scorpio)
वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।
व्यापार में मुनाफा होगा।
पार्टनरशिप से लाभ मिलेगा।

धनु (Sagittarius)
शत्रुओं पर विजय मिलेगी।
कानूनी मामलों में राहत मिल सकती है।
खर्चों पर लगाम लगाएं।

मकर (Capricorn)
संतान पक्ष से अच्छी खबर मिलेगी।
शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता के योग हैं।

कुंभ (Aquarius)
पारिवारिक सुख बढ़ेगा।
भूमि या वाहन खरीदने के विचार बन सकते हैं।
माता की सेहत का ध्यान रखें।

मीन (Pisces)
आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।
पराक्रम बढ़ेगा।

सकारात्मक सोच रखें, अच्छे कर्म करें,
आपका दिन मंगलमय हो!

जेन अल्फा:स्कूल सुधार से लोकतांत्रिक चेतना तक

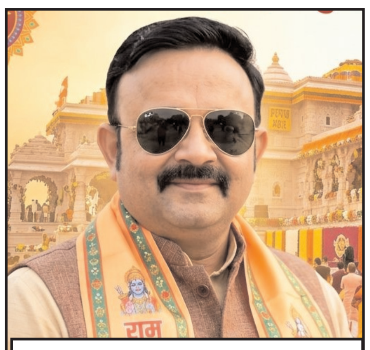

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है।

भारत की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का कोई एक अकेला कारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे अपर्याप्त बजट आवंटन, बुनियादी ढांचे की कमी और जवाबदेही का अभाव है।स्कूलों में नियमित शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और जो शिक्षक हैं, उनका शिक्षण स्तर व प्रशिक्षण आधुनिक समय के अनुकूल नहीं है।शिक्षा प्रणाली कौशल विकास या व्यावहारिक ज्ञान के बजाय केवल परीक्षा में अंक लाने और रटने पर जोर देती है। सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है। जुलाई और अगस्त 2026 में उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान तक सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के आंदोलनों की जो श्रृंखला दिखाई दी है, वह इसी बदलाव का संकेत है। इन आंदोलनों की मांगें किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र से नहीं निकली है। वे बेहद बुनियादी हैं, शिक्षक चाहिए, पंखे चाहिए, साफ पानी चाहिए, शौचालय चाहिए, अच्छा भोजन चाहिए, सड़क चाहिए और सुरक्षित स्कूल चाहिए। लेकिन इन छोटी दिखाई देने वाली मांगों के भीतर भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक बहुत बड़ी विफलता छिपी हुई है। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय की छात्राओं का हालिया आंदोलन इस बदलते माहौल का सबसे ताजा उदाहरण है। करीब 250 छात्राएं भारी बारिश के बीच स्कूल से बाहर निकलीं और सड़क पर उतरकर यातायात रोक दिया। उनकी शिकायतों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख था। रिपोर्टों के अनुसार विज्ञान विषयों में शिक्षकों की कमी ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। यह घटना अकेली नहीं है। कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र में स्कूली बच्चों के विरोध और सड़क जाम की घटनाएं सामने आ चुकी थी। यानी बच्चों ने यह संदेश दे दिया है कि स्कूल के भीतर शिकायत की सुनवाई नहीं होती तो वे स्कूल के बाहर अपनी आवाज सुनाएंगे। यह आवाज अब एक जिले या एक राज्य तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने कई घंटे धरना दिया। उनकी मांगों में साफ पीने का पानी, काम करने वाले पंखे, स्वच्छ शौचालय, फर्नीचर, पुस्तकालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल थी। प्रशासन को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करनी पड़ी और कई मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन देना पड़ा। हमीरपुर में बच्चे स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क की मांग को लेकर तिरंगा लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचे। कीचड़ और दलदल से गुजरकर स्कूल पहुंचना उनकी रोजमर्रा की समस्या थी। बिहार के गया जिले में बच्चों ने खराब मध्याह्न भोजन,

जिसमें कीड़े मिलने की शिकायत भी सामने आई, खराब पानी, गंदे शौचालय, पंखों और फर्नीचर की कमी के खिलाफ लगभग चार किलोमीटर मार्च किया।मध्य प्रदेश में भी यह लहर दिखाई दे रही है। छिंदवाड़ा के तामिया स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मेस के भोजन की गुणवत्ता को लेकर बारिश में सड़क पर बैठकर विरोध किया। उनकी शिकायतों में भोजन में कीड़े मिलने और स्वास्थ्य तथा खेल सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे शामिल थे।

उज्जैन में कई सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने स्कूलों को शहर से दूर स्थानांतरित करने की योजना के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। छात्राओं का तर्क था कि दूर जाने से यात्रा का समय और खर्च बढ़ेगा तथा गरीब परिवारों की लड़कियों की पढ़ाई छूट सकती है। बच्चीयों के दबाव में कलेक्टर ने स्कूल स्थानांतरित करने के निर्णय को रोक दिया है। सिरोंज में छात्राओं के विरोध के बाद रियायती बस किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये करने का फैसला वापस लेना पड़ा। महाराष्ट्र में भी शिक्षक अनुपस्थिति, शौचालय और पानी जैसे सवालों पर विद्यार्थियों के विरोध सामने आए हैं। यानी अलग-अलग राज्यों में बच्चे अलग-अलग स्कूलों में हैं, लेकिन उनकी शिकायतों की भाषा लगभग एक जैसी है। असल में ये आंदोलन सरकारी शिक्षा व्यवस्था के उस मॉडल पर सवाल उठा रहा है, जिसमें स्कूल का भवन तो बना दिया जाता है, लेकिन शिक्षक नहीं होते, शौचालय बना दिया जाता है लेकिन पानी नहीं होता, छात्रावास बना दिया जाता है लेकिन भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी नहीं होती, सड़क का बजट स्वीकृत हो जाता है लेकिन बच्चे बारिश में कीचड़ से गुजरते रहते हैं। उनके लिए शिक्षा केवल किताब और परीक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, कक्षा में शिक्षक, पीने का पानी, शौचालय, भोजन, बिजली, सुरक्षा, परिवहन और सम्मान। यही कारण है कि इन आंदोलनों में सबसे मुखर आवाज लड़कियों की दिखाई दे रही है। वे शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा और आवागमन के सवाल को भी सीधे जोड़ रही हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक आंदोलन की तकनीक बदल रही है। अब इसका असर स्कूली बच्चों के आंदोलनों में दिखाई दे रहा है। बच्चा दूसरे जिले में हुए आंदोलन को देखता है और समझता है, 'अगर वहां के बच्चों ने अपनी मांग मनवाई है, तो हम भी अपनी आवाज उठा सकते हैं।' यही वह मनोवैज्ञानिक बदलाव है जो आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जेन अल्फा की सबसे बड़ी ताकत उसकी डिजिटल पहुंच है। ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन 21वीं सदी के युवा कार्यकताओं के लिए नवीनतम उपकरण बन गए हैं। पिछली पीढ़ी में किसी सरकारी स्कूल की खराब स्थिति की शिकायत प्रधानाचार्य, शिक्षक, पंचायत या स्थानीय जनप्रतिनिधि तक सीमित रह जाती थी। शिकायत के बाद फाइल चलती थी और कई बार मामला वहीं समाप्त हो जाता था। आज बच्चे स्कूल के टूटे पंखे, गंदे शौचालय, खराब भोजन, कीचड़ भरे रास्ते या पानी की समस्या का वीडियो बना सकते हैं। फिर वही वीडियो कुछ घंटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इससे स्थानीय समस्या सार्वजनिक जवाबदेही का विषय बन जाती है। यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है क्योंकि सोशल मीडिया ने बच्चों को सिर्फ दर्शक नहीं रखा है, उसने उन्हें दस्तावेज बनाने वाला नागरिक बना दिया है। अभी इसे देशव्यापी, एकीकृत और औपचारिक जेन अल्फा को राष्ट्रीय आंदोलन कहना उचित नहीं होगा। यह साफ तौर पर कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है और इस आंदोलन का कोई 'नेता' नहीं है। अगर इस आंदोलन का नेतृत्व भी 'नेताओं' द्वारा किया जा रहा होता, तो यह उस मुकाम पर नहीं जा पाता, जहां तक पहुंच गया है। लेकिन इतिहास में बड़े आंदोलन हमेशा किसी एक दिन में राष्ट्रीय संगठन बनकर पैदा नहीं होते। वे पहले छोटे-छोटे स्थानीय असंतोषों से जन्म लेते हैं।आज लखनऊ में शिक्षक की मांग है।स्कूली बच्चों की इन सभी मांगों को एक सूत्र में बांध दें तो एक बड़ा सवाल सामने आता है कि 'सरकार हमारे लिए कैसी शिक्षा व्यवस्था बना रही है?' यही सवाल इस स्थानीय लहर को राष्ट्रीय मुद्दे में बदल सकता है।आज जेन अल्फा के अधिकांश बच्चे वोट नहीं देंगे। लेकिन यही बच्चे अगले कुछ वर्षों में पहली बार मतदाता बनने वाले हैं। इसलिए राजनीतिक दलों को इस पीढ़ी को केवल 'बच्चे' समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह वह पीढ़ी है जो अपने माता-पिता से अधिक डिजिटल जानकारी रखती है। यह वीडियो देखती है, तुलना करती है, सवाल पूछती है और प्रशासनिक कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से दर्ज करती है।आज जो बच्चा स्कूल के पंखे के लिए सड़क पर बैठ रहा है। कल वही युवा पूछेगा कि मेरे गांव में अस्पताल क्यों नहीं है? मेरे गांव में पानी क्यों नहीं है? मेरे क्षेत्र में सड़क का काम वर्षों से अधूरा क्यों है? सरकार के बजट का पैसा आखिर गया कहां? यानी आज की स्कूल स्तरीय मांगें कल की लोकतांत्रिक और राजनीतिक चेतना का आधार बन सकती है। राजनीतिक दल यदि इस पीढ़ी की आवाज को केवल चुनावी नारे के रूप में इस्तेमाल करेंगे तो शायद यह पीढ़ी उसे भी स्वीकार नहीं करेगी। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस आंदोलन का नेतृत्व हमेशा पारंपरिक राजनीतिक नेता नहीं करेंगे। बच्चे स्वयं मुद्दा उठाएंगे, वीडियो बनाएंगे, समूह बनाएंगे, प्रशासन को ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ने पर सड़क पर बैठेंगे। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर पुलिस भेज देना सबसे आसान रास्ता है। लेकिन इससे समस्या खत्म नहीं होगी। सरकारों को यह समझना होगा कि सड़क पर बैठा बच्चा वास्तव में सरकारी स्कूल की रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठा है। हर आंदोलन को दबाने के बजाय प्रत्येक जिले में स्कूलों की सार्वजनिक सोशल ऑडिट व्यवस्था विकसित की जा सकती है। स्कूलों में शिक्षक पदों की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता, पानी, शौचालय, बिजली, छात्रावास और परिवहन जैसी सुविधाओं का वास्तविक समय में सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाया जा सकता है। छात्रों की शिकायतों के लिए स्वतंत्र और समयबद्ध शिकायत प्रणाली होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बच्चों की आवाज को 'अनुशासनहीनता' मानने के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह डिजिटल लामबंदी और सोशल मीडिया के जरिए पारंपरिक राजनीतिक दलों के नियंत्रण से मुक्त होकर स्वतः स्फूर्त रूप से उभर रहे हैं, जो सत्ता और शासन के खिलाफ नए राजनीतिक समीकरण खड़े कर रहे हैं। यह आंदोलन अभी छोटा है, बिखरा हुआ है और स्थानीय है, लेकिन इसके सवाल राष्ट्रीय हैं। राष्ट्रीय सवाल जब एक पीढ़ी की सामूहिक चेतना बन जाते हैं, तो राजनीति को अंततः बदलना ही पड़ता है।

संपादकीय

एक मंत्री, एक यूनिवर्सिटी

अब केंद्रीय मंत्री देश के विश्वविद्यालयों में जाएंगे, पूरा दिन खर्च करेंगे, जेन-जी के चेहरों से संवाद करेंगे, उनकी तकलीफें, समस्याएं, खामियां जानने की कोशिश करेंगे, अपनी सरकार की नीतियां, योजनाएं भी साझा करेंगे और इस तरह एक व्यापक वोट बैंक के छिटकने की संभावनाओं को कम करेंगे। क्या ऐसे प्रयास, प्रत्येक सरकार के स्तर पर, निरंतर और सिलसिलेवार नहीं किए जाने चाहिए? यह योजना भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री ने देश में जेन-जी के आक्रोश, गुस्से और आंदोलनों को भांप, समझ लिया है, लिहाजा मंत्रियों की यूनिवर्सिटीज में प्रवास की नौबत आई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ऐसे भी निर्देश मंत्रियों को दिए हैं कि वे लगातार फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें और युवाओं से संवाद करते रहें। लोकतंत्र में ऐसे जनसंपर्क, जनसंवाद जरूरी भी हैं, लेकिन वे नियमित होने चाहिए। अब जब जेन-जी के साथ-साथ जेन-अल्फा (स्कूली छात्र) भी देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को संवाद का यह 'अग्निपथ' सूझा है। हम इसे लोकतांत्रिक सरकार का गलत निर्णय नहीं मानते, लेकिन मंत्रियों का फोकस सोशल मीडिया और जेन-जी पर ही टिका रहेगा, तो मंत्रालयों पर ध्यान कौन देगा? मंत्रालयों के अपरिहार्य, नीतिगत निर्णयों को कौन क्रियान्वित करेगा? मंत्री की प्राथमिक और संवैधानिक जवाबदेही तो मंत्रालय के प्रति होनी चाहिए। उसी के आधार पर वह जनता के प्रति जवाबदेह साबित हो सकता है। मंत्रियों को चुनावों के मद्देनजर वोट बैंक को बचाने की कवायद में जुटना पड़ेगा, तो जाहिर है कि मंत्रालय और सरकार के बुनियादी काम प्रभावित होंगे। जेन-जी वह पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। इसकी आबादी करीब 37-40 करोड़ मानी जाती है। यह देश में कोई भी परिवर्तन करने में सक्षम है, क्योंकि इनमें से अधिकांश 2029 के लोकसभा चुनाव में मतदाता होंगे। बहरहाल देश में फिलहाल 57 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 522 राज्य विश्वविद्यालय हैं।

चिंतन-मनन

सत्ता और नैतिकता

सत्ता के संचालन में शक्ति की अपेक्षा रहती है या नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। शक्ति दो प्रकार की होती है- नैतिक शक्ति और उपकरण शक्ति। नैतिक शक्ति के बिना तो व्यक्ति सही ढंग से प्रशासन कर ही नहीं सकता। उपकरण शक्ति का जहां तक प्रश्न है, एक सीमा तक वह भी जरूरी है। किंतु वह शक्ति का एकमात्र तत्व नहीं है। उससे भी अधिक आवश्यक है- बुद्धि, विवेक, साहस और निर्णायक क्षमता। जिस शासक में ये चारो तत्व नहीं होते, वह सही रूप से सत्ता को संचालित नहीं कर सकता। एक शासक के पास बहुत बड़ी सेना हो, शस्त्रों का विशद भंडार हो; पर सही समझ न हो और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता न हो तो शक्ति भी अहितकर बन जाती है। सामान्यतः राष्ट्रीय एवं सामाजिक सत्ता के संचालन में शक्ति तत्व अपेक्षित रहता है, पर वही सब कुछ नहीं है, परम तत्व नहीं है। अधिकारी व्यक्ति की चरित्रनिष्ठा, जागरूकता और जनता की सहानुभूति का योग होने से ही सत्ता के गलियारों को पार किया जा सकता है। किसी एक तत्व की कमी होते ही प्रशासक विवादों के घेरे में खड़ा हो जाता है। उस समय वह सत्ता का संचालन करता है या सत्ता के द्वारा संचालित होता है, कुछ कहना कठिन है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम और रावण का प्रसंग प्रसिद्ध है। रावण की सत्ता से संसार कांपता था, इधर राम वनवासी थे। उनके पास न वैसी सेना थी, न वैसा शास्त्रबल था। फिर भी उन्होंने रावण की सत्ता को चुनौती दे दी। रावण धराशायी हो गया, क्योंकि उसका चरित्रबल क्षीण हो गया, सूझबूझ समाप्त हो गई, सही निर्णय लेने की क्षमता चुक गई और उसने जनता की सहानुभूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट, आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है।

आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतें:- यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी,खराब मौसम और कम बारिश,त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना,भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका,वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है।

गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण ? पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-श्क वाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग ?1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले।

हमारे देश में चीनी उत्पादन:- बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में है। 2025-26 चीनी सत्र में भारत का चीनी उत्पादन लगभग 306 लाख टन (3.06 करोड़ टन) रहने का अनुमान है, जो शुरूआती अनुमान से करीब 11 प्रतिशत कम है। उत्पादन में कमी का असर घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ा है। इस बीच, इथेनॉल उत्पादन के लिए भी गन्ने से प्राप्त चीनी का एक हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है और हाल फिलहाल कमी को देखते हुए सरकार ने घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि, शुल्क-मुक्त चीनी आयात की अनुमति भी दी है।

उक्त संदर्भ में यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं, चावल, सब्जी, फल और दूध जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। लेकिन दाल और खाद्य तेल के मामले में अभी भी आयात पर निर्भरता है। दालों की बढ़ती मांग और खाद्य तेल की लगभग आधी जरूरत ही देश में पूरी होना चिंता का विषय है। इसलिए सरकार को केवल मौजूदा महंगाई नियंत्रित करने पर ही नहीं, बल्कि इन आवश्यक खाद्य पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

अंत में कुल मिलाकर यही कहूंगा कि चीनी का मौजूदा संकट बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन सरकार को समय रहते सतर्क रहना होगा। जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी नजर के साथ अफवाहों को रोकना भी जरूरी है, क्योंकि कई बार अफवाहों के कारण भी बाजार में अनावश्यक महंगाई बढ़ जाती है। साथ ही, लोगों को भी जरूरत के मुताबिक ही खरीदारी और खपत करनी चाहिए। इस संबंध में चीनी के विकल्पों को भी तलाश किया जाना चाहिए। वास्तव में, गुड़,शहद,खजूर या खजूर का पेस्ट (मिठाइयों, शेक, बेकिंग और लड्डू आदि में उपयोगी),नारियल/पाम शुगर तथा फलों की प्राकृतिक मिठास (केला, खजूर, सेब आदि का इस्तेमाल) इसके विकल्प हो सकते हैं।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार हैं)

यौन शोषण और ब्लेकमेलिंग का अड्डा बन रहे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बबार्दी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे ऑनलाइन फ्रेंडशिप कहा जाता है। इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रेंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए।

6 जनवरी को पालघर (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को इंस्टाग्राम पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को पाली (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल

मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

5 मई को सीकर (राजस्थान) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।20 जून को बेंगलुरु (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।23 जून को बुराड़ी (दिल्ली) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई । 16 जुलाई को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

5 अगस्त को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 अगस्त को नागपुर (महाराष्ट्र) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक नाबालिगा को बंधक बना कर अपने पास रखने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया।

6 अगस्त को ही ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में एक युवती ने इंस्टाग्राम पर बने दोस्त के विरुद्ध उसे नौकरी दिलाने के बहाने मुरैना के एक होटल में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई।

12 अगस्त को सूरत (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

और अब 16 अगस्त को नई दिल्ली में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला को उसके ऑनलाइन फ्रेंड द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है। उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अतः महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।सोशल मीडिया पर किसी भी अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखें: अपना फोन नंबर, पता या वित्तीय विवरण ऑनलाइन साझा न करें।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें।तुरंत शिकायत करें: किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

'मोदी-योगी बताएं क्या कार्रवाई कर रहे हैं...', सतीश महाना का राष्ट्रगान बीच में छोड़ने पर अखिलेश का हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का उन्नाव में गार्ड ऑफ ऑनर के दौरान राष्ट्रगान बीच में छोड़कर जाने का वीडियो सामने आने के बाद सियासत गरमा गई है. सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी से कार्रवाई को लेकर सवाल पूछा? उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का एक वीडियो सामने आया था. जिसके बाद से देश और प्रदेश की राजनीति गरमा गई है. क्योंकि जो वीडियो सामने आया है, उसमें विधानसभा अध्यक्ष को राष्ट्रगान बीच में छोड़कर जाते हुए देखा जा रहा है. इस पूरे मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सवाल उठाया और बीजेपी व मुख्यमंत्री योगी को घेरा है. अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि ये उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष का राष्ट्रगान के प्रति अनादर देखिए. मोदी-योगी बताएं क्या कार्रवाई कर रहे हैं, अपने विधानसभा अध्यक्ष पर... आपको बता दें कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रगान को बीच में छोड़कर जाने का वीडियो उन्नाव में गार्ड ऑफ ऑनर के दौरान का था. हालांकि इस पूरे मामले पर अभी तक बीजेपी की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है. वीडियो पर कांग्रेस ने भी हमला बोला था. आईएनसी, उत्तर प्रदेश के एक्स से किए गए पोस्ट में लिखा गया कि जो दूसरों को देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हैं, वे खुद राष्ट्रगान का सम्मान नहीं कर सकते? यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना उन्नाव में गार्ड ऑफ ऑनर के दौरान बज रहे राष्ट्रगान को बीच में ही छोड़कर चले गए. क्या संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के पास 52 सेकेंड रुकने का भी समय नहीं है? देख लीजिए... यही भाजपा लॉबी का असली चेहरा और राष्ट्रभक्ति है आपको बता दें कि इस वक्त राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर घमासान मचा हुआ है.

महोबा में बारिश का कहर! प्राथमिक स्कूल में भरा पानी, करंट के खतरे के बीच पढ़ने को मजबूर छात्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के कबरई स्थित राजीव नगर प्राथमिक विद्यालय में भारी बारिश के बाद स्कूल में पानी भर गया. पूरे परिसर में जलभराव के चलते छोटे-छोटे बच्चे पानी में बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं. वहीं शनिवार रात बाउंड्रीवॉल गिर जाने से पानी कमरों में घुस गया, जिससे राशन और रजिस्टर सब बर्बाद हो गए. बिल्डिंग में करंट उतरने से बच्चों की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है. बार-बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं. महोबा जिले के कबरई विकासखंड अंतर्गत कबरई कस्बा के राजीव नगर वार्ड में प्राथमिक विद्यालय स्थित है. जहां हर साल की तरह इस बार भी मानसूनी बारिश ने शिक्षा व्यवस्था के दावों की पोल खोलकर रख दी है. विद्यालय परिसर से लेकर क्लास रूम तक, चारों तरफ सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है. हालत यह है कि बारिश के कारण विद्यालय की बाउंड्रीवॉल ढह गई. परिसर और आंगनबाड़ी केंद्र में पानी भरने से मिड-डे मील का राशन, चावल और स्कूल के जरूरी दस्तावेज पानी में डूबकर पूरी तरह खराब हो चुके हैं. बच्चे टॉयलेट तक नहीं जा पा रहे हैं और न ही सुकून से खाना खा पा रहे हैं. आने वाली परीक्षाओं की तैयारी के लिए नौनिहाल गंदे पानी के बीच बरामदे में बैठने को मजबूर हैं. ?सबसे ज्यादा डराने वाली बात यह है कि जर्जर हो चुकी स्कूल बिल्डिंग में करंट उतर रहा है. स्कूली छात्राओं ने बताया कि उन्हें पानी में उतरते समय करंट का झटका भी लग चुका है, जिससे हर पल किसी बड़े हादसे का डर बना रहता है. विद्यालय के अध्यापक मोहन बाबू का कहना है कि यह समस्या सालों पुरानी है. उन्होंने कई बार एबीएसए से शिकायत की. एबीएसए मौके पर जांच करने आए, लेकिन आश्वासन के बाद भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. मासूम बच्चों और शिक्षकों ने जिला प्रशासन से तत्काल पानी की निकासी कराने और स्कूल की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सके

OPOD से भदोही की कालीन इंडस्ट्री को मिली नई उड़ान, सरकारी मदद बनी संजीवनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। भदोही को दुनिया भर में अपनी बेहतरीन कालीनों के लिए जाना जाता है. अब सरकारी योजनाओं के जरिए इस पारंपरिक उद्योग को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है. एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत पूंजी, बाजार और हुनर इन तीनों मोर्चों पर इस उद्योग को सहारा मिल रहा है. सरकार के मुताबिक मार्जिन मनी योजना के तहत 347 लाभार्थियों को 131 करोड़ रुपये से ज्यादा का सब्सिडी वाला लोन दिया गया है. इसमें 12 करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी शामिल है. वहीं, 546 उद्यमियों को देश-विदेश के मेलों में अपने उत्पाद का प्रदर्शन करने के लिए 6.85 करोड़ की मदद दी गई. इसके अलावा 2,350 लोगों को ट्रेनिंग और दूसरी मदद देकर कालीन उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है. भदोही से कालीन अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और मध्य-पूर्व समेत 88 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जाता है. भारत से हर साल लगभग 13 हजार करोड़ रुपये की कालीन का निर्यात होता है, जिसमें अकेले भदोही की हिस्सेदारी 60' से ज्यादा है. भदोगी के इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इसे योजना में शामिल किया गया है. साल 2018 से इस योजना के तहत नए और पुराने दोनों कालीन कारोबारियों को वित्तीय मदद, ट्रेनिंग और दूसरी सुविधाएं दी जा रही हैं.

इंदौर में जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटकर रील बनाने वाली युवती पर FIR, नोटिस देकर छोड़ा; लाइक्स-फॉलोअर्स के लिए रोका था ट्रैफिक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। लैंटर्न चौराहे की जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटकर ट्रैफिक बाधित करने वाली एक महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के खिलाफ तुकोगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे नोटिस देकर जमानत पर छोड़ दिया है। इस घटना ने एक बार फिर शहर में बढ़ रहे स्टंट कल्चर पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इंदौरः सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने का भूत लोगों के सिर पर इस कदर सवार हो चुका है कि वे आम जनता की जान और ट्रैफिक व्यवस्था को भी दांव पर लगाने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। ध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने रील बनाने के लिए शहर के व्यस्त लैंटर्न चौराहे की जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटकर वीडियो शूट किया। इस खतरनाक स्टंट के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई और ट्रैफिक बाधित हुआ। वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई इंदौर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए युवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था वीडियो

यह पूरा वाकया शुक्रवार को सामने आया, जब सोशल मीडिया पर एक युवती का वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो में साफ दिख रहा था कि एक युवती लैंटर्न चौराहे पर बीच सड़क पर लेटी हुई है और वाहन उसके आसपास से गुजर रहे हैं या सिग्नल पर रुके हुए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कमिश्नरेट के अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लिया। एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया के निर्देश पर साइबर एक्सपर्ट्स की मदद से वीडियो की जांच कराई गई, जिसके बाद वीडियो में नजर आ रही युवती की पहचान खजराना निवासी प्रकृति राजेश गौड़ के रूप में हुई। पहचान पुख्ता होने के बाद इंटेलिजेंस विंग के एक पुलिसकर्मी की शिकायत पर तुकोगंज थाने में उसके खिलाफ औपचारिक एफआईआर दर्ज की गई।

माफी मांगी तो नोटिस देकर छोड़ा

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि युवती खुद को इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर बताती है और इवेंट्स से जुड़े काम करती है, मूल रूप से वह बदनावर की रहने वाली है। सोशल मीडिया पर अटेंशन पाने के लिए उसने यह खतरनाक कदम उठाया था। हालांकि, थाने में पूछताछ के दौरान युवती ने अपनी गलती का अहसास किया और पुलिस के सामने माफी भी मांगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे नोटिस देकर जमानत पर छोड़ दिया। दिलचस्प बात यह है कि इंदौर में इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। वर्ष 2021 में भी श्रेया कालरा नाम की युवती ने रेड सिग्नल पर डांस करते हुए ऐसा ही वीडियो बनाया था, जिसके बाद काफी बवाल मचा था और पुलिस ने कार्रवाई की थी। कानून तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई इस ताजा घटना के सामने आने के बाद इंदौर पुलिस और प्रशासन एक बार फिर सख्त मूड में नजर आ रहा है। अधिकारियों का साफ कहना है कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता के नाम पर यदि कोई भी शख्स कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करेगा या यातायात नियमों को तोड़ेगा, तो उसके खिलाफ बिना किसी नरमी के कानूनी डंडा चलाया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद से शहर के अन्य कंटेंट क्रिएटर्स और रील बनाने वालों में भी हड़कंप मच गया है, और पुलिस अब ऐसे मामलों पर डिजिटल पेट्रोलिंग और ज्यादा कड़ी करने जा रही है।द्व आरोपी युवती की पहचान प्रकृति राजेश गौड़ (मूल निवासी बदनावर) के रूप में हुई। तुकोगंज थाने में पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवती ने अपनी गलती मानकर पुलिस के सामने माफी मांगी। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि स्टंटबाजी करने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई होगी।

छतरपुर में जन्मा अनोखा बच्चा, 4 हाथ और 4 पैर देखकर दंग रह गए डॉक्टर, देखने को उमड़ी भीड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छितरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से एक बेहद दुर्लभ और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। लवकुश नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला ने ऐसे नवजात को जन्म दिया है, जिसके चार हाथ और चार पैर हैं। डॉक्टरों के मुताबिक यह एक दुर्लभ 'कंजॉइन्ड ट्विन्स' का केस है। बच्चे को बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से जबलपुर भेजने की तैयारी की जा रही है। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से चिकित्सा जगत को हैरान कर देने वाली एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने हर किसी को अचंभित कर दिया है। लवकुश नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला ने एक ऐसे दुर्लभ नवजात को जन्म दिया है, जिसके शरीर पर चार हाथ और चार पैर विकसित हैं। कुदरत के इस अनोखे करिश्मे को देखने के बाद अस्पताल के डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ भी भौचक्के रह गए हैं। जैसे ही यह खबर आसपास के इलाकों में फैली, अस्पताल परिसर में बच्चे की एक झलक पाने के लिए लोगों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा।

3 किलोग्राम है बच्चे का वजन

यह पूरा मामला छतरपुर जिले के लवकुश नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का है। प्रसव के दौरान जब महिला ने इस नवजात को जन्म दिया, तो डॉक्टर भी इसकी शारीरिक बनावट देखकर हैरान रह गए। जन्म के समय इस अनोखे बच्चे का वजन लगभग 3 किलोग्राम दर्ज किया गया। मेडिकल टीम के अनुसार, बच्चे के मुख्य धड़ से अतिरिक्त हाथ और पैर जुड़े हुए हैं। इस अजूबी घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिससे पूरे देश में यह चर्चा का विषय बन गया है। मेडिकल एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों ने इस स्थिति के पीछे का कारण स्पष्ट करते हुए इसे 'कंजॉइन्ड ट्विन्स' (जुड़े हुए जुड़वां) का एक बेहद

दुर्लभ मामला बताया है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि गर्भ में दो बच्चे पल रहे थे, लेकिन विकास के शुरुआती चरणों में दोनों पूरी तरह अलग नहीं हो सके। एक भाई या बहन का शरीर पूरी तरह विकसित नहीं हुआ और उसका धड़ व अंग मुख्य नवजात के पेट से जुड़ गए, जिसके कारण यह असाधारण शारीरिक संरचना सामने आई है। इस तरह के मेडिकल केस विज्ञान की दृष्टि से बेहद जटिल माने जाते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग तुरंत हरकत में आ गया है। छतरपुर के सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता ने स्थिति की नजाकत को समझते हुए बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने जानकारी दी है कि इस नवजात शिशु को विशेष निगरानी में रखा गया है और उसे तुरंत और उन्नत चिकित्सा मुहैया कराने के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए जबलपुर भेजने की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। यह घटना जहां एक तरफ आम लोगों के लिए कुदरत का अजूबा है, वहीं डॉक्टरों के लिए भी एक बड़ी चुनौती साबित हो रही है। छतरपुर के लवकुश नगर अस्पताल में चार हाथ-पैर वाले बच्चे का जन्म हुआ है। डॉक्टरों ने इस दुर्लभ स्थिति को 'कंजॉइन्ड ट्विन्स' का मामला बताया है। जन्म के वक्त नवजात का वजन लगभग 3 किलोग्राम रिकॉर्ड किया गया है। बेहतर और एडवांस इलाज के लिए बच्चे को एयर एंबुलेंस से जबलपुर भेजा जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता खुद निगरानी कर रहे हैं।

जेल में चल रहा था गीता प्रवचन, चादर की रस्सी बना दीवार लांघ गया कैदी अफसरों के फूले हाथ पैर

धर्मेंद्र सुबह सिलाई ट्रेनिंग के बाद दोपहर 12 बजे ऑनलाइन गीता प्रवचन कार्यक्रम में गया था. वहीं से वह मौका पाकर छिप गया और चादरों से रस्सी बनाकर ऊंची दीवार फांदकर भाग निकला.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर की जिला जेल में पिछले करीब 3 माह से बंद एक विचाराधीन कैदी शनिवार की दोपहर को जेल की दीवार फांदकर फरार हो गया. जेल प्रबंधन को इसकी भनक लगी तो हड़कंप मच गया और तलाशी शुरू हो गई. आरोपी कैदी पर कराहल थाने में दर्ज एक महिला के अपहरण और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का मामला दर्ज है. जेल प्रबंधन ने कैदी के भागने की सूचना जेल मुख्यालय और पुलिस अधीक्षक को भी सूचना दे दी. जिसके बाद पुलिस ने थानों को सूचना देकर सर्चिंग शुरू करा दी. आरोपी कैदी धर्मेंद्र पुत्र सुरेश कुशवाह (24) निवासी पलायचा थाना बेलगढ़ा जिला ग्वालियर शनिवार की सुबह 11 बजे से 12 बजे के बीच सिलाई की ट्रैनिंग में मौजूद था. इसके बाद दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक जेल परिसर के ही एक सभागार में होने वाली गीता प्रवचन के ऑनलाइन कार्यक्रम में चला गया. इसी दौरान वह बैरक में लौटने के बजाय बीच में कहीं छिप गया और मौका पाकर चादर की रस्सी बनाकर जेल की दीवार फांदकर भाग गया. आरोपी के भागने की सूचना मिलते ही जेल परिसर में हड़कंप मच गया और

तलाशी शुरू हुई. जेल में आरोपी धर्मेंद्र कुशवाह 31 मई से बंद था. उस पर एक महिला को भगाकर ले जाने और उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का प्रकरण दर्ज है. कराहल थाने में बीएनएस की धारा 137(2) के तहत प्रकरण दर्ज हुआ और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद में बीएनएस की धारा 87 बढ़ाई गई. गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय ने जेल भेज दिया और 31 मई 2026 से ये श्योपुर जिला जेल में बंद था, लेकिन शनिवार को भाग गया. जिला जेल अधीक्षक प्रभात कुमार का कहना है कि फरार कैदी की तलाश के लिए पुलिस ने संभावित ठिकानों और आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है.

ब्रिटेन, स्पेन और इटली के कपल्स ने हिंदू रीति-रिवाज से लिए सात फेरे, उज्जैन में अग्नि को साक्षी मानकर थामा एक-दूसरे का हाथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। भारतीय संस्कृति, योग और सनातन परंपरा की गूंज एक बार फिर सात समंदर पार तक सुनाई दी है। मोक्षदायिनी मां शिप्रा के पावन तट पर स्थित आश्रम में एक ऐसा अनोखा और भव्य विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। ब्रिटेन, इटली और स्पेन से भारत आए तीन विदेशी जोड़ों ने पाश्चात्य संस्कृति के दायरों को छोड़कर पूरी तरह से सनातन पद्धति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि को साक्षी मानकर एक-दूसरे का हाथ थामा है। यह मांगलिक आयोजन गुरुदेव डॉ. ओमानंद महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अंतरराष्ट्रीय विवाह समारोह के तहत इटली की ईवा का विवाह उनके देश के ही मैसिमिलियानो के साथ हुआ, जिन्हें क्रमशः 'मां दर्पण आनंद' और 'बलराम आनंद' नाम दिया गया। वहीं, इटली की ही जेसिका (मां सीता आनंद) और लुका (राम आनंद) परिणय सूत्र में बंधे। इसके अलावा, स्पेन की इनमा (मां शांति आनंद) और इंग्लैंड के मार्क (प्रकाशानंद) भी सनातन परंपरा के बंधन में बंध गए। आश्रम परिसर में भारतीय विवाह की हर एक रस्म हल्दी, फेरे, और विधि-विधान–को पूरी निष्ठा के साथ निभाया गया, जिसमें ढोल-नगाड़ों की थाप पर भारतीय बारातियों और विदेशी मेहमानों का उत्साह देखते ही बनता था।

मदरसे में नाबालिग छात्राओं से दुर्व्यवहार, जांच में आरोप निकले सही; शिक्षक को जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। एक अनुदानित मदरसे में कक्षा पांच की नाबालिग छात्राओं ने सहायक शिक्षक पर अनुचित व्यवहार और आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप लगाए। उत्तर प्रदेश में गोंडा के नगर कोतवाली क्षेत्र के एक अनुदानित मदरसे में कक्षा पांच की नाबालिग छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। छात्राओं की शिकायत के बाद हुई जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी सहायक शिक्षक खालिद हुसैन के खिलाफ पोक्सो एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और केस दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला 15 जुलाई को सामने आया था। कक्षा पांच में पढ़ने वाली कई छात्राओं ने प्रधानाचार्य कार्यालय पहुंचकर सहायक शिक्षक खालिद हुसैन के खिलाफ शिकायत की। छात्राओं ने शिक्षक पर कक्षा में अनुचित तरीके से छूने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप लगाए।प्रधानाचार्य ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए छात्राओं के बयान दर्ज कराए। उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई। इसके बाद आरोपी शिक्षक को तत्काल कक्षा चार और पांच की पढ़ाई से हटा दिया गया। उससे लिखित स्पष्टीकरण भी मांगा गया और मामले की जानकारी मदरसे के प्रबंधक को दी गई। शिक्षक ने अपने लिखित जवाब में छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज किया। उसका कहना था कि वह बच्चों को मेहनत और स्नेह के साथ पढ़ाता है। हालांकि, छात्राओं की शिकायत और शिक्षक के जवाब के बाद प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को पत्र भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। मामले की जांच के लिए चार अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम में खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय/नगर, खंड शिक्षा अधिकारी नवाबगंज, जिला बाल संरक्षण अधिकारी और नायब तहसीलदार सदर शामिल थे।

क्क पुलिस की गाड़ी से टकराई कार, हालचाल लेने पहुंचे पुलिसकर्मी देखा कुछ ऐसा कि रह गए सन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर पुलिस की गाड़ी से ब्रेजा कार की टक्कर के बाद 10 किलो सोना बरामद हुआ. कांवड़ ड्यूटी से लौट रही पुलिस ने हादसे के बाद कार सवार युवकों की घबराहट देखकर तलाशी ली. कार में रखे बैग से करीब 10 किलो सोने की ईंट मिली. कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार देर रात हुए एक सड़क हादसे ने ऐसा राज खोल दिया, जिसे देखकर पुलिस भी हैरान रह गई. कांवड़ ड्यूटी से लौट रही पुलिस की गाड़ी एक ब्रेजा कार से टकराई. हादसे के बाद पुलिसकर्मी कार सवार युवकों का हालचाल जानने पहुंचे, लेकिन उनकी घबराहट ने पुलिस का शक बढ़ा दिया. इसके बाद जब कार की तलाशी ली गई तो एक बैग में करीब 10 किलो सोने की ईंट मिली. इतनी बड़ी मात्रा में सोना देखकर पुलिस के होश उड़ गए. तलाशी के दौरान बैग से मिला 10 किलो सोन बताया जा रहा है कि सकरावा थाना प्रभारी शुक्रवार रात करीब दो 2 बजे अपने हमराह सिपाहियों के साथ कांवड़ यात्रा की ड्यूटी से वापस लौट रहे थे. इसी दौरान लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के 171 किलोमीटर प्वाइंट के पास उनकी पुलिस गाड़ी की ब्रेजा कार से टक्कर हो गई. टक्कर के बाद पुलिसकर्मी ब्रेजा के पास पहुंचे और कार सवार लोगों से उनकी कुशलक्षेम पूछी. इस दौरान कार में बैठे दोनों युवक कथित तौर पर घबरा गए. उनके व्यवहार को देखकर पुलिसकर्मियों को कुछ संदेह हुआ.पुलिस ने कार की तलाशी लेने का फैसला किया. तलाशी के दौरान पुलिस को कार में रखा एक बैग मिला. जब बैग खोला गया तो उसके अंदर सोने की एक बड़ी ईंट बरामद हुई. उसका वजन करीब 10 किलोग्राम बताया जा रहा है. इतनी बड़ी मात्रा में सोना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया और कार को भी कब्जे में ले लिया. मामले की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई. इसके बाद पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया. शुरुआती जानकारी के मुताबिक हिरासत में लिए गए युवकों में एक महाराजगंज का रहने वाला है, जबकि दूसरा नेपाल का निवासी बताया जा रहा है. पुलिस को आशंका है कि यह सोना नेपाल से तस्करी के जरिए दिल्ली ले जाया जा रहा था.

दिल्ली में 5 साल से अटके अस्पतालों के लिए 426 करोड़ रुपये मंजूर, 691 बेड की होगी व्यवस्था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पांच साल से निर्माणाधीन पड़े दो अस्पतालों के अधूरे काम को पूरा करने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मादीपुर और ज्वालापुरी में बन रहे दोनों अस्पतालों के बचे हुए काम को पूरा करने के लिए 426.53 करोड़ रुपये को मंजूरी दे दी है। दोनों अस्पतालों के बनने से कुल 1382 नए बेड बढ़ेंगे। इससे नांगलोई, पश्चिमी दिल्ली, मादीपुर, ज्वालापुरी के आसपास रहने वाली 20 लाख आबादी वाले क्षेत्रों को फायदा होगा।

मादीपुर और ज्वालापुरी अस्पताल में 65 फीसदी काम पूरा

मादीपुर और ज्वालापुरी अस्पताल का अभी तक 65 फीसदी काम पूरा हुआ है। दोनों ही 691-691 बैंड के अस्पताल बनाए जाने हैं। साल 2019 में दोनों अस्पतालों के निर्माण को मंजूरी दी गई थी। 2022 में इनके डिजाइन में बदलाव के साथ दो अतिरिक्त मंजिल के निर्माण के चलते यह काम अटक गया। अब इसकी लागत में इजाफा हुआ है। मादीपुर अस्पताल को बनाने की शुरुआती लागत 320 करोड़ रुपये आंकी गई थी। आधे से अधिक बजट खर्च हो चुका है, लेकिन अभी तक 65 फीसदी फिजिकल वर्क पूरा हुआ है। अब इसके बचे हुए काम को पूरा करने के लिए 203 करोड़ रुपये की जरूरत है। यानी अब कुल लागत 466.50 करोड़ रुपये हो गई है। इसी तरह ज्वालापुरी अस्पताल की भी शुरुआती लागत 319.65 करोड़ रुपये थी। अब इसकी लागत बढ़कर 484.04 करोड़ रुपये हो गई है। अब तक 260.51 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। अब बचे हुए काम को पूरा करने के लिए 223.53 करोड़ रुपये और लगेंगे। अब दोनों अस्पतालों के अधूरे काम को पूरा करने में दो साल और लगेंगे। 6 महीने प्लानिंग करने और 18 महीने उसे लागू करने में लगेंगे।

खान मार्केट को मिलेगी जाम से मुक्ति, ट्रैफिक पुलिस और व्यापारियों की 'पंचायत', कैब-ऑटो के लिए बनेंगे पिक एंड ड्रॉप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली में 5 साल से अटके नई दिल्ली। राजधानी के प्रमुख बाजार खान मार्केट में जाम और बेतरतीब पार्किंग की समस्या से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। बाजार में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और खान मार्केट के व्यापारियों के बीच ट्रैफिक पंचायत आयोजित की गई। बैठक में जाम, अतिक्रमण, कैब और श्रीवीलर की अव्यवस्थित आवाजाही समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि बाजार मैं आने वाले लोगों के लिए कैब और श्रीवीलर के पिक एंड ड्रॉप के लिए निर्धारित पॉइंट बनाए जाएंगे। इससे बाजार की मुख्य सड़क पर गाड़ियों के रुकने और सवारियों को उतारने-चढ़ाने के कारण लगने वाले जाम को कम करने में मदद मिलेगी।

ट्रैफिक पंचायत में ये रहे मौजूद

इस बैठक में स्पेशल पुलिस कमिशनर ट्रैफिक अजय चौधरी, जॉइंट सीपी संजय त्यागी, एडिशनल सीपी दिनेश गुप्ता समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। खान मार्केट ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रेजिडेंट संजीवमेहरा के नेतृत्व में ट्रैफिक पंचायत का आयोजन किया गया है।संजीव मेहरा ने बताया कि अमृता शेरगिल मार्ग पर करीब 400 गाड़ियों की पार्किंग बनाने की प्लानिंग करीब 15 साल पहले हुई थी, लेकिन अब तक पार्किंग तैयार नहीं हई है। व्यापारियों ने मांग की कि मार्केट के गेट के आसपास कैब और श्रीवीलर के लिए पिक एंड ड्रॉप पॉइंट बनाया जाए। इस पर स्पेशल सीपी ने अपनी सहमति जताई और इसे बनाने की बात कही। बैठक में ट्रैफिक पुलिस, लोकल पुलिस और एनडीएमसी की संयुक्त टीम की ओर से हफ्ते में एक बार अतिक्रमण अभियान चलाने की सहमति बनी है। संजीव मेहरा ने बताया कि ऑफिस टाइम के दौरान सुब्रह्मण्यम भारती मार्ग को वन वे करने पर भी चर्चा की गई। के लिए 426 करोड़ रुपये मंजूर, 691 बेड की होगी व्यवस्था

दिल्लीः बुजुर्ग महिला हत्याकांड में बड़ा सुराग! हिरासत में होटल में रुककर लैविश लाइफ जीने वाला संदिग्ध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पॉश जंगपुरा के पंतनगर में 70 वर्षीय प्रीति कुमारी की लूटपाट के दौरान हत्या के मामले में पुलिस की जांच तेज है. कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक संदिग्ध पर खास फोकस है, जो होटल में रुककर कथित तौर पर लैविश लाइफ जीता था. राजधानी दिल्ली के पॉश जंगपुरा इलाके के पंतनगर में 70 वर्षीय प्रीति कुमारी की लूटपाट के दौरान हत्या के मामले में पुलिस की जांच तेज हो गई है. वारदात के बाद पुलिस की कई टीमें अलग-अलग एंगल से जांच कर रही हैं. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक संदिग्ध पर पुलिस का खास फोकस है और उससे चोरी किए गए सामान की बरामदगी को लेकर पूछताछ की जा रही है. सूत्रों के अनुसार संदिग्ध कथित तौर पर होटल में रुककर लैविश लाइफ जीता था. पुलिस को शक है कि उसी ने इस वारदात को अंजाम दिया. फिलहाल उससे पूछताछ के साथ उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, ताकि चोरी हुआ सामान बरामद किया जा सके. हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस मामले में आधिकारिक तौर पर गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है. प्रीति कुमारी अपने घर में अकेली रहती थीं. निजी स्कूल से सेवानिवृत्त होने के बाद वह सामाजिक कार्यों से जुड़ गई थीं और एक एनजीओ की डिस्पेंसरी में पर्ची बनाने का काम करती थीं. बताया जा रहा है कि घटना से करीब 15 दिन पहले उन्होंने अपने घर की खिड़की-दरवाजे की मरम्मत और फर्नीचर का काम कराया था. इस दौरान घर में काम करने वाले श्रमिकों से भी पुलिस पूछताछ कर चुकी है. जांच में सामने आया है कि वारदात के दौरान बदमाशों ने आसपास के कुछ घरों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए थे, ताकि कोई मदद के लिए बाहर न निकल सके. इसके बाद वे प्रीति कुमारी के घर में दाखिल हुए और सामान चोरी करने लगे. इसी दौरान उनकी आंख खुल गई. पुलिस को आशंका है कि पहचान उजागर होने के डर से बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई. पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि वारदात को किसी ऐसे व्यक्ति ने अंजाम दिया था, जिसे महिला के घर और उनकी दिनचर्या की जानकारी थी. घटना के 48 घंटे बाद भी पुलिस ने आधिकारिक रूप से केस का खुलासा नहीं किया है. डीसीपी ने रविवार सुबह तक किसी गिरफ्तारी से इनकार किया था. ऐसे में पुलिस फिलहाल ठोस सबूत जुटाने और चोरी का सामान बरामद करने में लगी है.

मुंबई के ब्रिज पर चलती कार में अचानक लगी आग, दो युवक अंदर थे अगले ही पल धू-धू कर जली गाड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देर रात एक चलती कार अचानक आग का गोला बन गई. कुर्ला पश्चिम स्थित सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड (स्क्रस्क्र) ब्रिज पर स्विफ्ट डिजायर में अचानक आग लग गई. कार में दो युवक सवार थे. जैसे ही उन्हें गाड़ी के अगले हिस्से से धुआं और चिंगारियां निकलती दिखाई दीं, उन्होंने तुरंत कार रोक दी और बाहर निकलकर अपनी जान बचाई. देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया. मुंबई में रात के करीब 2 बजे एक कार चेंबूर से बांद्रा की तरफ जा रही थी. सड़क खाली थी, सफर सामान्य था. तभी स्क्रस्क्रब्रिज पर पहुंचते ही कार के अगले हिस्से से धुआं निकलने लगा. फिर चिंगारियां दिखाई दीं. कार में बैठे दोनों युवकों को कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा हुआ. ड्राइवर ने तुरंत गाड़ी रोकी. दोनों बाहर निकले. और इसके कुछ ही सेकेंड बाद वही कार आग का गोला बन गई.आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी धू-धू कर जलने लगी. गनीमत रही कि दोनों युवक समय रहते कार से बाहर निकल चुके थे. मामला मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके का है. जगह थी

सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड यानी स्क्रस्क्र ब्रिज. रात करीब 2 बजे एक सफेद स्विफ्ट डिजायर चेंबूर से बांद्रा की तरफ जा रही थी. सब कुछ ठीक चल रहा था. लेकिन जैसे ही कार ब्रिज पर पहुंची, उसके अगले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा. पहले धुआं... फिर चिंगारियां... और फिर आग. ड्राइवर ने खतरा भांप लिया और तुरंत कार रोक दी. दोनों युवक बिना वक्त गंवाए गाड़ी से बाहर निकल आए. दोनों के बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद आग ने कार को पूरी तरह घेर लिया. देखते ही देखते सफेद कार के चारों तरफ आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं. रात के अंधेरे में ब्रिज पर जलती हुई कार दूर से साफ दिखाई दे रही थी. वहां से गुजर रहे बाइक सवारों ने भी यह मंजर देखा. उन्होंने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी. कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची. दमकलकर्मियों ने आग बुझाने की कोशिश शुरू की. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. लेकिन तब तक कार का ज्यादातर हिस्सा जल चुका था. जिस कार में कुछ देर पहले दो लोग सफर कर रहे थे, वह अब लगभग कबाड़ में बदल चुकी थी. अब सवाल है कि आखिर चलती कार में आग लगी कैसे? शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है. हालांकि पुलिस और दमकल विभाग की ओर से आग लगने की असली वजह की जांच की जा रही है. कार में किसी तरह की तकनीकी खराबी थी या आग किसी और वजह से लगी, इसका पता जांच के बाद ही चलेगा. कार में आग लगने के बाद स्क्रस्क्रब्रिज पर कुछ समय के लिए ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ. जलती कार को देखकर आसपास से गुजर रहे लोग रुकने लगे थे. पुलिस और दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली. आग बुझाने के बाद जली हुई कार को हटाया गया. इसके बाद ट्रैफिक नॉर्मल हुआ.

सिंदूर की जीत, अटारी-वाघा बॉर्डर बंद, जानिए कैसे शादी करने पाकिस्तान से भारत आईं 150 दुल्हनें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान से जुड़ने वाले बॉर्डर बंद कर दिया। वाघा अटारी बॉर्डर बंद होने के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच रिश्तों की डोर भी कमजोर पड़ गई। तनाव के माहौल में एक-दूसरे देश में शादी की उम्मीदें कम हो गई थीं। करीब डेढ़ साल के लंबे इंतजार के बाद फिर से उम्मीदें जगी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 150 पाकिस्तानी दुल्हनें मस्कट, कोलंबो, ढाका, दुबई और कतर से कनेक्टिंग फ्लाइट लेकर नागपुर, जोधपुर, अहमदाबाद, रायपुर, पुणे और भोपाल जैसे भारतीय शहरों में पहुंचीं और शादी की रस्में निभाईं। गृह मंत्रालय ने सिंध के एक सम्मानित धार्मिक स्थल के साथ मिलकर इन यात्राओं के लिए विशेष छूट दी। पाकिस्तानी रिश्तेदारों को दुल्हन के साथ आने की इजाजत तो थी, लेकिन उन्हें तय समय के अंदर वापस लौटना था, इसलिए शादियां सादगी से हुईं। ञ्ह्ल्ढ्ढ को पाकिस्तानी दुल्हनों के वीजा परमिट और दस्तावेज मिले हैं और हमने कई खुशहाल पाकिस्तानी जोड़ों से बात भी की है।

450 रिश्तेदारों के साथ आईं दुल्हनें

सामान्य समय में, भारत का वीजा रखने वाले पाकिस्तानी वाघा बॉर्डर से आसानी से आ-जा सकते थे, लेकिन अब ज़मीनी बॉर्डर बंद होने के कारण उन्हें हवाई रास्ते से घूमकर आना पड़ा। इस साल अप्रैल से जून के बीच, दुल्हनें लगभग 450 रिश्तेदारों के साथ भारत आईं। लंबे समय के वीजा पर भारत में रह रहे इंकेश जशनानी की सगाई 'ऑपरेशन सिंदूर' से पहले हुई थी और उन्होंने पिछले साल शादी की योजना बनाई थी। उनकी होने वाली पत्नी आरती, सिंध की खानपुर तहसील से मुश्किल सफर तय करके मई 2025 में वाघा बॉर्डर से सिर्फ़ एक किलोमीटर दूर पहुंची थीं, तभी भारत ने अटारी गेट बंद कर दिया। एक साल से ज़्यादा समय के बाद, आरती मस्कट होते हुए नागपुर आईं और मार्च में शादी की। वीजा पाबंदियों के कारण उनके साथ सिर्फ उनके भाई आए, जबकि उनके माता-पिता पीछे ही रह गए। वह कहती हैं कि काश बॉर्डर खुल जाएं और मैं उनसे एक बार मिल सकूं। भारतीय नागरिकता लेने के बाद नागपुर में रहने वाले संजय कलानी की सगाई तीन साल पहले सिंध के घोटकी जिले की काजल से हुई थी, और उन्होंने लगभग उम्मीद छोड़ दी थी। शादी पिछले साल होनी थी, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद काजल और उनका परिवार बॉर्डर पार नहीं कर पाया। उसके बाद इंतज़ार कभी न खत्म होने वाला लगने लगा। आखिरकार 5 महीने पहले यह कपल शादी के बंधन में बंधा, जब काजल कराची से मस्कट होते हुए दिल्ली और फिर नागपुर पहुंचीं। संजय के भाई धीरज को भी तब राहत मिली जब उनकी मंगेतर संजना, सिंध की एक अंदरूनी तहसील मीरपुर से उसी रास्ते से भारत आईं। भारत आने वाली उड़ानों में एक दूल्हा भी शामिल था। सिंध के घोटकी से राभेल जसवाणी अपने माता-पिता के साथ नागपुर में श्रेया से शादीकरने आए थे और तब से यहीं रह रहे हैं।ाके तिजार कर रही हैं।

मां से रूठकर निकली थी विधायक रोहित पवार के क्क्रकी बेटी, अगले दिन नाले में मिली लाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बारामती। महाराष्ट्र के बारामती में विधायक रोहित पवार के पीए की 15 साल बेटी शनिवार को किसी वजह से मां से रूठकर घर से चली गई थी. वहीं रविवार को घर के पास ही एक नाले में उसकी लाश मिली है. महाराष्ट्र के बारामती में विधायक रोहित पवार के पीए की 15 साल की बेटी की संदिग्ध अवस्था में लाश मिली है. वह कल से लापता बताई जा रही थी. घर के पास ही एक नाले में उसकी लाश मिली है. बताया जा रहा है कि शनिवार को वह अपनी मां से किसी वजह से नाराज होकर घर से चली गई थी. इस मामले में देर रात बारामती तालुका पुलिस थाने में लड़की के अपहरण और लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी. एक तरफ पुलिस लड़की की तलाश कर रही थी, तभी उसकी लाश मिलने से हड़कंप मच गया. ाटना की जानकारी मिलते ही विधायक रोहित पवार बारामती मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे. पुलिस के मुताबिक, लड़की कल शाम 4 बजे मां से विवाद के बाद नाराज होकर घर से चली गई थी. बता दें, रोहित पवार महाराष्ट्र की राजनीति में चर्चित नाम हैं. वे राजेंद्र पवार और सुनंदा पवार के बेटे हैं. उनके दादाजी अप्पासाहेब पवार थे, जो शरद पवार के बड़े भाई थे. पुलिस ने तीन अलग-अलग जगहों पर टीमें भेजी थीं. वहीं, आज सुबह करीब 8:30 बजे लड़की की लाश मिली. इस मामले में बारामती के डीवाईएसपी चैतन्य कदम ने बताया कि लड़की के घर के बगल वाली बिल्डिंग की छत पर उसकी चप्पल मिली है .

आंखों में डाला मिर्च पाउडर, लाठी-डंडों से की पिटाई दिल्ली में पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भलस्वा डेयरी इलाके में कुछ लोगों द्वारा पुलिस टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है. कुछ लोगों का एक ग्रुप पुलिस पर लाठी-डंडों से हमला करता नजर आ रहा है. बताया जा रहा है कि भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर मिर्च पाउडर फेंका और ईंट से भी हमला किया. दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां ड्यूटी पर तैनात पुलिस टीम पर हिंसक भीड़ ने हमला कर दिया. यह घटना तब हुई जब पुलिसकर्मी रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहे थे और चेकिंग के दौरान एक गाड़ी जब्त की. जानकारी के मुताबिक भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों पर मिर्च पाउडर फेंका गया और ईंट-डंडों से हमला भी किया गया. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, शनिवार को दोपहर करीब 3:30 बजे जब पुलिस अधिकारी राउंड पर थे, तो गाड़ी के मालिक समेत कुछ लोगों के एक समूह ने उन पर हमला कर दिया. यह घटना शनिवार की बताई जा रही है. इस घटना में 3 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं. दिल्ली पुलिस ने इलाके के कुख्यात अपराधी सुनील उर्फ पंकज पर मुख्य हमलावर होने का आरोप लगाया है. बताया जा रहा है कि पंकज पहले से ही संगीन अपराधों समेत 5 मामलों में शामिल रहा है. बता दें कि इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ लोग हाथ में लाठी-डंडे लेकर पुलिस टीम पर हमला कर रहे हैं. वहीं, शुक्रवार को दिल्ली के मंगोलपुरी में आपसी रंजिश के चलते चाकूबाजी की घटना भी सामने आई. इस घटना में 6 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली. घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. घटना के बाद घायलों को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया था, जिनमें से दो को बाद में सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया. कुछ स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने कुछ लोगों से लूटपाट भी की थी.

अचानक झपटा कुत्ता, गाल से नोच लिया मांस IC में चल रहा इलाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। बीड़ में आवारा कुत्ते के हमले का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. शिवतेज नगर में घर के बाहर खेल रही दो साल की बच्ची पर कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया. कुत्ते ने बच्ची के गाल का मांस तक नोच लिया. चीख सुनकर पड़ोसियों ने किसी तरह उसे बचाया. गंभीर हालत में बच्ची को ICU में भर्ती कराया गया है. महाराष्ट्र के बीड़ शहर में आवारा कुत्ते के हमले का एक खौफनाक मामला सामने आया है. शिवतेज नगर स्थित अस्पताल परिसर में घर के बाहर खेल रही दो साल की मासूम बच्ची पर अचानक एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया. कुत्ते ने बच्ची के गाल को बुरी तरह नोच डाला और मांस का टुकड़ा तक निकाल लिया. गंभीर रूप से घायल बच्ची को निजी अस्पताल के ICU में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है. घटना उस वक्त हुई, जब बच्ची घर के बाहर खेल रही थी. अचानक एक आवारा कुत्ता वहां पहुंचा और उसने बच्ची पर झपट्टा मार दिया.

3 महीने की प्रेग्नेंसी, रक्षा मंत्रालय में नौकरी ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग विवाहिता ने दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। तीन महीने की गर्भवती रक्षा मंत्रालय में कार्यरत महिला ने कथित तौर पर ससुराल वालों की मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से परेशान होकर 21 अगस्त को खुदकुशी कर ली. FIR के मुताबिक महिला फोन पर अपने मायके वालों को ससुराल में हो रही परेशानी के बारे में बताती थी. घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है. दिल्ली में तीन महीने की गर्भवती एक महिला ने कथित तौर पर ससुराल वालों की मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से परेशान होकर खुदकुशी कर ली. मृतका रक्षा मंत्रालय में कार्यरत थी. घटना के बाद महिला के मायके वालों ने उसके पति और ससुराल के अन्य सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाए हैं. मामले में पुलिस ने FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मायके वालों से भी बताती थी प्रताड़ना की बात

FIR के अनुसार महिला को उसके पति और ससुराल वालों की ओर से लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जा रहा था. यह बात उसने फोन कॉल के जरिए अपने मायके वालों को ससुराल में हो रही परेशानी के बारे में बताती थी. परिवार का कहना है कि वह लगातार तनाव में थी और उन्हें अपनी स्थिति के बारे में जानकारी देती रहती थी. परिजनों के मुताबिक 21 अगस्त को उन्हें एक फोन कॉल आया. फोन पर बताया गया कि उनकी बेटी ने खुदकुशी कर ली है. यह खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया. मायके वालों का आरोप है कि उनकी बेटी ने खुदकुशी नहीं की, बल्कि ससुराल वालों ने उसकी हत्या की है. उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. परिवार के आरोपों के आधार पर जांच में जुटी पुलिस पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर FIR दर्ज कर ली है. अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है. पुलिस मृतका के परिवार के आरोपों के साथ-साथ ससुराल पक्ष की भूमिका की भी जांच कर रही है. जांच के दौरान महिला की फोन कॉल डिटेल, परिवार के साथ हुई बातचीत और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को भी देखा जा सकता है. फिलहाल पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि महिला ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया और उसकी मौत के लिए कौन जिम्मेदार है. मृतक महिला के परिजनों ने पुलिस पर भी दहेज कानून की धाराएं नहीं जोड़ने का आरोप लगाया है. परिजन का कहना है कि आरोपी पति अमजद अली खान व उसके पिता की पुलिस में पहचान है. क्योंकि उसके पिता भी पुलिस सेवा से रिटायर्ड हैं, इसी वजह से पुलिस ने आरोपी परिवार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है. 48 घंटे से ज़्यादा बीत चुके हैं और आरोपी अभी भी फरार है. डीसीपी द्वारा ने कहा कि पीसीआर से कॉल मिली थी. मृतक की पहचान नाज़िया खानम (पिताः तवाब खान, उम्र लगभग 30 वर्ष) के रूप में हुई. मृतक नाज़िया खानम की शादी 11.04.2026 को मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार मो. आज़म अली खान से हुई थी और वह रक्षा मंत्रालय में ASO के पद पर तैनात थीं. 21 अगस्त को मृतक के परिवार के सदस्य संबंधित एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने पेश हुए और अपने लिखित बयान दिए.

CJP फाउंडर अभिजीत दिपके पर FIR, बिना इजाजत सरकारी स्कूल में घुसने और टीचरों को धमकाने के लगे आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले की पुलिस ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके और अन्य लोगों के खिलाफ बिना इजाजत सरकारी स्कूल में घुसने, क्लास में रुकावट डालने और टीचरों को धमकाने का मामला दर्ज किया है। यह एफआईआर जिला परिषद उर्दू स्कूल की टीचर 53 साल की सैयद शमशादबानो खैरातली की शिकायत पर औसा पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। दरअसल दिपके सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान के तहत लातूर के सरकारी स्कूलों का दौरा कर रहे हैं और इस दौरान उन्होंने स्कूलों की समस्याओं को उजागर किया है। यह घटना मुंबई से 500 किलोमीटर से ज्यादा दूर औसा के पास जवाली के एक जिला परिषद उर्दू स्कूल में हुई। शिक्षकों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 20 अगस्त को दोपहर करीब एक बजे अभिजीत दिपके, अजिंक्य शिंदे और उनके साथ कुछ अन्य लोग स्कूल परिसर में पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में जाकर छात्रों से सवाल-जवाब किए और लगभग डेढ़ से दो घंटे तक विद्यालय परिसर में मौजूद रहे। शिकायत में कहा गया है कि संबंधित लोगों ने बिना अनुमति स्कूल और कक्षाओं में प्रवेश किया और परिसर के भीतर तस्वीरें भी खींचीं। बताया जा रहा है कि स्कूल में दूसरे विद्यालय के विद्यार्थियों को बैठाए जाने के मुद्दे को लेकर शिक्षकों और आगंतुकों के बीच विवाद उत्पन्न हुआ। शिक्षकों का आरोप है कि इस दौरान उनके साथ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया और उन्हें निलंबित कराने की धमकी भी दी गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पूरे घटनाक्रम के कारण विद्यालय के नियमित शैक्षणिक कार्य प्रभावित हुए और पढ़ाई का माहौल बाधित हुआ। मामले में पुलिस ने अभिजीत दिपके समेत पांच लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और घटना से जुड़े तथ्यों को एकत्र किया जा रहा है।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू का प्रकोप, सरकार ने जारी की स्वास्थ्य एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने नागरिकों के लिए एक विस्तृत स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। इस वर्ष अब तक 1,777 से अधिक एच1एन1 संक्रमणों सहित कुल 2,300 से अधिक इन्फ्लुएंजा-ए के मामले सामने आ चुके हैं, जिसके बाद प्रशासन ने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। एडवाइजरी में श्वसन संबंधी स्वच्छता अपनाने, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने और बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर तत्काल डॉक्टरी सलाह लेने का आग्रह किया गया है। लोगों को खांसते-छींकते समय मुंह ढकने, नियमित हाथ धोने, भीड़भाड़ में मास्क पहनने और बीमार लोगों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही, आंखों-नाक को छूने से बचने, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकने और पर्याप्त तरल पदार्थ लेने पर जोर दिया गया है। बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेने से बचने को भी कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इन्फ्लुएंजा से निपटने की पूरी तैयारी होने का दावा किया है, जिसमें अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तर, दवाएं और मेडिकल उपकरण मौजूद हैं। 35 अस्पतालों को विशेष निगरानी में रखा गया है, जबकि एम्स और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र को रेफरल प्रयोगशालाएं बनाया गया है। शुक्रवार तक दिल्ली में इन्फ्लुएंजा के कुल 2,602 मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा के साथ बैठक में तैयारियों की समीक्षा भी की।

गुजरात में नकली शराब से मौतों का सिलसिला, 15 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली नकली शराब पीने से मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। शनिवार को इलाज के दौरान तीन और लोगों की मौत हुई। इनमें भावनगर के दो मरीज और सूरत में भर्ती एक सुरक्षा जवान भी शामिल है। इस मामले में जहरीली शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की बात सामने आई है। शराब को एक लोकप्रिय विदेशी शराब ब्रांड की नकली बोतलों में भरकर बेचने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 21 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने मध्य प्रदेश से मुख्य आरोपी रईस को गिरफ्तार किया है। ताजा जानकारी के अनुसार 17 लोग अभी अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। वह आईसीयू में उपचाररत हैं। वहीं 17 मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। पुलिस को आशंका है कि इस जहरीली शराब के निर्माण में इस्तेमाल कच्चा माल मध्य प्रदेश और अहमदाबाद से लाया गया था। जांच में पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास जारी है।

दिल्ली पुलिस के जवानों को लोगों ने लाठी-डंडों से पीटा, मिर्ची पाउडर भी डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई से नाराज कुछ लोगों ने जवानों पर लाठी-डंडों से अटैक कर दिया। आरोपियों ने मिर्च पाउडर भी जवानों पर फेंका। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि आरोपी किस तरह से कानून-व्यवस्था को अपने हाथों में लेते हुए पुलिस के जवानों पर निर्ममता से लाठियां बरसा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक आउटर नॉर्थ जिले के भलस्वा डेयरी इलाके में ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक को दस्तावेज नहीं होने के कारण पुलिस द्वारा जब्त किए जाने से नाराज कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंका और ईंट-पत्थर व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पुलिस ने मौके से एक किशोर को पकड़ है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं।

सीएम का पुतला फूंकने की कोशिश में पुलिस से झड़प, 15 बीजेपी कार्यकर्ता हिरासत में

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह में सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूंकने की कोशिश करते समय बीजेपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। इसके बाद बीजेपी के 15 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। बीजेपी की नगर इकाई के अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने सीएम का पुतला लेकर जुलूस निकाला था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनसे पुतला छीन लिया, जिसके बाद झड़प हुई। गिरिडीह के अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि 15 बीजेपी के लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाद में कई लोगों ने गिरफ्तारी दी। बाद में छोड़ दिया। बाद में कुछ कार्यकर्ताओं ने सीएम की तस्वीर वाला एक अन्य पुतला टावर चौक के पास फूंक दिया। इस बीच हजारीबाग जिले में सैकड़ों छात्रों ने पुलिस के कथित लाठीचार्ज के विरोध में 'मौन जुलूस' निकाला। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिसकर्मियों को गुलाब के फूल दिए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि गुलाब देने का उद्देश्य यह संदेश देना था कि पुलिस लाठीचार्ज करे या पानी की बौछार मारे, फिर भी हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।

एक देश एक चुनाव की कवायद तेज, इसी आम चुनाव में होगा लागू?

एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन घटाकर 2029 करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराने को लेकर कवायद तेज हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक देश, एक चुनाव को लेकर बनाई गई संसद की संयुक्त समिति ने भी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस बारे में सलाह लेनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार एक देश एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन को घटाकर 2029 ही करना चाहती है। यानी अगला लोकसभा चुनाव बिल्कुल अलग अंदाज में हो सकता है। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव भी करवाए जा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो एक साथ ही सभी राज्य की विधानसभाओं को भंग कर दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के चुनाव चक्र को सुव्यवस्थित करना, चुनावी खर्च को कम करना और बार-बार होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

इस समय देश के 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें से 11 राज्यों में अगले दो सालों में विधानसभा का चुनाव होना है। चार ऐसे राज्य हैं जिनमें लोकसभा चुनाव के साथ ही चुनाव हो सकते हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा का नाम शामिल है। 2024 में एक देश एक चुनाव को लेकर जो कमेटी बनाई गई थी उसका टारगेट यही था कि 2034 में साथ में चुनाव कराने को लेकर रणनीति तैयार की जाए। अब सरकार इस प्रयास में है कि इसके लिए ज्यादा इंतजार ना किया जाए और इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए। इसका मतलब यह है कि देश की चुनावी प्रणाली में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे राजनीतिक परिदृश्य भी प्रभावित होगा।

संयुक्त संसदीय समिति पिछले दो साल से अपने काम में लगी है और इस शीत सत्र में संसद में रिपोर्ट जमा कर सकती है। संविधान का अनुच्छेद 174 2, बी राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है। ऐसे में अगर एक साथ चुनाव करवाने होंगे तो जनवरी में ही राज्यों की विधानसभा भंग कर दी जाएगी। जिन राज्यों में एनडीए की सरकार है वहां यह आसान होगा, क्योंकि मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही राज्यपाल विधानसभा भंग कर सकते हैं। यह प्रक्रिया कई राज्यों में संवैधानिक और राजनीतिक चुनौतियां भी पैदा कर सकती है, खासकर उन राज्यों में जहां सरकार का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले संपन्न हो जाता है। यह 41 सदस्यीय समिति एक देश, एक चुनाव व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार-विमर्श कर रही है। समिति 2029 तक, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव पर देश भर में परामर्श कर रही है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कई संवैधानिक संशोधनों और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता होगी। बीजेपी के कुछ मुख्यमंत्रियों ने पहले ही लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव कराने की इच्छा जाहिर की है। गोवा, हरियाणा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों ने इसका समर्थन किया है। इसके साथ ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी 1 जुलाई को कमेटी के साथ बैठक की थी। यह पहल देश में शासन और चुनावी प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस : दिग्गजों ने सराहना कर वैज्ञानिकों को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर देश भर के केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भारत के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। यह दिवस वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जिसने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया था। यह उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और अदम्य संकल्प का परिणाम है, जिसने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, आज हम अंतरिक्ष में भारत की असाधारण यात्रा का सम्मान करते हैं, जिसमें शुरुआती मिशनों से लेकर चंद्रयान और उससे आगे के मिशन शामिल हैं। हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम। उनकी उपलब्धियां हर युवा भारतीय में जिज्ञासा जगाएं और अगली पीढ़ी को नई सीमाओं को खोजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा, भारत के समस्त वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। वर्ष 2023 में आज ही के दिन देश के महान वैज्ञानिकों ने अपनी उत्कृष्ट शोध-क्षमता, असाधारण कौशल और अथक परिश्रम से चंद्रमा पर सफलतापूर्वक चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रचा था। उन्होंने आगे लिखा, आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर हम सभी वैज्ञानिकों और उनकी टीम का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने स्वदेशी के सामर्थ्य से भारत को वैश्विक पटल पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की सभी वैज्ञानिकों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए लिखा, यह दिवस चंद्रमा से लेकर अंतरिक्ष की अनंत संभावनाओं तक भारत की साहसिक उड़ान, वैज्ञानिक सामर्थ्य और नवाचार की अद्भुत यात्रा का उत्सव है। प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में विज्ञान, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करता नया भारत, विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति और वैश्विक पहचान प्रदान कर रहा है।

कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही: बीजेपी

-राहुल गांधी को धर्मग्रंथों को पॉलिटिकल नजरिए से नहीं देखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी।
राहुल गांधी ने पुणे में मनु-स्मृति को लेकर कहा था कि उसमें महिलाओं के अपमान को लेकर श्लोक लिखा है। उन्होंने कहा था कि मनु-स्मृति में महिलाओं को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहने की बात कही गई है। इस मामले पर बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी के अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि कांग्रेस की आधिकारिक पोस्ट इस बात का एक और उदाहरण है कि वह हिंदू-विरोधी नैरेटिव बनाने के लिए हिंदू धर्मग्रंथों को अपनी सुविधा के मुताबिक पेश करती है। हिंदुओं को यह बताने से पहले कि हिंदू धर्म महिलाओं के बारे में क्या कहता है, राहुल गांधी को पहले पूरी मनुस्मृति पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी बहस करना चाहते हैं, तो उन्हें धर्मग्रंथों को ईमानदारी से पढ़ना चाहिए, न कि उन्हें पॉलिटिकल नजरिए से देखना चाहिए। भारत की सभ्यता को अंग्रेजी के चश्मे से संविधान समझने का दावा नहीं किया जा सकता। हिंदू धर्म को राहुल गांधी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। वहीं निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा- बहन प्रियंका गांधी आपसे ज्यादा समझदार हैं, अपनी गद्दी दे दीजिए। सिद्धांत और उपदेश अपने घर से नहीं, दूसरों पर लागू होता है।

दो देशों के रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए साझा हित जरूरी: जयशंकर

बांग्लादेश और पाकिस्तान को लेकर विदेश मंत्री की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के उसके पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों पर खुलकर बात की है। उन्होंने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद दोनों देशों के संबंधों को लेकर कहा कि किसी भी रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए साझा हित जरूरी होते हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान पर तंज कसते हुए जयशंकर ने कहा कि वह दुनिया का ऐसा अनोखा देश है, जो अपने पड़ोसी पर हमला करने के लिए सुनियोजित आतंकवाद का प्रयोग करता है। यह टिप्पणी भारत की विदेश नीति में पारदर्शिता और पड़ोसी देशों के प्रति उसके दृष्टिकोण को दर्शाती है।

एक फोरम में अपनी बात को रखते हुए विदेश मंत्री ने भारत की विदेश नीति पर भी चर्चा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने के बारे में सोच रहा है। इस सवाल का सीधा जवाब न देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, मैं इतना कह सकता हूं कि किसी भी रिश्ते को आगे बढ़ने के लिए उसे पारस्परिक हित की कसौटी पर खरा उतरना होगा। यह हमारे लिए भी हितकारी होना चाहिए। इस बयान से स्पष्ट होता है कि भारत अपने कूटनीतिक संबंधों में यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाता है और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक दोनों पक्ष अगले कुछ सप्ताह में इस यात्रा की संभावना तलाशने के लिए पर्दे के पीछे बातचीत जारी रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि भारत ने रहमान को द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ नई दिल्ली में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संपर्क सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। पाकिस्तान को लेकर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया का सबसे अनोखा देश है। जयशंकर ने कहा, वह इसलिए अनोखा है क्योंकि आज के दौर में ऐसा कोई दूसरा देश नहीं है, जो किसी अन्य पड़ोसी देश पर हमला करने और दबाव बनाने के लिए लगातार और इतने सुनियोजित तरीके से आतंकवाद का इस्तेमाल करता हो। पाकिस्तान द्वारा हाल ही में तुर्किए और सऊदी अरब के साथ किए गए मक्का समझौते पर भी अपनी राय का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में अभी युद्ध के हालात हैं। ऐसे में इस समझौते का कहां है। वहीं, पाकिस्तान और अमेरिका के संबंधों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, अब काफी हद तक हमने अमेरिका के साथ अपने संबंध खुद विकसित किए हैं, लेकिन यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि पाकिस्तान सिर्फ इसलिए अनोखा नहीं है कि वह भारत का पड़ोसी है। हमारे अन्य पड़ोसी भी हैं। ऐसे दूसरे देश भी हैं, जिनके बीच मतभेद हैं।

वंदे मातरम् पर कांग्रेस केवल दो छंदों पर कायम: शशि थरूर

मायावती ने समाजवादी पार्टी पर लगाए कई आरोप, कहा-माफी मांगे अखिलेश

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश में वंदे मातरम् को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी 1937 के अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के तहत अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो छंदों का ही प्रयोग करती रही है। थरूर ने स्पष्ट किया कि इसे लेकर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यदि किसी राष्ट्रीय या सरकारी कार्यक्रम में पूरा वंदे मातरम् बजाया जाता है, तो सभी सम्मानपूर्वक खड़े होकर उसका सम्मान करेंगे।

थरूर ने एक बातचीत में देश में जारी इस विवाद पर कांग्रेस की स्थिति को बिल्कुल साफ बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है। कांग्रेस पार्टी अपने कार्यक्रमों में परंपरा का ही पालन कर रही है। मेरा मानना है कि अगर कोई राष्ट्रीय या सरकारी कार्यक्रम होता है, तो हम सभी इस दौरान खड़े रहेंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पार्टी वंदे मातरम् को लेकर अपने 1937 वाले फैसले पर ही कायम है। उनके अनुसार, कांग्रेस 1937 से लेकर अब तक अपने कार्यक्रमों में राष्ट्रगान का सिर्फ एक पद और वंदे मातरम् के दो पद ही बजाती रही है, और उनका रुख यही बना हुआ है।

भाजपा लगातार वंदे मातरम् को पूरा न गाए जाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधती आ रही है। इस विवाद ने तब और जोर पकड़ लिया, जब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यालय में वंदे मातरम् बजाए जाने के दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। भाजपा ने इस वीडियो को लेकर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और पार्टी की नई कार्यकारिणी ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए एक अभियान का भी ऐलान किया है।भाजपा ने वंदे मातरम् के महत्व को आगे बढ़ाने के लिए एक 10-सूत्रीय अभियान की घोषणा की है। पार्टी ने संकल्प लिया है कि वह देश की जनता के सामने जाकर वंदे मातरम् के महत्व को उजागर करेगी। वह यह बताएगी कि कैसे महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् को साम्राज्यवाद-विरोधी नारा और राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत बताया था। इसके साथ ही, भाजपा कांग्रेस की उस मानसिकता का भी जिक्र करेगी, जो कथित तौर पर केवल सांप्रदायिक दबाव और राजनीतिक तुष्टीकरण के लिए इसे गाने से इनकार करती है।

स्कूल निरीक्षण विवाद पर आशुतोष समेत 60 पर एफआईआर

-सीजेपी नेता रेखा ने भी की मारपीट तोड़फोड़ की शिकायत, दोनों पक्षों पर क्रॉस केस

जयपुर, एजेंसी।
जयपुर ग्रामीण के रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण को लेकर हुआ विवाद अब कानूनी मोड़ ले चुका है। स्कूल निरीक्षण में गांव वालों और कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के मामले में दोनों पक्षों की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज हुई है। एक मामले में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका समेत 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमले, गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप में एससी-एसटी एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं सीजेपी नेता रेखा शर्मा की शिकायत पर गांव के लोगों के खिलाफ मारपीट, पथराव और वाहनों के शीशे तोड़ने समेत कई आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण के लिए 21 अगस्त को सीजेपी की टीम पहुंची थी। इसी दौरान गांव वालों के साथ विवाद और मारपीट का आरोप सामने आया। मामले में गांव के दलित युवक भगवान सहाय धानका की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर जयपुर के शिवदासपुरा थाने में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया कि आशुतोष रांका और सीजेपी लोग गांव में आए और वहां हंगामा किया। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं और पुरुषों के साथ गाली-गलौज की गई और उनके साथ मारपीट की गई। शिकायत में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया गया है। दूसरी तरफ सीजेपी नेता रेखा शर्मा की तहरीर पर भी रामपुरा कंवरपुरा गांव के लोगों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। रेखा की शिकायत में कहा गया है कि सीजेपी की टीम स्कूल ठीक करो मुहिम के तहत रामपुरा कंवरपुरा गांव में भैंसों के तबेले में चलने वाले सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने जा रही थी। टीम के स्कूल तक पहुंचने से पहले ही कुछ अराजक तत्वों ने उन्हें घेर लिया। उनके साथ जमकर मारपीट की गई। इस दौरान पथराव करने और गाड़ियों के शीशे तोड़े गए हैं।इस पूरे मामले में दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज होने के बाद अब कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सीजेपी की तरफ से आरोप लगाया जा रहा है कि पूरे घटनाक्रम के वीडियो फुटेज मौजूद हैं और उनसे साफ है कि हमला गांव के लोगों ने किया था। उनके कार्यकर्ताओं की मारपीट की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। पार्टी का आरोप है कि उसके खिलाफ दर्ज की गई क्रॉस एफआईआर सिर्फ मामले को कमजोर करने के लिए दर्ज कराई गई है। अब पूरे मामले में पुलिस की जांच अहम होगी। दोनों पक्षों के आरोपों, मौके के वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि रामपुरा कंवरपुरा गांव में स्कूल निरीक्षण के दौरान घटनाक्रम किस तरह हुआ और दोनों पक्षों की शिकायतों में लगाए गए आरोप कितने सही हैं।

भारत में हाफिज सईद के खिलाफ चलेगा मुकदमा, उधर पाक ने कर दिया कैद

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता और वैश्विक आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद की सुरक्षा पाकिस्तान में बेहद कड़ी कर दी गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत में उसके खिलाफ मुकदमा शुरू हो रहा है, जिसमें उसकी गैरमौजूदगी में सुनवाई चलेगी। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के खुफिया आकलन बताते हैं कि सईद पर खतरे की आशंका काफी बढ़ गई है, जिसके बाद पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) ने उसकी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में सईद को निशाना बनाने की कई कोशिशें हुई हैं, जिनमें उसके कई करीबी सहयोगी भी मारे जा चुके हैं। इसी आशंका के चलते पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को लगता है कि अब सईद खुद एक बड़ा निशाना बन सकता है।

पाकिस्तान के एक खुफिया अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि हालिया सुरक्षा समीक्षा के बाद सईद के आसपास तैनात सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। लश्कर-ए-तैयबा के जिन सदस्यों को उससे मिलने की इजाजत है, उन्हें भी कड़ी सुरक्षा जांच और स्क्रीनिंग से गुजरना पड़ता है। हाल के महीनों में सईद को लेकर खतरे की धारणा काफी बढ़ी है, जिसके चलते उसकी आवाजाही पर भी सख्त पाबंदी लगा दी गई है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और सईद को निशाना बनाने की कथित कोशिशों के बाद आईएसआई ने उसे बाहर निकलने से पूरी तरह रोक दिया है।इस पाबंदी का असर लश्कर-ए-तैयबा के संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी पड़ा है। पहले हाफिज सईद आतंकी संगठन के प्रशिक्षण और कट्टरता फैलाने वाले शिविरों में जाकर कैडर को संबोधित करता था, लेकिन अब कथित तौर पर उसे इन जगहों पर जाने की अनुमति नहीं है। उसकी वास्तविक लोकेशन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान का आधिकारिक रुख है कि सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है। हालांकि, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के आकलन के अनुसार, वह वास्तव में लाहौर के मोहल्ला जौहर इलाके में एक किलेबंद सेफ हाउस में रखा गया है। खतरे का स्तर बढ़ने पर उसे कथित तौर पर लाहौर के मियां मीर कैंटोनमेंट इलाके में स्थित एक और बेहद सुरक्षित ठिकाने पर ले जाया जाता है। यदि यह आकलन सही है, तो सईद की वास्तविक स्थिति को लेकर पाकिस्तान के आधिकारिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगते हैं। यह उसकी गिरफ्तारी और जेल में होने के पाकिस्तानी दावों को खोखला साबित करता है। सईद की सुरक्षा ऐसे समय में बढ़ाई गई है जब रिपोर्टों के मुताबिक लश्कर-ए-तैयबा अपने नेटवर्क को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लश्कर के प्रमुख ठिकानों में शामिल मुरीदके का प्रशिक्षण केंद्र भी निशाना बना था, जिससे संगठन को बड़ा झटका लगा था। इसके बाद पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में संगठन की बैठकों और प्रशिक्षण शिविरों की गतिविधियां फिर से शुरू होने की बात सामने आई है।

सोने में रिकॉर्ड तोड़ उछाल, एक सप्ताह में 7,960 रुपए तक महंगा हुआ सोना

- दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1.63 लाख प्रति 10 ग्राम के पार, मुंबई में भी कीमतें 1.63 लाख से अधिक

नई दिल्ली ।

पिछले एक सप्ताह में देश भर में सोने की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम में भारी उछाल आया है, जबकि अन्य कैरेट के सोने में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। यह तेजी वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने की मांग में वृद्धि का परिणाम है। देश के कई शहरों में पिछले एक सप्ताह के दौरान सोने की कीमतों में जोरदार तेजी देखी गई है। 24 कैरेट वाले सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम 7,960 रुपये तक का इजाफा हुआ है। इसी अवधि में, 22 कैरेट गोल्ड 7,300 रुपये और 18 कैरेट सोने की कीमत में 5,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। र विवार को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट वाले सोने की कीमत 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हो चुकी है। मुंबई में भी इसकी कीमत 1,63,090 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,600.91 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर कीमतों में मजबूती का संकेत देता है। आंकड़ों के अनुसार 16 अगस्त को जहां 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 23 अगस्त को यह 1,63,240 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,350 रुपये से बढ़कर 1,49,650 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,16,500 रुपये से बढ़कर 1,22,470 रुपये हो गया है। यह उछाल निवेशकों के लिए सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में दर्शाता है।

शीर्ष 10 में से 4 कंपनियों का मार्केट कैप 87,960 करोड़ घटा

भारती एयरटेल को सर्वाधिक 28,052 करोड़ का नुकसान; एलआईसी और रिलायंस में बढ़त

मुंबई ।

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह जारी नरमी के बीच शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 87,960.29 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई, जिसमें दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 468.42 अंक यानी 0.60 प्रतिशत नीचे आया, वहीं एनएसई निफ्टी में भी 114 अंक की गिरावट रही। इस बाजार गिरावट का सबसे बड़ा शिकार भारती एयरटेल रही, जिसका बाजार पूंजीकरण 28,052.96 करोड़ रुपये घट गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 22,070.34 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप में 20,861.20 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में 16,975.79 करोड़ रुपये की कमी आई। हालांकि इस नकारात्मक रुख के उलट छह कंपनियों ने अपने बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 12,650 करोड़ रुपये बढ़कर 5,35,980.31 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 8,119.53 करोड़ रुपये की बढ़त हासिल कर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में 3,487.83 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस में 3,424.28 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक में 752.47 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक में 356.95 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

कच्चे तेल में उछाल, भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर

ब्रेंट क्र ड 94.39 प्रति बैरल, पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ब्रेंट क्रूड र विवार को 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 94.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। राजधानी दिल्ली में र विवार को पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 102.97 रुपये और डीजल 95.64 रुपये प्रति लीटर पर है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता भी वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी

मुंबई।

पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट झेलने के बाद भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में वैश्विक कारकों से प्रभावित रहेगा। निवेशकों की नजर खास तौर पर पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी।

ईरान और अमेरिका के बीच 60 दिन की अस्थायी युद्ध विराम अवधि समाप्त होने और कोई नया समझौता न होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल सकता है।

बाजार की चाल मुख्यतः वैश्विक संकेतों, पश्चिम एशिया के तनाव, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी। ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी।

ब्रेंट क्रूड की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार पर दबाव बना रही हैं। अमेरिकी बाजारों का मिला-जुला रुख और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रखेंगे।

चुनिंदा मिडकैप, स्मॉलकैप,

डिफेंस या बैंकिंग शेयरों में खरीदारी का रुझान दिख सकता है। निफ्टी और सेंसेक्स के एक निश्चित दायरे में रहने की उम्मीद है, इसलिए आक्रामक लॉन्ग पोजीशन लेते समय स्टॉप-लॉस का कड़ाई से पालन करें। ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली की संभावना है, अतः केवल गुणवत्ता वाले शेयरों में ही निवेश करें।

अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां निवेशकों को बांटेंगी मुनाफा

एक शेयर पर 60 रुपए तक कमाने का मौका

नई दिल्ली।

आने वाला सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के लिए लाभांश (डिविडेंड) से कमाई का एक खास अवसर लेकर आ रहा है। 24 से 28 अगस्त के बीच कई प्रमुख कंपनियां अपने शेयरों को एक्स-डिविडेंड करेंगी, जिससे निवेशकों को इन लाभांश का लाभ उठाने के लिए सही रणनीति अपनानी होगी। यह अवधि उन निवेशकों के लिए अहम है जो लाभांश से होने वाली आय में दिलचस्पी रखते हैं। इस विशेष सूची में जिलेट इंडिया, दीपक फर्टिलाइजर्स, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी), प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया, एनबीसीसी, पॉली मेडिक्योर और वर्धमान टेक्सटाइल्स जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों के लिए 0.05 से लेकर 60 रुपए प्रति शेयर तक के लाभांश की घोषणा की है। लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड डेट और रिकॉर्ड डेट्स को समझना अत्यंत आवश्यक है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, इन निर्धारित तारीखों के बाद खरीदे गए शेयरों पर आमतौर पर मौजूदा लाभांश का अधिकार नहीं मिलता। निवेशकों को केवल उच्च लाभांश राशि को देखकर ही निवेश नहीं करना चाहिए।

एसबीआई का कारोबार 2030 तक 200 लाख करोड़ पहुंचने का अनुमान

बैंक चेयरमैन ने मौजूदा वृद्धि दर और अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से जोड़ा अनुमान

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का कुल कारोबार वर्ष 2030 तक 200 लाख करोड़ रुपए के विशाल आंकड़े को छू सकता है। बैंक के चेयरमैन सीएस. शेट्टी ने यह अनुमान मौजूदा वृद्धि दर और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत गति के आधार पर व्यक्त किया है, जो बैंक के 75वें स्थापना दिवस के करीब एक बड़ी उपलब्धि होगी। चेयरमैन शेट्टी ने एक साक्षात्कार में बताया कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था 7-8 प्रतिशत की दर से बढ़ती है, तो एसबीआई के बही-खाते में सालाना 11-12 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जिससे बैंक का कारोबार लगभग हर छह साल में दोगुना हो जाएगा। जून 2023 के अंत में एसबीआई का कुल कारोबार 110.01 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने स्पष्ट किया कि 200 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा कोई औपचारिक लक्ष्य नहीं, बल्कि मौजूदा रुझानों पर आधारित एक संभावित स्तर है। एसबीआई ने अपने 'दृष्टिकोण 2030' के तहत ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों तथा सरकार और नियामकों को प्राथमिकता दी है। बैंक कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को समर्थन देने के साथ-साथ बचत जुटाने में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। पूंजी के मोर्चे पर, बैंक साझा इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) अनुपात लगभग 12 प्रतिशत और पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) लगभग 15 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य रखता है।

त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव सस्ते आयातित मजबूत, महंगे देसी नरम

- घरेलू तेल 20-24 रुपए प्रति किलो महंगे होने से मांग प्रभावित, आयातित तेलों की धूम

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। देशी तेलों के मुकाबले 20-24 रुपए प्रति किलो सस्ता होने के कारण सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे आयातित खाद्य तेलों के दाम मजबूत हुए। वहीं ऊंचे दाम के चलते घरेलू सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तिलहन में गिरावट दर्ज की गई।

बाजार सूत्रों के अनुसार देशी तेलों की तुलना में सस्ता होने से आगामी त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आयातित सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन के दाम मजबूत रहे। विदेश में मजबूती के बावजूद आयातक इन्हें लागत से नीचे बेच रहे हैं, जिससे इनकी औद्योगिक मांग बढ़ी है। दूसरी ओर ऊंचे दाम के चलते लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मामूली रूप से गिरे। सोयाबीन संयंत्रों द्वारा खरीद मूल्य घटाए जाने से सोयाबीन तिलहन में भी गिरावट आई। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम ऊंचे भाव पर कमजोर मांग के बीच स्थिर बने रहे। बिनौला तेल की उपलब्धता कम होने और ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से इसके दाम में सुधार देखा गया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 50 रुपये की गिरावट के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमश- 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 6,775-6,825 रुपये और 6,625-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 250 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पामोलीन दिल्ली 275 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने और उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 17,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

महिंद्रा लाइफस्टाइलर पिकअप से वैश्विक बाजार में बढ़ाएगी मौजूदगी

कंपनी कई देशों में उतारेगी नया मॉडल, भारत में 2027 में होगा लॉन्च

नई दिल्ली

घरेलू वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने नए पिकअप वाहन स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर के साथ वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया और लातिनी अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में इस मॉडल को उतारना है। महिंद्रा के एक कार्यकारी अ धिकारी ने बताया कि यह वाहन भारत में अप्रैल 2027 में स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर नाम से पेश किया जाएगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसे महिंद्रा लाइफस्टाइलर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इस पिकअप को विशेष रूप से वैश्विक जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है और यह कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशियाई

(आसियान) बाजारों में भी इसकी संभावनाओं का जिक्र किया, जहां कंपनी नए उत्पादों के साथ अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है। कंपनी फिलहाल इंडोनेशिया को छोड़कर आसियान क्षेत्र के अन्य बाजारों में मौजूद नहीं है।

टाटा स्टारबक्स अपने स्टोर की संख्या बढ़ाने की तैयारी में

मुंबई ।

भारत में कॉफी चेन स्टारबक्स एक बार फिर आक्रामक विस्तार रणनीति अपनाने जा रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के एक अ धिकारी ने बताया कि पिछले डेढ़-दो साल में कारोबारी मॉडल को नए सिरे से तैयार करने के बाद कंपनी को कारोबार में स्पष्ट सुधार के संकेत मिले हैं, जिसके चलते अब स्टोर खोलने की रफ्तार बढ़ाई जाएगी। टाटा स्टारबक्स ने लगातार चार तिमाहियों में समान स्टोर बिक्री में वृद्धि दर्ज की है और अब बिक्री में तेजी भी दिख रही है। वर्तमान में भारत में करीब 500 स्टारबक्स कैफे संचालित करने वाली टाटा स्टारबक्स की योजना अब मौजूदा लगभग 80 शहरों में ही स्टोर की संख्या (घनत्व) बढ़ाने पर है, न कि केवल नए शहरों में पहुंचने पर। डिसूजा ने बताया कि कंपनी ने पिछले दो वर्षों में स्टोर के आकार, प्रति स्टोर पूंजीगत खर्च और पेय पदार्थों की कीमतों सहित अपने पूरे कारोबारी मॉडल की समीक्षा की है, ताकि इसे अधिक टिकाऊ बनाया जा सके। जून तिमाही में टाटा स्टारबक्स का राजस्व 11 प्रतिशत बढ़ा और इस दौरान चार नए स्टोर भी खोले गए, जिनमें दो रिजर्व स्टोर शामिल हैं। टीसीपीएल के अ धिकारी ने जून में कहा था कि टाटा स्टारबक्स की दीर्घावधि महत्वाकांक्षा चीन के स्तर (लगभग 8,000 स्टोर) तक पहुंचने की है।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक शेयर बाजार में डाले 23,544 करोड़

इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक शेयरों में 2,30,000 करोड़ से अधिक की बिकवाली कर चुके

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजार में अपनी लिवाली तेज कर दी है, इस महीने अब तक 23,544 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश किया है।

जुलाई में किए गए 20,200 करोड़ रुपये के निवेश के बाद यह लगातार दूसरे महीने की लिवाली है, जो चार महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों, रुपये की स्थिरता और बाजार की मजबूत संभावनाओं ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून से मार्च तक लगातार चार महीनों में भारी पूंजी निकाली थी। हालांकि, हाल की इस खरीदारी के बावजूद, इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में 2,30,000 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं, जो पिछले वर्ष की कुल निकासी से भी अधिक है। बाजार के जानकारों ने बताया कि पहली तिमाही के बेहतर कॉर्पोरेट नतीजे, रुपये की स्थिरता और व्यापक

बाजार की मजबूत वृद्धि संभावनाएं एफपीआई की वापसी के मुख्य कारण हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी निवेशक बड़े बैंकिंग और आईटी शेयरों के बजाय, अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन के बावजूद चुनिंदा मझोली कंपनियों के शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। आगे चलकर बाजार की दिशा कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों से प्रभावित होगी, जिस पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

टैरिफ वॉरः अमेरिका पर कनाडा का पलटवार, पीएम कार्नी बोले हम पर हमला हुआ

ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश नामंजूरः एक साल से ज्यादा चली बातचीत टूटी

नई दिल्ली ।

अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहा व्यापार विवाद अब खुलकर टैरिफ वॉर में बदल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 8 सितंबर से कनाडा अमेरिकी सामान पर 'डॉलर के बदले डॉलर' के हिसाब से टैरिफ लगाएगा। कार्नी ने टेलीविजन पर कहा कि जब किसी देश पर हमला होता है तो वह युद्ध की स्थिति में होता है और कनाडा पर भी एक तरह से हमला हुआ है। कनाडा के नए जवाबी शुल्क डेयरी उत्पाद, स्टील, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और पल्प एवं पेपर सहित कई अमेरिकी सामानों पर लागू होंगे। दूसरी तरफ, अमेरिका ने शनिवार की शुरुआत में कनाडा के सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसमें हॉकी स्टिक सहित औद्योगिक सामान शामिल थे। कार्नी ने बताया कि कनाडा अमेरिकी एल्युमिनियम, स्टील और मोटर वाहनों पर मौजूदा जवाबी टैरिफ हटाने को तैयार था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश स्वीकार्य नहीं थी, क्योंकि अमेरिका ने बहुत ज्यादा मांग की और बदले में बहुत कम देने की पेशकश की। कार्नी ने स्पष्ट किया कि कनाडा अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा। एक साल से ज्यादा समय से चली आ रही बातचीत बेनतीजा रही, जिसके बाद कार्नी ने बातचीत रोकने का फैसला किया।

कार्नी ने आरोप लगाया कि बातचीत के आखिरी दौर में अमेरिका ने अपनी शर्तों में बदलाव कर दिया, जिससे कनाडा में बने वाहनों को मिलने वाली टैरिफ रियायतें कम हो जातीं और उसकी संप्रभुता पर भी असर पड़ता। उनके मुताबिक, दोनों देशों के बीच पुराने जैसे रिश्ते अब नहीं रहेंगे।

यूपीआई ग्राहकों की जेब सुरक्षित! एमडीआर का बोझ रोकने की तैयारी

आरबीआई के पुराने नियम का सहारा, डेबिट कार्ड मॉडल पर बनेगी नई नीति, छोटे दुकानदारों के लिए यूपीआई रहेगा मुफ्त

नई दिल्ली

देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपलसीआई) एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिससे यूपीआई पर लागू होने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का बोझ ग्राहकों की जेब पर न पड़े। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उस पुराने नियम को आधार बनाया जा सकता है, जो डेबिट कार्ड से भुगतान पर दुकानदारों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क लेने से रोकता है। चूंकि यूपीआई पिछले छह सालों से मुफ्त है, इसलिए इस तरह के नियम की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। लेकिन अब जब बड़े व्यापारियों पर शुल्क लगाने की चर्चाएं हो रही हैं, तो इस बात का डर है कि व्यापारी इसे ग्राहकों से वसूलना शुरू न कर दें। इसी आशंका को दूर करने के लिए एनपीसीआई अपने यूपीआई सर्कुलर में भी डेबिट कार्ड वाले नियम की तरह एक क्लॉज जोड़ने पर विचार कर रहा है। दिसंबर 2017 में आरबीआई ने डेबिट कार्ड के लेनदेन पर बैंकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि दुकानदार यह शुल्क ग्राहकों से न वसूलें। यूपीआई पर इस नियम को लागू कराने की अंतिम जिम्मेदारी आरबीआई की ही होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि यदि यूपीआई पर एमडीआर लागू होता भी है, तो वह सिर्फ व्यापारियों के लिए होगा, आम ग्राहकों के लिए नहीं। इसके अलावा, छोटे दुकानदारों को इस दायरे से बाहर रखा जाएगा और उनके लिए यूपीआई सेवाएं मुफ्त ही रहेंगी।

गैजेट नोटिफिकेशन आने के बाद एनपीसीआई और यूपीआई स्टीयरिंग कमेटी मिलकर एमडीआर का ढांचा तय करेंगी। हालांकि, कागजों पर नियम बनाना आसान है, लेकिन इसे जमीन पर उतारना चुनौती भरा होगा। फिनटेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि बैंकों के लिए इसे लागू कराना मुश्किल होगा। यदि कोई दुकानदार ग्राहक से जबरन शुल्क वसूलता है, तो बैंक तभी कार्रवाई करेंगे जब ग्राहक शिकायत दर्ज कराएगा।

भारत का दक्षिण अमेरिका पर फोकस, व्यापार विस्तार को वाणिज्य सचिव की हरी झंडी

चिली से वृहद समझौता, अर्जेंटीना व ब्राजील संग मर्कोसुर पीटीए विस्तार एजेंडे में

नई दिल्ली ।

भारत अपनी व्यापार विविधीकरण रणनीति के तहत दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ आर्थिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल 24 से 28 अगस्त तक चिली, अर्जेंटीना और ब्राजील की यात्रा करेंगे, जहां वे प्रमुख व्यापार समझौतों की समीक्षा और विस्तार पर चर्चा करेंगे। यह दौरा इन तेजी से बढ़ते बाजारों में भारत की पहुंच बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल है। यात्रा के दौरान अग्रवाल चिली के साथ प्रस्तावित वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की प्रगति का मूल्यांकन करेंगे, जो अंतिम चरण में है। बाजार पहुंच और महत्वपूर्ण खनिज जैसे मुद्दे लंबित हैं। यह समझौता 2006 के तरजीही व्यापार समझौते का स्थान लेगा और डिजिटल सेवाओं व निवेश को भी शामिल करेगा। 2025-26 में भारत-चिली व्यापार 66.45 प्रतिशत बढ़कर 6.25 अरब डॉलर (रुपए) हो गया, जो सबसे तेज वृद्धि है। अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ बैठकों में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के दायरे को व्यापक बनाने पर विचार किया जाएगा, जिसमें वर्तमान में केवल लगभग 450 शुल्क लाइनें शामिल हैं।

ब्राजील के साथ विश्व व्यापार संगठन में चल रहे चीनी विवाद पर भी चर्चा की उम्मीद है। ये देश चीन पर निर्भरता कम करने के विकल्प तलाश रहे हैं, जिससे भारत के लिए नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। 2025-26 में अर्जेंटीना के साथ भारत का व्यापार 5.96 अरब डॉलर (रुपए) और ब्राजील के साथ 15 अरब डॉलर (रुपए) रहा। यह पहल नए बाजारों की तलाश और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की भारत की व्यापक रणनीति का अहम हिस्सा है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग महत्व व इतिहास

भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से 10वां ज्योतिर्लिंग नागेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यह ज्योतिर्लिंग भारत के गुजरात राज्य में है, और गुजरात राज्य के द्वारिकापुरी से 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भारत के द्वारिकापुरी में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के परिसर में भगवान शिव की एक बड़ी ही मनमोहक ध्यान मुद्रा में विशाल प्रतिमा बनाई गई है जिसकी वजह से मंदिर 3 किलोमीटर की दूरी से ही दिखाई देने लगता है। भगवान शिव जी की यह मूर्ति 80 फीट ऊंची तथा इसकी चौड़ाई 25 फीट है। तथा इसका मुख्य द्वार अत्यंत साधारण और सुंदर है।

ऐसा माना जाता है की नागेश्वर अर्थात की नागों का ईश्वर नागों का देवता वासुकी जी भगवान शिव जी के गले में कुंडली मार कर बैठे रहते है । इस मन्दिर मैं स्थापित ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने वालों के लिए भगवान शिव जी की बहुत महिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर में विष से संबंधित सभी रोग से मुक्ति प्राप्त हो जाती है। भगवान शिवजी के 12 ज्योतिर्लिंगों में स्थापित श्री विश्वनाथ का यह दसवां ज्योतिर्लिंग माना गया है।

भगवान शिव जी के इन मंदिरों को ज्योतिर्लिंग कहा जाता है, क्योंकि इन स्थानों पर भगवान शिव जी अपने भक्तों की श्रद्धा पूर्वक पूजन से प्रसन् होकर स्वयं उत्पन्न हुए थे। धार्मिक ग्रंथों के लेखों में कहा गया है कि इस पवित्र ज्योतिर्लिंग के श्रद्धा पूर्वक दर्शन करने से पापों से मुक्ति प्राप्त होती है। हिंदुओं का यह प्राचीन एवं प्रमुख मंदिर केवल भगवान शिव जी को समर्पित है। जिसमें शिवजी की श्रद्धा पूर्वक पूजा आराधना नागेश्वर के रूप में की जाती है। इस ज्योतिर्लिंग को रूद्र संहिता में दारकावने नागेश के नाम से भी जाना जाता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की धार्मिक मान्यताएं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को नागों के देवता के रूप में जाना जाता है। नागेश्वर का संपूर्ण अर्थ नागों का ईश्वर है। पौराणिक कथाओं में इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन की कथा एक बड़ी विशाल महिमा बताई गई है। इस ज्योतिर्लिंग की भी विभिन्न रोचक कहानियां है जिसे सभी श्रद्धा पूर्वक सुनते हैं। कहा जाता है कि महात्माओं की कथा को श्रद्धापूर्वक सुनने से जीवन में किए गए सभी पापों से मुक्ति मिलती है। यह मंदिर सुबह 5.00 बजे आरती के साथ खुलता है, किंतु भक्तों के लिए यह मंदिर 6.00 बजे खुलता है। मंदिर के पुजारियों द्वारा कई विधियों द्वारा शिवजी की श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा अभिषेक किए जाते हैं। भगवान शिव जी के द्वार पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शाम 4.00 बजे श्रृंगार दर्शन होते हैं, तत्पश्चात गर्भ गृह में प्रवेश करने पर प्रतिबंध होता है। यहां पर पुजारियों द्वारा भगवान शिव जी की शाम की आरती सांय 7.00 बजे की जाती है तथा भक्तों के दर्शन का समय रात्रि 9.00 बजे समाप्त हो जाता है। भगवान शिव जी के त्यौहार और विषेश शुभ अवसर पर यह मंदिर अधिक समय तक खुला रहता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निर्माण कार्य

भगवान शिव जी के इस दसवीं ज्योतिर्लिंग का निर्माण कार्य अत्यंत अद्भुत तथा सौंदर्यकरण विधि से करवाया गया है। नागेश्वर मंदिर के मुख्य गर्भ गृह के निचले स्तर पर भगवान शिव जी के इस ज्योतिर्लिंग को स्थापित किया गया है। इस ज्योतिर्लिंग के ऊपर भगवान शिव जी का एक चांदी का बड़ा नाग स्थापित किया गया है। इतना ही नहीं इस अद्भुत ज्योतिर्लिंग के पीछे ही माता पार्वती की प्रतिमा की स्थापना भी की गई है। इस ज्योतिर्लिंग का मंदिर अत्यंत अद्भुत सौंदर्य पूर्वक तरीके से बनाया गया है। कहा जाता है, कि जिन श्रद्धालुओं को ज्योतिर्लिंग का अभिषेक करना है वहां के पुजारियों से अनुरोध करके सफेद धोती पहनकर अभिषेक करवाते हैं।

देश में कहां-कहां हैं शिव की विशाल प्रतिमाएं

श्रावण के महीने अगर आप घर बैठे ही भगवान शिव जी के दर्शन करना चाहते हैं तो यहां अवश्य पढ़ें भारतभर में स्थापित भोलेनाथ के 11 विशालकाय प्रतिमाओं के बारे में खास जानकारी।

शिव प्रतिमा (श्री नाथ द्वारा)
ऊंचाई- 351 फुट

राजस्थान में उदयपुर से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर 351 फुट ऊंची बन रही यह प्रतिमा श्री नाथ द्वारा के गणेश टेकरी में स्थित है। इस शिव प्रतिमा के दर्शन आप 20 किमी की दूरी से ही कर सकते हैं।

शिव मूर्ति, मुरुदेश्वरा (कर्नाटक, भारत)
ऊंचाई लगभग 123 फुट

विश्व की दूसरे नंबर की शिव मूर्ति अरब सागर के तट पर स्थित है। इस संपूर्ण क्षेत्र को मुरुदेश्वरा कहते हैं। बैठक मुद्रा में मुरुदेश्वर मंदिर के बाहर स्थापित शिव की इस मूर्ति की ऊंचाई 37 मीटर अर्थात लगभग 123 फुट है। मुरुदेश्वर दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तहसील में अरब सागर के तट पर स्थित एक कस्बा है। कंदुका पहाड़ी पर तीन ओर से पानी से घिरा यह मुरुदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है जिसका संबंध रामायण काल से है। मान्यता के अनुसार अमरता पाने हेतु रावण जब शिवजी को प्रसन्न करके उनका आत्मलिंग अपने साथ लंका ले जा रहा था तब रास्ते में इस स्थान पर आत्मलिंग को धरती पर रख दिए जाने के कारण स्थापित हो गया था।

हर की पौड़ी, हरिद्वार (उत्तराखंड, भारत)
ऊंचाई लगभग 100 फुट

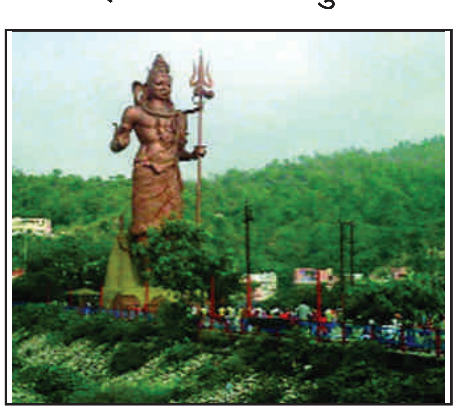

यह मूर्ति हरिद्वार स्थित गंगा नदी के तट पर हर की पौड़ी के पास स्थापित की गई है। यह मूर्ति खड़ी मुद्रा में है जबकि हरिद्वार के पास ऋषिकेश की मूर्ति बैठक मुद्रा में है। बताया जाता है कि बाढ़ के कारण ऋषिकेश की मूर्ति पानी में बह गई। हर की पौड़ी भारत के सबसे पवित्र घाटों में एक है। कहा जाता है कि यह घाट विक्रमादित्य ने अपने भाई भतृहरि की याद में बनवाया था। यहीं पर हर शाम हजारों दीपकों के साथ गंगा की आरती की जाती है। हर की पौड़ी के पीछे के बलवा पर्वत की चोटी पर मनसादेवी का मंदिर बना है। मंदिर तक जाने के लिए पैदल रास्ता है। मंदिर जाने के लिए रोप-वे भी है।

शिवगिरि महादेव, बीजापुर शिवपुर (कर्नाटक)
ऊंचाई लगभग 85 फुट

शिवगिरि महादेव की यह विशालकाय मूर्ति लगभग 85 फुट ऊंची है, जो बीजापुर जिले के शिवपुर स्थान पर सन् 2006 में स्थापित की गई थी। शिव की यह बैठी हुई प्रतिमा 2011 में स्थापित की गई है।

कैलाशनाथ महादेव, सांगा, जिला भक्तापुर (नेपाल)
ऊंचाई लगभग 143 फुट

विश्व में शिव की सबसे ऊंची मूर्ति नेपाल के चित्तपोल सांगा जिला भक्तापुर में स्थित है। खड़ी मुद्रा में इस मूर्ति का निर्माण कार्य 2004 में शुरू हुआ था और 2010 में यह मूर्ति बनकर तैयार हुई और 21 जून 2011 को इस मूर्ति का अनावरण किया गया। इस मूर्ति को धनराज जैन परिवार ने लगभग 11 करोड़ की लागत से बनवाया था। श्री मनुराम वर्मा और नरेश कुमार वर्मा मूर्तिकार थे। इस मंदिर की विशालता को देखना बहुत अद्भुत है।

नागेश्वर महादेव दारुकावन (गुजरात)
ऊंचाई 82 फुट

12 ज्योतिर्लिंगों में से गुजरात में 2 ज्योतिर्लिंग हैं- एक सोमनाथ महादेव और दूसरे नागेश्वर महादेव। यह मंदिर पहले बहुत छोटा था लेकिन बाद में इस मंदिर को भव्य रूप दिया टी सीरिज के निर्माता गुलशन कुमार ने। मंदिर प्रांगण के बाहर भगवान शिव की विशालकाय मूर्ति भूतल से 82 फुट ऊंची और चौड़ाई में 25 फुट चौड़ी है। इतनी ही ऊंचाई लिए एक मूर्ति मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर में भी स्थापित है। ओंकारेश्वर में 12 ज्योतिर्लिंगों में से 1 लिंग है, यहीं पर ममलेश्वर महादेव का मंदिर भी है।

कचनार महादेव, जबलपुर (मध्यप्रदेश)
ऊंचाई 76 फुट

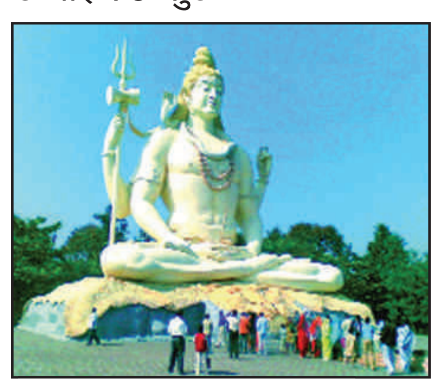

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के कचनार शहर में शिव मंदिर के पास स्थापित इस मूर्ति की ऊंचाई 76 फुट है। यहीं पर 12 ही ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। जबलपुर भेड़ाघाट वॉटर फाल, 64 योगिनी मंदिर और कान्हा नेशनल पार्क के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्प फोर्ट शिव मूर्ति, एयरपोर्ट रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक)
ऊंचाई 65 फुट

65 फुट ऊंची इस मूर्ति की स्थापना 1995 में हुई थी। इस मूर्ति में भगवान शिव पद्मासन की अवस्था में विराजमान हैं। इस मूर्ति की पृष्ठभूमि में कैलाश पर्वत, भगवान शिव का निवास स्थल तथा प्रवाहित हो रही गंगा नदी है।

बेलीश्वर महादेव, भंजनगर, जिला गंजम (ओडिशा)
ऊंचाई 61 फुट

भारतीय राज्य ओडिशा के भंजनगर में स्थित चंद्रशेखर महादेव मंदिर के पास स्थापित इस मूर्ति की ऊंचाई लगभग 61 फुट है। 6 मार्च 2013 को इस मूर्ति का अनावरण किया गया था।

नामची शिव प्रतिमा (सिक्किम)
ऊंचाई- लगभग 108 फुट

नामची शहर में पहाड़ी पर विराजित शिव प्रतिमा चारधाम यानी बद्रीनाथ, रामेश्वरम, द्वारका और पुरी के मंदिरों के प्रतिरूप में रूप में देखने को मिलती है। यहां बनी शिव की मूर्ति 108 फुट ऊंची है। इसे सिद्धेश्वर धाम तथा किरातेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। यह सिक्किम के गंगटोक से 92 किलोमीटर की दूरी पर है तथा इस मंदिर में 12 ज्योतिर्लिंगों को भी दर्शाया गया है।

मंगल महादेव, हरियाणा
ऊंचाई- 101 फुट

हरियाणा में मंगल महादेव की विशाल प्रतिमा है। यह दिल्ली से जिसकी ऊंचाई करीब 101 फुट है। शिवरात्रि के साथ ही आम दिनों में भी यहां भक्तों की उतनी ही भीड़ देखने को मिलती है।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे।

मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी

करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मेक्सिको की एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं; ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कंपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजांद्रा उस्कियानो, और ब्राजील के मार्कस डी' अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं जो हैदराबाद में एपीएल में डेब्यू करने जा रहे हैं।

अर्जुन तेंदुलकर के करियर का बड़ा फैसला इस टीम के साथ ही जारी रखेंगे घरेलू क्रिकेट

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार अब भी जारी है। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने अपने घरेलू क्रिकेट करियर की शुरुआत मुंबई से की थी, लेकिन 2022-23 सीजन से पहले उन्होंने गोवा का रुख कर लिया। तब से वह गोवा की टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। हाल ही में गोवा के ओमान दौरे पर अर्जुन के नहीं जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि, अब अर्जुन ने गोवा के साथ अपने सफर को जारी रखने का फैसला किया है।

अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी काम किया है। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अर्जुन ने शानदार शतक भी लगाया था। इस प्रदर्शन के बाद अर्जुन की पहचान सिर्फ सचिन तेंदुलकर के बेटे के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑलराउंडर क्रिकेटर के तौर पर भी मजबूत हुई है। गोवा की टीम ने उन्हें लगातार खेलने और गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया है। ऐसे में गोवा के साथ बने रहना उनके करियर के लिए अहम फैसला माना जा रहा है।

अर्जुन तेंदुलकर को IPL 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला। हालांकि, पूरे सीजन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार सीजन के आखिरी मुकाबले में उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरने का मौका मिला। इस मुकाबले में अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनकी गेंदबाजी में खास तौर पर यॉर्कर देखने को मिलीं।

संक्षिप्त समाचार

2000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट दिखा रहे इंसानों जैसा करतब; हैरान हुए दर्शक

बीजिंग , एजेंसी। बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स यानी 'रोबोट ओलंपिक' की शुरुआत हो गई है। पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में 16 देशों की 650 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट फुटबॉल, टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार से दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स (रोबोट ओलंपिक) की शुरुआत हो गई है। इस पांच दिवसीय आयोजन में 16 देशों के 650 से अधिक टीमों के 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। ह्यूमनॉइड के इस ओलंपिक में रोबोट्स के बीच दौड़, फुटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, किकबॉक्सिंग जैसे विभिन्न खेल मुकाबले व औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं। पहले दिन 4,00 मीटर और 1,500 मीटर जैसी दौड़ पूरी तरह से स्वायत्त श्रेणी में हुई, जहां रोबोट्स बिना रिमोट कंट्रोल के दौड़े। वी आर चाइना की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्घाटन के मौके पर रोबोट्स ने किसी आर्मी परेड की तरह बिल्कुल एक कतार और तालमेल में मार्च-पास्ट किया। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट गैलबॉट ने जब लॉन टेनिस के लिए जोरदार डाइव लगाई तो यह नजारा देख दर्शक हैरान रह गए।

मान्सी लाथर ने जीता रजत, तन्वी और कोमल ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। मान्सी लाथर ने 68 किग्रा में रजत, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने 57 व 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन और पदक अपने नाम कर लिए। मान्सी लाथर ने 68 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने क्रमशः 57 और 59 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए।

मंसी लाथर को रजत पदक

68 किलोग्राम भारवर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में मान्सी लाथर को चीन की चेनलिंग सॉन्ग के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मान्सी को इस मुकाबले में 1-2 से शिकस्त मिली। इस तरह उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी ने 10-4 से दर्ज की जीत

57 किलोग्राम भारवर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में तन्वी मगदूम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तन्वी ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया। ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैंपेन शुरू करेगा। मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो। न्यूएर के बयान को उनके भविष्य में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

स्टार्क की आंधी में उड़ा बांग्लादेश

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन के अंदर जीत लिया मैके टेस्ट, सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेला गया. इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रनों से हरा दिया. इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया. पहला टेस्ट डार्विन में खेला गया था, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी. अब कंगारुओं ने उस हार का बदला दमदार तरीके से लिया है.

मैके टेस्ट मैच का नतीजा दो दिन के अंदर आ गया. दूसरे दिन (23 अगस्त) चायकाल के कुछ देर बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैदान मार लिया. मैके टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रहे. बाएं हाथ के दिग्गज गेंदबाज स्टार्क ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में चार विकेट झटके. स्टार्क ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए थे. यानी उन्होंने मुकाबले में कुल 10 विकेट अपने नाम किए. स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया.

मिचेल स्टार्क की तूफानी गेंदबाजी के चलते बांग्लादेश अपनी दूसरी पारी में 95 रनों पर ढेर हो गया. बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए. वहीं मुश्फिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे. बाकी के 9 बल्लेबाज तो दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच पाए, जिनमें तीन का खाता तक नहीं खुला. कप्तान पैट कमिंस और नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लेकर स्टार्क का अच्छा साथ निभाया.

शोरिफुल की मेहनत बेकार गई

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 210 रनों पर सिमट गई थी. पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 146 रनों की लीड मिली. कैमरन ग्रीन ने 10 चौके की मदद से 105 बॉल पर 67 रन बनाए. वहीं स्टीव स्मिथ (42 रन) और नाथन लायन (नाबाद 32 रन) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं. बांग्लादेश के लिए लेफ्ट आर्म पेसर शोरिफुल इस्लाम ने 7 विकेट लिए. जबकि तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद को एक-एक विकेट मिले.

पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत:मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

22वें मिनट में मैदान पर गिरे, अस्पताल ले जाया गया

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर किया निराश... 2 चौके जड़े, फिर इस अनजान गेंदबाज ने फंसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए दलीप ट्रॉफी का डेब्यू उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा. नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वैभव ईस्ट जोन की ओर से पहली पारी में महज 8 रन बनाकर आउट हो गए. उन्होंने लगातार दो चौके लगाकर इंटेंट दिखाया था, लेकिन इस आक्रामक अंदाज को ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रख सके. बेंगलुरु स्थित (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर ईस्ट जोन को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था. नई गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और ईस्ट जोन ने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया. वैभव सूर्यवंशी ने अपने दलीप ट्रॉफी करियर की शुरुआत बिल्कुल उसी अंदाज में की, जिसके लिए वह पहचाने जाते हैं. पारी के दूसरे ओवर में बिश्वोरजीत कोंथौजम की तीसरी गेंद को कवर रीजन से उन्होंने बाउंड्री के पार पहुंचाया. अगली गेंद पर भी उन्होंने कवर ड्राइव लगाकर चौका बटोरा. हालांकि गेंदबाज ने जल्द ही उनकी आक्रामकता का जवाब ढूंढ लिया. आखिरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने एक और बार कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन इस बार टाइमिंग सही नहीं रही. गेंद बल्ले का किनारा लेकर गली में पहुंची, जोसेफ लालथनखुमा ने कैच लपक लिया. इस तरह वैभव की पहली दलीप ट्रॉफी पारी 6 गेंदों में 8 रनों पर समाप्त हुई. बिश्वोरजीत कोंथौजम ने लगातार दो चौके खाने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और ओवर की आखिरी गेंद पर युवा बल्लेबाज को पवेलियन भेजकर हिसाब बराबर कर लिया.

देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया, नंबर-3 पर खत्म की भारत की टेंशन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 4 विकेट पर 291 रन बनाए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया है। वह 117 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रवींद्र जडेजा फिफ्टी के करीब थे। पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें लाहिरू कुमारा की शॉर्ट गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी थी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

संयम भरी पारी और कप्तान गिल के साथ अहम साझेदारी

पडिक्कल ने इस पारी में गजब का धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने बिना कोई जोखिम उठाए बेहद आराम से बल्लेबाजी की और 168 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने एक भी छक्का नहीं लगाया और 10 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर एक मजबूत साझेदारी निभाई, जिसकी बदौलत भारतीय टीम मैच में काफी मजबूत और संभली हुई स्थिति में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने इस मैच में सिर्फ 66 रन पर अपने दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की अहम साझेदारी हुई।

पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम नंबर-3 के स्थान पर एक ऐसे भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में थी, जो तेज और स्पिन गेंदबाजी दोनों का मजबूती से सामना कर सके। पडिक्कल ने लगातार दो शतकों के साथ इस समस्या को लगभग पूरी तरह से सुलझा दिया है। जिस तरह से वे स्पिन और पेस अटैक के खिलाफ आसानी से रन बना रहे हैं, उससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह काफी हद तक पक्की कर ली है।पडिक्कल के इस निरंतर शानदार प्रदर्शन ने उन खिलाड़ियों के लिए राह कठिन कर दी है जो लंबे समय से नंबर-3 की रेस में बने हुए थे। इनमें सबसे प्रमुख नाम साई सुदर्शन का है। गौरतलब है कि साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद ही देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होने का मौका मिला था।

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा बोलीं-

पहले 11 बच्चे चाहती थी

अभी एक भी नहीं चाहिए

अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं। अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं।

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने हाल ही में अपने अतीत के एक नार्सिसिस्टिक दुर्व्यवहार (आत्ममुग्धता से भरे शोषण) वाले रिश्ते के बारे में बताया। धन्या वर्मा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में अनुपमा ने कहा कि उनके एक्स-पार्टनर ने कथित तौर पर उन्हें एक्ट्रेस होने, कॉन्फिडेंट होने और यहां तक कि पीरियड्स होने जैसी बातों पर भी शर्मिंदा महसूस कराया। रिश्ते के असर के बारे में बताते हुए अनुपमा ने कहा कि पहले वह 11 बच्चे चाहती थीं, लेकिन अब बच्चे नहीं चाहतीं। उन्होंने बताया कि पूर्व पार्टनर हर बहस को उनके पीरियड्स से जोड़ देता था, फिर चाहे वह पीरियड्स के किसी भी दिन हुई हो। उन्होंने कहा, 'पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन, दसवां दिन, पंद्रहवां दिन, बीसवां दिन या पच्चीसवां दिन, साइकिल का कोई भी दिन हो।

आप इस व्यक्ति की किसी गलती पर उससे सवाल करेंगे, तो वह कहेगा- ओह, तुम पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) कर रही हो, तुम्हारे पीरियड्स आने वाले हैं। इसलिए मुझे बहुत शर्म आती थी।' अनुपमा ने आगे कहा, रिश्ते में लगातार इमोशनल उतार-चढ़ाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग नार्सिसिस्टिक एब्यूज के बारे में नहीं जानते हैं। एक दिन, वह रेमो होगा। मुझ पर प्यार और देखभाल की बारिश होगी और मैं शायद दुनिया का सबसे लकी इंसान महसूस करूंगी। उन्होंने कहा, 'लेकिन अगले दिन वह अन्नियन होगा। यह उसका सबसे क्रूर रूप होगा और उसे आसपास क्या हो रहा है, इसकी बिल्कुल परवाह नहीं होगी। अनुपमा ने आगे कहा था, 'अगले दिन यही व्यक्ति अंबी बन जाएगा। वह अपनी गलतियों के लिए मुझसे माफी मांगेगा और बच्चे की तरह रोएगा। वह वादा करेगा कि गलतियां दोबारा नहीं करेगा, लेकिन फिर प्यार का वही चक्र जारी रहेगा।

मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था।

'मैं 11 बच्चे पैदा करने का सपना देखने वाली इंसान थी। इस समय मुझे बच्चे भी नहीं चाहिए। मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था। अपनी उपलब्धियों को लेकर भी मुझे बहुत बुरा लगता था। अनुपमा पहले भी अपने पूर्व पार्टनर के साथ रिश्ते के अनुभव के बारे में बात कर चुकी हैं। एक पुराने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने इस रिश्ते को 'नार्सिसिस्टिक एब्यूज' बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पार्टनर ने धीरे-धीरे उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के अलग-अलग पहलुओं को कंट्रोल करना शुरू कर दिया था।

जानवरों को टारगेट करना बंद करो

को-एग्जिस्ट करना सीखो : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता जानवरों के प्रति खास जुड़ाव रखती हैं और अक्सर उनके प्रति प्यार और सुरक्षा को लेकर अपनी राय रखती रहती हैं। अभिनेत्री ने एक खास पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने स्ट्रीट डॉग्स की सेफ्टी को लेकर खास अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि एक डॉग उनके मेकअप रूप के बाहर असहाय हालत में बैठा था, जिसके बाद उन्होंने उसे अपने मेकअप रूप में बुला लिया। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने लिखा, 'डॉग सेट पर इधर-उधर खाना ढूंढ़ रही थी, लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे या फिर डांटकर भगा रहे थे। उसी समय मैं अपना मेकअप टचअप करवाने आई थी। डॉग दरवाजे से झांक रही थी, जैसे पूछ रही हो, 'क्या मैं अंदर आ सकती हूं?' और बस मुझे इतना कहा कि आजा और वह चुपचाप अंदर आ गई थोड़ी डरी हुई। मैने पूछा कि कुछ खाएंगी? बाद में उसने पूंछ हिलाई और मेरे पास आकर बैठ गई।' अभिनेत्री ने बताया कि बाद में उनका असिस्टेंट उसके लिए खाना और दूध लेकर आया था। उन्होंने लिखा, 'वह बहुत भूखी थी, मेरे असिस्टेंट ने उसे जो दिया था। उसने तुरंत ही सब कुछ खत्म कर दिया और ज्यादा नहीं मांगा। बस वहीं बैठी रही। शायद कमरे में सेफ महसूस कर थी। उसे देख सभी के चेहरे में स्माइल आ गई थी। अभिनेत्री ने सभी सवाल करते हुए लिखा कि हम उन्हें भगाते, मारते और दूर क्यों करते हैं, जो हम पर डिपेंड हैं? जिनका हमारे साथ रहने का उतना ही हक है? पहले मुझे स्ट्रीट डॉग से बहुत डर लगता था। उन्होंने लिखा, 'मैं अब जब भी देखती हूं कि इन जानवरों को लगातार टारगेट किया जाता है, तो मैं खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करती हूं। उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस थोड़ा खाना और प्यार की चाहत है। हम कौन होते हैं ये तय करने वाले कि हमारे साथ कौन रहेगा और कौन नहीं, ये ऊपर वाले का काम है। उन्होंने आगे लिखा, 'हमारा काम बस ऊपर वाले की कायनात में सबके साथ मिल-जुल कर रहना है। अभी भी मेरे चेहरे पर हल्की सी स्माइल है। मैं उम्मीद करती हूं कि आज कोई और भी उससे दोस्ती करेगा। बाय छोटी... तुमको हमेशा सेफ जगह मिले।

सास-बहू के रिश्ते पर बोलीं मीनाक्षी शेषाद्रि

'मैं पर्सनली चाहती हूं कि शादी के बाद मां और बेटी जैसा रिश्ता हो'

बॉलीवुड फिल्मों में सास और बहू का रिश्ता लंबे समय से एक खास तरह से दिखाया जाता रहा है। कभी दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर तकरार दिखाई जाती है, तो कभी सास को सख्त और बहू को परेशान रहने वाली महिला के रूप में पेश किया जाता है। 90 के दशक की कई फिल्मों में यह रिश्ता कहानी का बड़ा हिस्सा हुआ करता था।

अब दिग्गज अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने भी फिल्मों में दिखाए जाने वाले इस रिश्ते पर अपनी बात रखी है। उन्होंने अपनी फिल्म 'घर हो तो ऐसा' को याद करते हुए कहा कि पर्दे पर सास-बहू के रिश्ते को अक्सर नकारात्मक तरीके से दिखाया गया है, जबकि असल जिंदगी में यह रिश्ता प्यार और समझ से भरा होना चाहिए। मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'घर हो तो ऐसा' के मशहूर गाने 'जनवरी फरवरी' का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में वह काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। उन्होंने गाने पर अपने डांस और एक्सप्रेशन से पुरानी यादें ताजा कर दीं।

इस वीडियो के साथ मीनाक्षी ने फिल्म और उसमें दिखाए गए सास-बहू के रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''फिल्म 'घर हो तो ऐसा' में मैंने ऐसी बहू का किरदार निभाया था, जो अपनी सास के गलत व्यवहार के सामने चुप नहीं रहती। फिल्म में मेरी सास का किरदार दिग्गज अभिनेत्री बिंदू ने निभाया था। मेरे किरदार ने सास को कुछ कड़े सबक सिखाए थे।'' उन्होंने आगे लिखा, ''फिल्म में सास-बहू के बीच होने वाले टकराव को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के साथ-साथ इसमें कॉमेडी और ड्रामा भी जोड़ा गया था। कहानी में कराटे के सीन भी देखने को मिले थे। फिल्म ने घरेलू रिश्तों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे को मनोरंजन के साथ दर्शकों के सामने रखा था। फिल्म में बहू, सास के गलत व्यवहार का सामना करता है और अपने लिए आवाज उठाती है।''

कुब्रा ने शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

फिर नज़र आएंगी सायरा के किरदार में

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गईं कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है। तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आख़िरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की ख़ुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था। गौरतलब है कि अभिनय के अलावा लेखन, होस्टिंग और हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत, टैलेंट का पावरहाउस बन चुकी हैं। यही वजह है कि 'फर्जी 2' के साथ उनकी वापसी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लंबे समय से अपनी इस एक आदत से जूझ रहे हैं Suniel Shetty

अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने इंट्रोवर्ट स्वभाव के बारे में बात की है, जिसे वह अपनी कमी मानते हैं और अभिनय की दुनिया में इसे मुश्किल बताते हैं। हर इंसान का अलग-अलग व्यक्तित्व होता है। कुछ लोग बहुत ज्यादा बात करना पसंद करते हैं तो कुछ इंट्रोवर्ट होते हैं जिन्हें ज्यादा लोगों से बात करना पसंद नहीं होता। अभिनेता सुनील शेट्टी का कहना है कि वह भी इंट्रोवर्ट स्वभाव के हैं। हालांकि, वह इसे अपनी कमी मानते हैं। अभिनय की दुनिया में इंट्रोवर्ट होना काफी मुश्किल बात मानी जाती हैं, क्योंकि यहां कलाकार को कई कलाकारों के साथ काम करना पड़ता है।

एंकरिंग के नाम पर हो जाते हैं नर्वस

सुनील कहते हैं,'मैं कभी लोगों से बहुत ज्यादा खुलकर बात नहीं कर पाया। जब भी मुझे कहीं एंकरिंग के लिए कहा जाता था तो मैं नर्वस हो जाता था। यह सच है कि फिल्मों में काम करते हुए इंट्रोवर्ट होने से काम मुश्किल हो जाता है। इसलिए अगर कोई मुझसे कहता कि तुम्हें नाटक करना चाहिए तो मुझे हमेशा लगता था कि मैं अपनी पंक्तियां भूल जाऊंगा। यह अजीब है, लेकिन मैं ऐसा ही हूं। यही मेरा स्वभाव है, यह एक ऐसी कमी है जिससे मैं बाहर नहीं निकल पाया।'

कोई दूसरी शादी नहीं हो रही

गोविंदा के मैनेजर ने सुनीता के दावों को किया खारिज

गोविंदा और सुनीता की शादीशुदा जिंदगी उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। बीते दिनों सुनीता ने दावा किया था कि गोविंदा रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ दूसरी शादी करने की प्लानिंग में हैं। इन दावों पर चीची के मैनेजर का रिएक्शन सामने आया है। अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ वक्त पहले भी दोनों के अलगाव की खबरें सामने आई थीं। सुनीता ने तलाक का केस फाइल किया था। वहीं, दो दिन पहले उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया। इस बीच उन्होंने ऐसा दावा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी में थे। सुनीता के इन दावों को गोविंदा के मैनेजर ने खारिज किया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी के विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। बीते दिन सुनीता ने राखी सावंत से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयार कर रहे थे। सुनीता ने यह बात उस वक्त कही, जब राखी पैपराजी के सामने ही फोन स्पीकर पर रखकर उनसे बातें कर रही थीं।

संक्षिप्त समाचार

5 साल की हिंद रजब जिस कार में थी, उस पर सैनिकों ने 355 गोलियां बरसाई थीं

यरुशलम/काहिरा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने 934 दिन बाद पहली बार स्वीकारा है कि जनवरी 2024 में गाजा में पांच साल की फलस्तीनी बच्ची हिंद रजब और उसके परिवार को ले जा रही कार पर उसके सैनिकों ने ही गोलियां चलाई थीं। सैनिकों ने हिंद और उसके परिवार की कार पर 355 गोलियां चलाई थीं। यह घटना दुनियाभर में गहरा आक्रोश पैदा कर चुकी है और अब सेना ने इस मामले में आपराधिक जांच के आदेश दे दिए हैं। 29 जनवरी 2024 को गाजा शहर के तेल अल-हवा इलाके में हिंद रजब अपने छह परिजनों के साथ एक कार में यात्रा कर रही थी, तभी इस्राइली सेना ने कार पर गोलीबारी कर दी। हिंद और उसकी चचेरी बहन लायन को छोड़कर बाकी सभी की मौके पर ही मौत हो गई। लायन ने फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी की आपात सेवा को फोन किया और गोलियों व चीख-पुकार के बीच हालात बताती रही, तभी कॉल कट गई। इसके बाद हिंद ने खुद एक कॉल का जवाब दिया और अरबी भाषा में ऑपरेटर से कहा, टैंक मेरे बगल में है...डर लग रहा है, प्लीज आ जाओ। फिर गोलियों की आवाज गूंजी और कॉल अचानक कट गई। एजेंसी फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बच्चों को बचाने के लिए एक एंबुलेंस भी भेजी। इसकी जानकारी पहले ही इस्राइली सेना को दे दी गई। इसके बावजूद, इस्राइली सेना ने एंबुलेंस पहुंचने के बाद उस पर भी एक गोला दागा, जिसमें दो पैरामेडिक्स की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रंप के खास एड मार्टिन की जस्टिस डिपार्टमेंट से विदाई- राष्ट्रपति ने दी नई जिम्मेदारी; क्या होगी नई भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। एड मार्टिन ट्रंप प्रशासन में कई विवादित भूमिकाएं निभाने के बाद जस्टिस डिपार्टमेंट से विदा हो रहे हैं। ट्रंप के अनुसार, अब मार्टिन 2026 के मिड-टर्म और 2028 के राष्ट्रपति चुनावों से जुड़ी कानूनी लड़ाइयों पर ध्यान देंगे। उनकी विदाई ऐसे समय हुई है जब ट्रंप प्रशासन चुनावी प्रक्रिया, गैर-नागरिकों के मतदान और संघीय सरकार की चुनावों में भूमिका को लेकर सक्रिय है। मार्टिन का ट्रंप के चुनावी आंदोलन और 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़ा पुराना संबंध भी उन्हें इस राजनीतिक लड़ाई का महत्वपूर्ण चेहरा बनाता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मार्टिन जस्टिस डिपार्टमेंट में 'पार्डन अटॉर्नी' यानी राष्ट्रपति की माफी से जुड़े मामलों के वकील का पद छोड़ रहे हैं। अब वह इस साल होने वाले मिड-टर्म चुनाव और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी 'कानूनी लड़ाइयों' पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ट्रंप ने लिखा, मुझे पता है कि वह बहुत अच्छा काम करेंगे। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और ईमानदार हों तथा हमारे संवैधानिक अधिकारों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। पिछले साल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के लिए अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी नियुक्त किए जाने के बाद से ही मार्टिन ट्रंप प्रशासन में विवादों के केंद्र में रहे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने ट्रंप की ओर से 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़े आरोपियों को बड़े पैमाने पर माफी दिए जाने के बाद उन मामलों को समाप्त करने की प्रक्रिया की निगरानी की थी।

ट्रंप को भी हद दिखाने वाली मेलोनी, तीन फीसदी वोट से सत्ता तक पहुंचीं; अब बना रहीं नया रिकॉर्ड

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी इन दिनों अपने राजनीतिक सफर की वजह से चर्चा में हैं। वह न सिर्फ अपनी सरकार को लगातार मजबूत बनाए रखने में सफल रही हैं, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे ताकतवर नेता को भी कई मौकों पर दो टूक जवाब दे चुकी हैं। मेलोनी 4 सितंबर को इटली गणराज्य यानी 1946 के बाद सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। उनका यह सफर इसलिए भी खास है, क्योंकि जिस पार्टी को उन्होंने खड़ा किया था, वह कभी सिर्फ 3 फीसदी वोट पर अटकी रहती थी। मेलोनी और ट्रंप के बीच कई मौकों पर मतभेद सामने आए हैं। ट्रंप ने एक बार आरोप लगाया था कि जी-7 शिखर सम्मेलन में मेलोनी उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ाई थीं। इस पर मेलोनी ने जवाब दिया कि इटली कभी किसी के आगे भीख नहीं मांगता। जब ट्रंप ने वेटिकन के पोप पर निशाना साधा, तब भी मेलोनी ने साफ कहा कि इटली में कई मुद्दों पर बहस हो सकती है, लेकिन पोप का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। कभी ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होने वाली इकलौती यूरोपीय राष्ट्राध्यक्ष रहीं मेलोनी अब वाशिंगटन से बातचीत को लेकर अलग रुख अपना रही हैं। तीन फीसदी वोट वाली पार्टी सत्ता तक कैसे पहुंची मेलोनी का राजनीतिक सफर बेहद कम उम्र में शुरू हुआ।

नवाज शरीफ की 2019 वाली स्क्रिप्ट दोहरा रहे इमरान, क्या सरकार के साथ इलाज के नाम पर हो चुकी है डील

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजनीति में जेल, अदालत और सत्ता का रिश्ता हमेशा बेहद उलझा हुआ रहा। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पैदा हुआ नया विवाद इसी पुराने राजनीतिक पैटर्न की याद दिला रहा है। 18 अगस्त 2026 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद इमरान खान को अस्पताल ले जाने का आदेश दिया। इसके दो दिन बाद सरकार ने संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें इलाज के लिए विदेश भी भेजा जा सकता है, लेकिन इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यही वजह है कि 2019 का नवाज शरीफ प्रकरण फिर चर्चा में आ गया। उस समय भी मामला जेल में बंद एक पूर्व प्रधानमंत्री की बिगड़ती सेहत से शुरू हुआ था। मेडिकल आधार पर राहत मिलने के बाद नवाज शरीफ को इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति मिली थी। उनकी मौजूदा चिकित्सा स्थिति तथा कानूनी स्थिति अलग है। इसलिए सवाल डील का कम और पाकिस्तान की उस राजनीतिक परंपरा का ज्यादा है। इसमें जेल में बंद बड़े नेताओं को स्वास्थ्य के आधार पर राहत मिलने के बाद सियासी समीकरण बदलते रहे हैं। चलिए पहले इतिहास में चलते हैं और जानते हैं कि नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था।

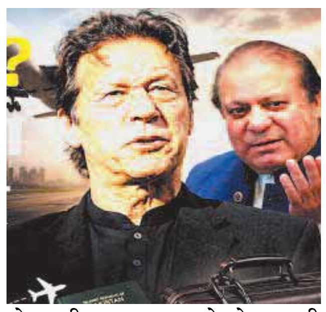

2019 में नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था : नवाज शरीफ उस समय भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल की सजा काट रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और मेडिकल आधार पर राहत का रास्ता खुला। फरवरी 2019 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मेडिकल आधार पर उनकी जमानत याचिका खारिज की थी, लेकिन बाद के महीनों में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर मामला फिर गंभीर हुआ। अक्तूबर-नवंबर 2019 में उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिली और इलाज के लिए विदेश जाने का रास्ता तैयार हुआ। नवंबर 2019 में पाकिस्तान सरकार ने नवाज शरीफ को इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की एक बार की अनुमति दी थी। सरकार ने इसके लिए एक क्षतिपूर्ति बांड की शर्त भी रखी थी। बाद में लाहौर हाईकोर्ट के आदेश के बाद विदेश जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी और नवाज शरीफ लंदन चले गए। उनके साथ उस समय उनके भाई शहबाज शरीफ भी थे। यानी 2019 का घटनाक्रम सीधे तौर पर जेल से शुरू होकर मेडिकल जांच, अदालत की राहत और फिर विदेश में इलाज तक पहुंचा था। आज इमरान खान के मामले में भी जेल से अस्पताल और फिर संभावित विदेश इलाज की बात सामने आई है। यही समानता दोनों मामलों को एक साथ देखने की वजह बन रही है।

क्या सरकार सच में इमरान को विदेश भेज सकती है : यही इस पूरे मामले का सबसे अहम सवाल है। 20 अगस्त को पाकिस्तान सरकार ने संकेत दिया कि अगर इमरान खान के इलाज के लिए जरूरत पड़ी तो उन्हें विदेश भेजने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। हालांकि सरकार ने साफ किया कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यानी अभी ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि इमरान खान को लंदन या किसी दूसरे देश भेजा जा रहा है। सरकार की बात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जेल में बंद किसी बड़े राजनीतिक नेता को विदेश इलाज के लिए भेजना केवल मेडिकल फैसला नहीं रहता। इसमें अदालत, जेल प्रशासन, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी जुड़ जाती है। नवाज शरीफ के मामले में भी विदेश जाने के लिए अदालत और सरकार के स्तर पर कई कानूनी कदम उठे थे। उनके लिए पहले मेडिकल आधार पर राहत मिली और फिर विदेश जाने की अनुमति की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इसलिए इमरान के मामले में अभी सबसे सही बात यही है कि विदेश इलाज का विकल्प खुला बताया गया है, लेकिन उसे अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। अगर आगे अदालत या सरकार की ओर से औपचारिक अनुमति मिलती है, तभी इसे नवाज शरीफ वाले घटनाक्रम की अगली कड़ी माना जा सकेगा।

क्या इमरान और नवाज के मामलों में सचमुच समानता है : दोनों मामलों में पहली बड़ी समानता यह है कि दोनों पूर्व प्रधानमंत्री जेल में थे और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे। दोनों मामलों में मेडिकल जांच और अदालत की भूमिका सामने आई। दोनों मामलों में विदेश में इलाज की संभावना भी चर्चा में आई। लेकिन दोनों की कानूनी स्थिति बिल्कुल समान नहीं है। नवाज शरीफ को 2019 में विदेश जाने की अनुमति एक तय प्रक्रिया के तहत मिली थी, जबकि इमरान खान के मामले में अभी सरकार ने केवल जरूरत पड़ने पर विदेश इलाज की संभावना जताई है। दूसरी बड़ी बात यह है कि इमरान के खिलाफ इस समय भी कई कानूनी मामले और अपीलें चल रही हैं। एक मामले में वह 14 साल की सजा काट रहे हैं, जबकि कई अन्य मामलों में सजा निलंबित या फैसले पलटे जा चुके हैं। ऐसे में विदेश जाना केवल स्वास्थ्य का मामला नहीं होगा। यह कानूनी अनुमति और उनकी हिरासत की स्थिति से भी जुड़ा होगा। यही कारण है कि इमरान खान के समर्थक इसे राहत की शुरुआत के रूप में देख सकते हैं।

होर्मुज को लेकर यूएस कर रहा क्या तैयारी: इधर ट्रंप ने दी ईरान को धमकी, उधर रूबियो ने की ओमान को साधने की कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाने को लेकर तनाव चरम पर है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उनके अनुसार वह सही डील के लिए अभी तैयार नहीं है। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्र के महत्वपूर्ण इलाकों पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा भी दोहराया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ आर्थिक कदमों का यह मतलब नहीं है कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प सीमित हो गए हैं। ट्रंप ने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। इसका सिर्फ मतलब है कि हम देख रहे हैं कि क्या होता है। उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास नौसेना नहीं है, उनके पास वायुसेना नहीं है, वे अपने सैनिकों को वेतन नहीं दे रहे हैं, वे अपनी पुलिस को वेतन नहीं दे रहे हैं, वहां 350 प्रतिशत महंगाई है।

ट्रंप ने दोहराया होर्मुज पर नियंत्रण का दावा : अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, हम बस यह देखेंगे कि क्या होता है और जैसा कि आप जानते हैं, सीमा पर हमारा पूरा नियंत्रण है। हमारे पास पूरी तरह नियंत्रण है। अगर आप नाकाबंदी को देखें, तो हमारे पास होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े पूरे क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण है। ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौते में रुचि रखता है, लेकिन उसने अभी तक उन शर्तों को स्वीकार नहीं किया है, जिन्हें वॉशिंगटन चाहता है। उन्होंने कहा, तो वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मेरी राय में वे सही डील करने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप का यह बयान वॉशिंगटन और तेहरान के बीच जारी तनाव के बीच आया है। ट्रंप ने हाल ही में ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने ईरान को वित्तीय, कारोबारी या सरकारी समर्थन देने वाले देशों को बहुत गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने वॉशिंगटन में अमेरिका में ओमान के राजदूत तलाल अल रहबी से मुलाकात की। दोनों ने आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग को दोहराया। ओमान के दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महामहिम राजदूत तलाल अल रहबी ने वाशिंगटन डीसी में इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की।

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम: यूएस के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी : कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर जीभ की जांच में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की छोटी छड़ियां तक शामिल हैं।

तीन दिन की समय सीमा बढ़ी, फिर भी नहीं बनी बात हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक नुकसान से भी बड़ा होने की संभावना है। पिछले साल दोनों देशों के बीच करीब 880 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार हुआ था। इन शुल्कों को शुरुआत में बुधवार रात 12 बजकर 1 मिनट से लागू किया जाना था। लेकिन ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समय सीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद दोनों देश तय समय तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

कनाडा के गुरुद्वारे में चाकूबाजी- सुबह की अरदास के दौरान मचा हंगामा; दो लोग घायल, पीएम कार्नी ने जताई संवेदनाएं

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के एडमंटन स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा में शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हंगामा किया। उसे काबू करने की कोशिश के दौरान हुई झड़प में दो पुरुषों पर चाकू से हमला हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है और दोनों घायलों की चोटें गंभीर नहीं हैं। हमले की वजह और यह हेट क्राइम था या नहीं, इसकी जांच जारी है। घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह तय समय पर आयोजित किया गया। सुबह 5 बजे के बाद गुरुद्वारे में मचा हड़कंप यह घटना एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा मंदिर में सुबह 5 बजे के कुछ समय बाद हुई। एडमंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई घटना की सूचना मिलने पर अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया।

हमले के पीछे की वजह अभी साफ नहीं : पुलिस ने अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामले की जांच संभावित घृणा-प्रेरित अपराध यानी हेट क्राइम के तौर पर की जा रही है या नहीं।

शादी से पहले प्रार्थना में घुसा आरोपी : गुरुद्वारा प्रतिनिधि हरमीत सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे के अंदर आया और बाद में होने वाली शादी से पहले चल रही सुबह की प्रार्थना में बाधा डालने लगा। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, ÷वह अंदर आया और हंगामा करने लगा। हमारी सुबह की प्रार्थना बाधित हो गई। जो लोग प्रार्थना कर रहे थे, उन्होंने इस व्यक्ति को देखा। ऐसा लग रहा था कि वह यहां आने वाला कोई सामान्य श्रद्धालु नहीं था।

समझाने की कोशिश नाकाम, हाथापाई के बाद चाकूबाजी सहगल के मुताबिक, प्रार्थना करा रहे लोगों ने पहले उस व्यक्ति से बात कर उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, %वह व्यक्ति किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की। उसने भी इसका विरोध किया।

झड़प में दो लोगों को चाकू मारा गया : इसी टकराव के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। सहगल ने बताया कि हमले के बाद दोनों घायल होश में थे। उन्होंने कहा, आखिरी बार जब मैंने सुना, तब दोनों बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों घायलों की हालत गंभीर नहीं है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं बताई गई हैं। सुबह हुई इस हिंसक घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह को रद्द नहीं किया गया। समारोह सुबह करीब 10:30 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया। सहगल ने कहा कि राहत की बात यह रही कि गुरुद्वारे की संपत्ति को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा और विशेष रूप से सिख धर्मग्रंथ भी सुरक्षित रहे, जिन्हें समुदाय में बेहद पवित्र माना जाता है।

दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा सरकार की नजरें टेढ़ी

यान जुआंग, एजेंसी। चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है। क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी फूड डिलीवरी ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं। उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है। उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है। यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है। ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं। क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है। प्रवासी श्रमिक हू अनयान ने कूरियर कर्मचारी समेत 19 अलग-अलग तरह के काम किए हैं। उन्होंने लॉजिस्टिक्स कंपनी में छंटनी करने वाले कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और सुविधा स्टोर कर्मचारी जैसे काम भी किए।

भारत-नेपाल सीमा पर कैसे बना जालसाजी का नेटवर्क 500 यात्रा दस्तावेज गायब होने से खुला राज

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में 15 साल पहले विदेश मंत्रालय के स्टोर से गायब हुए 500 खाली यात्रा दस्तावेजों की दोबारा जांच ने भारत और नेपाल से जुड़े दस्तावेज जालसाजी के एक कथित नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जांच में आशंका जताई गई है कि इस नेटवर्क के जरिए विदेशी नागरिकों और शरणार्थियों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार किए जाते थे। इसके बाद इन्हीं प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेज हासिल किए जाते थे। भारत-नेपाल की खुली सीमा और दोनों देशों के बीच वीजा-मुक्त आवाजाही को देखते हुए इस मामले का सुरक्षा पहलू भी महत्वपूर्ण हो गया है।

500 दस्तावेज गायब होने का मामला फिर क्यों खुला : नेपाल विदेश मंत्रालय से वर्ष 2009 में ए-026001 से ए-026500 श्रृंखला के 500 खाली यात्रा दस्तावेज गायब हुए थे। इनमें से अब तक केवल तीन दस्तावेज बरामद किए जा सके हैं। बाकी 497 दस्तावेजों का कोई पता नहीं चला है। मामले की दोबारा जांच नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीआईबी को सौंपी गई है। जांच के दौरान मंत्रालय के पूर्व अधिकारी बचराम केसी को गिरफ्तार किया गया है। उनके बयान को जांच में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वरिष्ठ राजनयिकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। इतने वर्षों बाद दोबारा शुरू हुई जांच का मुख्य सवाल यही है कि इतने संवेदनशील दस्तावेज आखिर किसके हाथ लगे और उनका इस्तेमाल कहां किया गया।

जाली नागरिकता से असली पासपोर्ट तक कैसे पहुंचते थे : जांच में सामने आए आरोपों के अनुसार कथित सिंडिकेट भारत-नेपाल सीमा से लगे जिलों में सक्रिय था। नेटवर्क के सदस्य विदेशी नागरिकों या अवैध रूप से रह रहे लोगों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार करवाते थे। इसके बाद इसी पहचान के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और दूसरे यात्रा दस्तावेज हासिल करने का रास्ता तैयार किया जाता था।

इस पूरी प्रक्रिया में दोनों देशों में मौजूद दलालों के समन्वित नेटवर्क की बात सामने आई है। गिरफ्तार पूर्व अधिकारी केसी के बयान के मुताबिक भारत और नेपाल में दलालों का एक संगठित तंत्र काम कर रहा था। हालांकि, इस नेटवर्क से जुड़े सभी आरोपों और इसकी पूरी संरचना की जांच अभी जारी है। जांच में कथित नेटवर्क के विदेशी नागरिकों से प्रति व्यक्ति करीब 5,000 अमेरिकी डॉलर वसूलने की बात सामने आई है। भारतीय मुद्रा में यह रकम करीब चार से सवा चार लाख रुपये के आसपास बैठती है। रिपोर्ट के अनुसार इस नेटवर्क में मुख्य रूप से अफगान और तिब्बती शरणार्थियों के शामिल होने की आशंका जताई गई है। साथ ही अफगानिस्तान से आए लोगों के इस जालसाजी नेटवर्क के जरिए आवाजाही करने की आशंका से भी इनकार नहीं किया गया है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि गायब हुए यात्रा दस्तावेजों में से कितने का इस्तेमाल किया गया और किन लोगों को इन दस्तावेजों के जरिए नेपाल की पहचान या यात्रा संबंधी कागजात हासिल हुए। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा होने के कारण इस मामले का असर केवल नेपाल तक सीमित नहीं माना जा रहा है।

अमेरिका में भारतीय खाना ट्रेंड में, पाकिस्तान में चाट और ढाका में साड़ी की मांग क्यों बढ़ी

न्यूयॉर्क/लाहौर/ढाका, एजेंसी। भारतीय खानपान और पहनावे का आकर्षण अब भारत की सीमाओं से बाहर भी साफ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे और मुगलई व्यंजन पसंद किए जा रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों की मांग बनी हुई है। अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय भोजन प्रमुख खानपान रुझानों में शामिल हुआ है। ऐसे में सवाल है कि क्या सांस्कृतिक पसंद राजनीतिक सीमाओं से ज्यादा मजबूत साबित हो रही है भारतीय संस्कृति का असर खानपान और पहनावे के जरिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। अमेरिका से लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक भारतीय व्यंजन और पारंपरिक परिधान लोगों की पसंद बन रहे हैं। पाकिस्तान के लाहौर और कराची में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल आकर्षण का केंद्र हैं। दूसरी तरफ ढाका में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियां खासतौर पर शादियों में पसंद की जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए दिलचस्प है क्योंकि राजनीतिक स्तर पर मतभेदों के बावजूद लोगों की सांस्कृतिक पसंद अलग दिशा में चलती दिखाई दे रही है।

अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय खाने की मांग क्यों बढ़ी : अमेरिका में भारतीय भोजन की तस्वीर पिछले कुछ समय में बदली है। भारतीय खाना पहले अक्सर सामान्य करी तक सीमित समझा जाता था, लेकिन अब अमेरिकी उपभोक्ताओं की दिलचस्पी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के व्यंजनों में बढ़ रही है। 2026 के खानपान रुझानों में क्षेत्रीय भारतीय व्यंजनों को शीर्ष पांच में जगह मिली है। अमेरिकी शहरों में भारतीय रेस्तराओं की खोज और बुकिंग में भी तेजी देखी गई है। अब ग्राहक केवल सामान्य भारतीय करी नहीं खोज रहे, बल्कि अलग-अलग इलाकों के खास स्वाद आजमाना चाहते हैं। केरल के नारियल, करी पत्ते, हींग और समुद्री भोजन जैसे स्वाद भी लोगों की पसंद में उभर रहे हैं। इससे भारतीय भोजन की पहचान क्षेत्रीय विविधता के साथ और व्यापक होती दिखाई देती है।

लाहौर और कराची में दिल्ली के स्वाद की मांग क्यों बढ़ी : पाकिस्तान में भारतीय खानपान की लोकप्रियता खासतौर पर लाहौर और कराची में दिखाई दे रही है। दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल वहां लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। लाहौर का गवालमंडी और कराची के फूड स्ट्रीट्स भारतीय स्वाद के लिए खास चर्चा में हैं। सोशल मीडिया ने भी इस रुचि को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। यूट्यूबर और व्लॉगर दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ और दक्षिण भारत के व्यंजनों को अपने वीडियो के जरिए दर्शकों तक पहुंचा रहे हैं। भारतीय शहरों के नाम से जुड़े व्यंजन भी लोगों के बीच खास आकर्षण पैदा कर रहे हैं। इस तरह खानपान ने राजनीतिक सीमाओं से अलग अपनी जगह बनाई है।

ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों का रुतबा क्यों बढ़ा : बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय साड़ियों का आकर्षण खास तौर पर शादी-ब्याह के मौकों पर नजर आता है। बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों को वहां केवल पारंपरिक पहनावे के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि इन्हें शादियों में स्टेटस और खास पसंद से भी जोड़ा जा रहा है। भारतीय खानपान की मांग भी वहां बनी हुई है। गुलशन और धानमंडी जैसे इलाकों में कोलकाता काठी रोल और पाव भाजी लोगों के पसंदीदा स्वादों में शामिल हैं। यानी भारत से जुड़े भोजन और पहनावे दोनों ने ढाका में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव इस बात का उदाहरण है कि लोगों की पसंद कई बार देशों के राजनीतिक संबंधों से अलग अपना रास्ता तय करती है। भारतीय भोजन और परिधान की यह लोकप्रियता केवल बाजार की कहानी नहीं है। इसके पीछे संस्कृति, स्वाद और लोगों की व्यक्तिगत पसंद भी काम कर रही है। अमेरिका में भारतीय क्षेत्रीय व्यंजन नए फूड ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। पाकिस्तान में दिल्ली और अमृतसर के स्वाद लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों की मांग बनी हुई है। सोशल मीडिया ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। लोग यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन सामग्री के जरिए दूसरे देशों के भोजन, कपड़े और परंपराओं से परिचित हो रहे हैं। इस पूरी तस्वीर से यह सवाल उठता है कि क्या सांस्कृतिक जुड़ाव राजनीतिक दूरी के बावजूद लोगों को करीब ला सकता है। दिल्ली की चाट से लेकर बनारसी साड़ी तक भारतीय संस्कृति का यह विस्तार कम से कम इतना जरूर दिखाता है कि स्वाद और फैशन की अपनी एक ऐसी दुनिया है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.